■ बंगाल में भाजपा दुर्गा स्क्वाड बनाएगी, सातवां वेतन आयोग लागू करेगी : राजनाथ
-12

■ कोर सेक्टर का उत्पादन मार्च में 0.4 प्रतिशत गिरा पांच महीने की बढ़त पर लगी रोक
-12

■ प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटन से ऐन पहले राजस्थान की रिफाइनरी में भीषण आग
-13

■ दिल्ली के खिलाफ घरेलू परिस्थितियों का लाभ लेना चाहेगा सनराइजर्स हैदराबाद
-14

आज का मौसम
42.0°
अधिकतम तापमान
24.0°
न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.41
सूर्यास्त 06.34

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| अयोध्या |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष पंचमी 01:20 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2083

मंगलवार, 21 अप्रैल 2026, वर्ष 4, अंक 244, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

बैंक धोखाधड़ी: आरकॉम के दो वरिष्ठ अधिकारियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने सोमवार को बताया कि एजेंसी ने अनिल अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) के दो वरिष्ठ अधिकारियों को कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने गिरफ्तार अधिकारियों की पहचान आरकॉम के उपाध्यक्ष अनिल कालिया और संयुक्त अध्यक्ष डी. विश्वनाथ के रूप में की है। केंद्रीय एजेंसी अदालत से आरोपियों की रिमांड का अनुरोध करेगी। यह जांच आरकॉम, अनिल अंबानी और अन्य आरोपियों से संबंधित है, जो भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की शिकायत के आधार पर दर्ज की गई है।

उपराष्ट्रपति ने श्रीलंका दौरा के दौरान समझौतों पर किए हस्ताक्षर

कोलंबो। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने श्रीलंका की अपनी दो दिवसीय यात्रा का सोमवार को समापन किया। इस दौरान उन्होंने द्वीपीय राष्ट्र के शीर्ष नेतृत्व के साथ वार्ता की और दोनों देशों ने द्विपक्षीय सहयोग को प्रगाढ़ करने के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। राधाकृष्णन श्रीलंका का दौरा करने वाले पहले उपराष्ट्रपति हैं। वह रविवार को कोलंबो पहुंचे और राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ बातचीत की। राधाकृष्णन ने भारत की पड़ोस पहले नीति और विकासात्मक द्विपक्षीय सहयोग पर जोर दिया।

दिल्ली दंगे मामले में उमर खालिद की याचिका खारिज

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने कार्यकर्ता उमर खालिद की उस याचिका को ठुकरा दिया है जिसमें उसने फरवरी 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश से जुड़े मामले में उसकी जमानत अर्जी को खारिज किए जाने के फैसले पर पुनर्विचार का अनुरोध किया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि दिल्ली दंगों के पीछे की साजिश के सिलसिले में खालिद के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर भरोसा करने के लिए उचित आधार हैं। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने पुनर्विचार याचिका पर मौखिक सुनवाई के आग्रह वाली याचिका भी खारिज कर दी।

एमसीएक्स को कोयला एक्सचेंज गठित करने के लिए सेबी की मंजूरी

नई दिल्ली। अब सोना-चांदी की तरह निवेशक आने वाले समय में कोयले में भी ट्रेडिंग कर सकेंगे। सेबी ने इसको लेकर मंजूरी दे दी है। एमसीएक्स ने सोमवार को कहा कि उसे 17 अप्रैल को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड से निवेश की मंजूरी मिली। शेयर बाजार को दी गयी सूचना के अनुसार, जिंस बाजार एक नई पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी बनाने की योजना बना रहा है। उसका नाम संभवत: एमसीएक्स कोल एक्सचेंज लि. या एमसीएक्स कोल एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि. होगा। एमसीएक्स ने कहा कि वह कोयला एक्सचेंज नियमों के मसौदे के तहत न्यूनतम नेटवर्थ आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नई अनुषंगी कंपनी में 100 करोड़ तक की पूंजी लगाएगा और शुरू में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी रखेगा।

किसानों को बड़ी राहत, अब बिना फार्मर रजिस्ट्री भी बेच सकेंगे गेहूं

मुख्यमंत्री योगी का बड़ा फैसला, जिलाधिकारियों को तत्काल व्यवस्था लागू करने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के लाखों किसानों को बड़ी राहत देते हुए गेहूं खरीद की प्रक्रिया में एक बड़ा बदलाव किया है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को निर्देश दिया कि अब किसान बिना 'फार्मर रजिस्ट्री' के भी सरकारी क्रय केंद्रों पर अपनी उपज (गेहूं) बेच सकेंगे। कृषि विभाग और प्रशासन के सख्त निर्देशों के बीच आए मुख्यमंत्री के इस फैसले ने उन किसानों की चिंता दूर कर दी है, जो तकनीकी कारणों से अपनी रजिस्ट्री नहीं करा पाए थे।

पिछले कुछ समय से कृषि मंत्री, मुख्य सचिव और कृषि विभाग की ओर से यह अनिवार्य किया गया था कि बिना फार्मर रजिस्ट्री के गेहूं की खरीद नहीं की जाएगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के कई किसानों को असुविधा हो रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट किया कि किसी भी किसान को केवल रजिस्ट्री के अभाव में क्रय केंद्रों से वापस नहीं लौटाया जाएगा। किसान अब पहले की तरह ही अपनी उपज बेच सकेंगे।

- किसी भी किसान को केवल रजिस्ट्री के अभाव में क्रय केंद्रों से अब नहीं लौटाया जाएगा वापस

भीषण गर्मी में सुविधाओं के विशेष निर्देश

मुख्यमंत्री ने केवल खरीद प्रक्रिया ही नहीं, बल्कि किसानों की सुविधा पर भी जोर दिया है। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए सभी सरकारी क्रय केंद्रों पर पीने के पानी, पंखों और छाया (छाजन) की उचित व्यवस्था हो। किसानों को केंद्रों पर बैठने और सम्मानजनक वातावरण में अपनी फसल बेचने का अवसर मिले।

अब तक खरीद

खाद्य एवं रसद विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार सोमवार सुबह तक प्रदेश में खरीद की स्थिति इस प्रकार है।

कुल खरीद : 2.38 लाख मीट्रिक टन।

लाभान्वित किसान : 42 हजार से अधिक।

कुल पंजीकरण : अब तक 4.77 लाख से अधिक किसानों ने गेहूं बिक्री के लिए अपना पंजीकरण करा लिया है।

क्रय केंद्र : पूरे प्रदेश में 5400 से अधिक केंद्रों पर खरीद की जा रही है।

अतिरिक्त 25 लाख टन निर्यात की मंजूरी

नई दिल्ली। सरकार ने मजबूत उत्पादन की संभावना और पर्याप्त भंडार को देखते हुए सोमवार को गेहूं के अतिरिक्त 25 लाख टन निर्यात की अनुमति दे दी, जिससे कुल स्वी वापस कृत निर्यात मात्रा बढ़कर 50 लाख टन हो गई है। खाद्य मंत्रालय ने बयान में कहा कि गेहूं उत्पादन के अनुकूल अनुमान और उच्च भंडार उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त निर्यात की अनुमति देना उचित समझा गया।

अमेरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की वार्ता पर मंडराया संकट

इस्लामाबाद/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका और ईरान के एक दूसरे को लेकर कड़े तेवर अपनाए जाने के बीच मंगलवार को होने वाली बहुचर्चित शांति वार्ता के दूसरे दौर पर एकदिन पहले सोमवार को अनिश्चितता छाई रही। सोमवार को ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने कहा कि उनके देश ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह अमेरिका के साथ वार्ता के अगले दौर में भाग लेगा या नहीं। इस्लामाबाद में वार्ता से पहले मुनीर बोले- होर्मुज पर अमेरिकी नाकाबंदी रही तो बातचीत मुश्किल

इससे पहले, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर गालीबाफ ने कहा था कि तेहरान अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखे हुए है, लेकिन नए सिरे से तनाव बढ़ने की आशंकाओं के बीच आवश्यक उपाय करने के लिए तैयार है। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी नौसेना ने होर्मुज की नाकाबंदी से बचने की कोशिश कर रहे एक ईरानी जहाज को निशाना बनाया। सोमवार को तेहरान में बकाई ने कहा, फिलहाल, जब तक मैं आपकी सेवा में हूं, हमारे पास बातचीत के अगले दौर के लिए कोई योजना नहीं है, और इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि अमेरिका कूटनीति को आगे बढ़ाने के बारे में गंभीर नहीं था और उन्होंने दो सप्ताह के युद्धविराम के उल्लंघनों का हवाला दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सोमवार तड़के ईरानी मालवाहक जहाज पर अमेरिकी हमला, ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी ये सभी युद्धविराम का स्पष्ट उल्लंघन थे। इसी बीच ट्रंप ने कहा कि ईरान ने अगर सीजफायर तोड़ा तो बहुत सारे बम फूटने शुरू हो जाएंगे।

- इस्लामाबाद में वार्ता से पहले मुनीर बोले- होर्मुज पर अमेरिकी नाकाबंदी रही तो बातचीत मुश्किल
- अमेरिका ने ईरानी जहाज को कब्जे में लेने का जारी किया वीडियो
- ट्रंप बोले- ईरान ने सीजफायर तोड़ा तो बहुत सारे बम फूटेंगे

ईरान-अमेरिका तनाव और होर्मुज संकट के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल

न्यूयॉर्क। ईरान और अमेरिका के बीच जारी गतिरोध के कारण टैंकरों को होर्मुज से गुजरने से रोके जाने के बाद रविवार को शुरुआती कारोबार में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह फारस की खाड़ी का वह महत्वपूर्ण जलमार्ग है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत अहम माना जाता है। शिकागो मर्केंटाइल एक्सचेंज में कारोबार शुरू होने के बाद अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत 6.4 प्रतिशत बढ़कर 87.88 डॉलर प्रति बैरल हो गई। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 6.5 प्रतिशत बढ़कर 96.25 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई।

उधमपुर में 100 मीटर गहरी खाई में गिरी बस, 21 की मौत, 51 घायल

जम्मू, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में सोमवार को एक बस के पहाड़ी मार्ग से गिरने के कारण 21 लोगों की मौत हो गई और 51 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि बस ने एक ऑटो-रिक्शा को भी अपनी चपेट में ले लिया जिससे तीपहिया वाहन में सवार लोग घायल हो गए। यह हादसा सुबह करीब 10 बजे रामनगर में एक तीखे मोड़ पर उस वक्त हुआ जब निजी बस का चालक नियंत्रण खो बैठा।

पहाड़ी मार्ग से गुजर रहे सेना के एक काफिले ने तत्काल बचाव अभियान शुरू किया। बस में करीब 70 यात्री सवार थे जिनमें अधिकांश अपने दैनिक कामकाज के लिए रामनगर से उधमपुर जा रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसका ऊपरी हिस्सा लगभग पूरी तरह उखड़ गया जिससे बचाव अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया। उधमपुर-रियासी रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक शिव कुमार शर्मा ने घटनास्थल पर संवाददाताओं से कहा, रामनगर से उधमपुर जा रही बस पहाड़ी रास्ते पर नियंत्रण खो बैठी और ढलान से नीचे गिरकर सड़क पर पलट गई तथा एक ऑटो-रिक्शा भी इसकी चपेट में आ गया। मौके पर 15 यात्रियों को मृत पाया गया जबकि चार अन्य ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने बताया कि उधमपुर जिला अस्पताल में इलाज के दौरान गंभीर रूप से घायल दो और लोगों की मौत हो गई जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 21 हो गई।

शर्मा ने कहा कि स्थानीय निवासियों ने बचाव कार्य में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हादसे पर शोक व्यक्त किया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उधमपुर में हुआ यह दुखद सड़क हादसा दिल दहला देने वाला है। मेरी गहरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। सिन्हा ने कहा कि उन्होंने जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ और स्वास्थ्य विभाग को प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है।

- सेना के एक काफिले ने तत्काल बचाव अभियान चलाया
- बस में सवार थे 70 से भी अधिक यात्री, कई गंभीर

रामनगर क्षेत्र में तीखे मोड़ पर हुआ था हादसा

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रामनगर के थाना प्रभारी और अन्य अधिकारी समेत पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर सेना के जवानों के साथ संयुक्त बचाव अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि हादसा रामनगर क्षेत्र में तीखे मोड़ पर हुआ था। हाइड्रोलिक क्रेन की मदद से वाहन को सीधा किया गया। पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात और जम्मू जोन के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी फोन पर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। उधमपुर से रामनगर जा रहे एक सैन्य काफिले का नेतृत्व कर रहे एक जवान ने बताया कि बस को पहाड़ी से नीचे लुढ़कते देख उन्होंने तुरंत कार्रवाई की। उसने कहा, मैं काफिले का नेतृत्व कर रहा था, तभी यह हादसा हुआ। वाहन करीब 100 मीटर की ऊंचाई से गिरा। हमने तुरंत क्षेत्र की घेराबंदी कर बचाव अभियान शुरू किया और कड़ी मशक्कत से यात्रियों को निकाला।

महिला आरक्षण पर यूपी विस का विशेष सत्र 30 अप्रैल को

अमृत विचार, लखनऊ। योगी सरकार ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर सियासी घमासान के बीच 30 अप्रैल को विधानमंडल का एक दिवसीय विशेष सत्र बुलाने का फैसला लिया है। रविवार को कैबिनेट बाई सर्कुलेशन इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। विशेष सत्र का मुख्य उद्देश्य नारी शक्ति वंदन अधिनियम का संसद से पारित न होने के खिलाफ चर्चा कराना है।

बिल पर 528 सांसदों ने वोट किया। इसका दो तिहाई 352 होता है, लेकिन बिल के समर्थन में 298 वोट ही मिले। एनडीए के पास 293 सांसद हैं। भाजपा सिर्फ पांच अन्य सांसदों को जोड़ पाई। बाकी विपक्ष को विश्वास में लेने में सफल नहीं हुई, इसलिए बिल पास नहीं करा पाई। अब यूपी के सत्र में सरकार विपक्ष के रुख के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने की भी तैयारी कर रही है। विपक्ष पर महिला विरोधी रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए भाजपा सरकार सदन में अपना पक्ष रखेगी। सत्र बुलाने के लिए सदस्यों को कम से कम सात दिन पहले सूचना देने का प्रावधान होने के कारण कैबिनेट ने तत्काल बाई सर्कुलेशन से मंजूरी ली।

भव्य सजावट

उत्तराखंड की चार धाम यात्रा शुरू हो चुकी है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट विधि विधान से खोले जा चुके हैं। केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल सुबह 8:00 बजे श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। इसको लेकर तैयारी जोरों-शोरों से चल रही है। खासकर केदारनाथ मंदिर को फूलों से सजाया जा रहा है।

जापान में 7.4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप सुनामी की चेतावनी

तोक्यो। उत्तरी जापान के तटीय क्षेत्र के पास 7.4 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया और जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने स्थिति को देखते हुए सुनामी का अलर्ट जारी किया है। इस भूकंप का केंद्र उत्तरी जापान के सनरिकु तट के पास समुद्र की सतह से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई में था। कुजी बंदरगाह पर करीब 80 सेंटीमीटर (2.6 फुट) ऊंची लहरे उठीं, जबकि इसी प्रांत के एक अन्य बंदरगाह पर लगभग 40 सेंटीमीटर (1.3 फुट) ऊंची लहर दर्ज की गई।

आजम-अब्दुल्ला की सजा बरकरार

दो पैनकार्ड का मामला

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार: दो पैन कार्ड मामले में सेशन कोर्ट ने सोमवार को सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की सात-सात साल की सजा को बरकरार रखा है। अब्दुल्ला के दो पैन कार्ड मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट की सात साल की सजा के खिलाफ आजम और उनके बेटे ने सेशन कोर्ट में अपील की थी।

कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया। नगर विधायक आकाश सक्सेना ने वर्ष 2019 में सिविल लाइंस थाने में अब्दुल्ला पर अलग-अलग जन्मतिथि से दो पैन कार्ड बनवाने की शिकायत की थी। जांच में आजम खां की भूमिका भी सामने आई, इसके बाद उन्हें भी आरोपी बनाया। शिकायतकर्ता के अनुसार अब्दुल्ला ने फर्जी दस्तावेजों से दो अलग-अलग जन्मतिथि वाले पैन कार्ड बनवाए थे। रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने 17 नवंबर 2025 को दोनों को दोषी ठहराते हुए 7-7 साल की सजा व 50 हजार का जुर्माना भी लगाया था। सजा के बाद से दोनों जेल में बंद हैं। आजम और अब्दुल्ला ने 25 नवंबर 2025 को निचली अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए सेशन कोर्ट में याचिका दायर की थी। जिला शासकीय अधिवक्ता संदीप सक्सेना ने बताया कि कोर्ट ने दलीलों को अपर्याप्त माना और अपील खारिज कर दी।

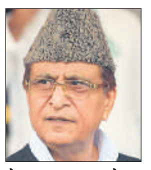

- एमपी-एमएलए कोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर की गई थी याचिका
- सेशन कोर्ट ने खारिज की अपील दोनों को सात-सात साल की सजा

वोटरों से जुड़ी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा अनुमानों के आधार पर जांच नहीं करा सकते

नई दिल्ली, एजेंसी

बंगाल एसआईआर

उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची में पांच से सात लाख मतदाताओं के नाम जोड़े जाने का उल्लेख किए जाने पर सोमवार को कहा, हम अनुमानों के आधार पर जांच नहीं करा सकते। वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी ने सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख किया।

गुरुस्वामी ने मीडिया में आईं खबरों का हवाला देते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में फॉर्म-6 का उपयोग करके पांच से सात लाख मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं। पहली बार किसी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में जोड़ने या फिर किसी मतदाता का नाम एक निर्वाचन क्षेत्र से दूसरे निर्वाचन क्षेत्र में स्थानांतरित करने के लिए फॉर्म-6 का उपयोग किया जाता है। गुरुस्वामी ने कहा कि कट-ऑफ तिथि के बाद मतदाता सूची में फॉर्म-6 के जरिए किसी मतदाता का नाम जोड़ने की अनुमति नहीं है।

उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम जोड़े जाने से राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में प्रभाव पड़ सकता है। सीजेआई ने कहा, आप इसे चुनौती दें, हम गौर करेंगे। गुरुस्वामी ने कहा कि उनके पास पर्याप्त जानकारी नहीं है और अंतिम मतदाता सूची अभी जारी नहीं हुई है। सीजेआई ने कहा, हम अनुमान के आधार पर जांच नहीं करा सकते।

- मतदाता सूची में पांच से सात लाख मतदाताओं के नाम जोड़े जाने का मामला

जनता दर्शन

मुख्यमंत्री ने आवास, इलाज और शिक्षा से जुड़े मामलों में तुरंत कार्रवाई के दिए आदेश

जनसेवा सरकार का कर्तव्य, सभी को मिलेगा न्याय : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आयोजित जनता दर्शन में प्रदेश भर से आए फरियादियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध व संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसेवा सरकार का कर्तव्य है और सरकार इसी पथ पर चलते हुए प्रदेश की 25 करोड़ जनता की सेवा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हर पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ दिलाना सरकार की प्राथमिकता है। लखनऊ में सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर जनता दर्शन में पहुंचे लोगों ने आवास, इलाज, शिक्षा, अवैध कब्जे और पुलिस से जुड़े मामलों को उठाया, जिन पर सीएम ने तुरंत संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए। बरेली की दीप्ति ने आर्थिक तंगी और बच्चों के पालन-पोषण की समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि उन्हें पीएम स्वनिधि योजना का लाभ दिलाकर समस्या का समाधान कराया जाए। मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता से भावुक दीप्ति ने आभार व्यक्त किया। आवास की मांग लेकर पहुंचे लोगों को आश्वस्त करते हुए सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत हर पात्र व्यक्ति को पक्का मकान दिया जा रहा है। उन्होंने जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्रता के आधार पर आवेदकों को शीघ्र लाभ दिलाया जाए। इलाज के लिए सहायता मांगने वालों के लिए मुख्यमंत्री ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल एस्टिमेट तैयार कर शासन को भेजने के निर्देश दिए।

लखनऊ में जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी।

अवैध कब्जे, पुलिस से जुड़े मामलों पर सख्त निर्देश

मुख्यमंत्री योगी ने अवैध कब्जे और पुलिस से जुड़े मामलों में लापरवाही का भी संज्ञान लिया। ऐसे प्रकरणों में तत्काल कार्रवाई कराने का निर्देश देते हुए कहा कि स्थानीय पुलिस-प्रशासन समस्या का समाधान कराकर पीड़ितों को संतुष्ट करे।

राम का नाम लेने से चिढ़ती हैं ममता दीदी : योगी

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री बोले -यूपी में अब न सड़कों पर इफ्तारी-नमाज, न सुनाई देती मस्जिद से अजान की आवाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ पश्चिम बंगाल

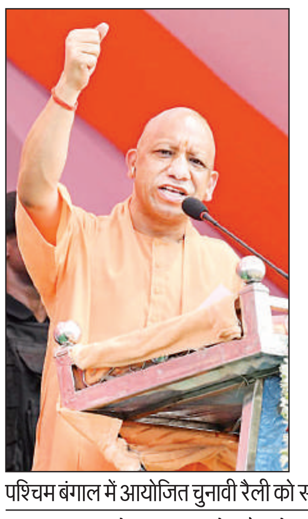

पश्चिम बंगाल में आयोजित चुनावी रैली को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उपस्थित जनसमूह।

अमृत विचारः पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को ताबड़तोड़ सभाएं करके ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बंगाल में नौजवान परेशान हैं, किसान हताश हैं और उद्योग-धंधे चौपट हो चुके हैं, लेकिन तृणमूल कांग्रेस सरकार तुष्टिकरण की राजनीति में उलझी हुई है। आरोप लगाया कि ममता दीदी बंगाल में राम का नाम लेने पर चिढ़ती हैं। जबकि अब यूपी में सड़कों पर इफ्तारी और नमाज नहीं होती है। मस्जिद से अजान भी नहीं सुनाई देती।

मुख्यमंत्री योगी ने ने पिंगला से भाजपा प्रत्याशी स्वागता मन्ना, जॉयपुर (पुरुलिया) से विश्वजीत महतो और गारबेटा से प्रदीप लोढ़ा के समर्थन आयोजित जनसभाओं कहा कि यूपी में विधर्मियों के हौसले पस्त हुए हैं। आज न कर्फ्यू है, न दंगे। अब एक ही नारा गूंजता है 'न गौ माता को कटने देंगे, न हिंदुओं को बंटने देंगे'। हर जाति का हिंदू सुरक्षित और समृद्ध है। यूपी का यह मॉडल साबित करता है कि डबल इंजन सरकार आने से विकास होता है और बंगाल में भी यही बदलाव लाना है। योगी ने कहा कि अयोध्या में आसमान को छूता भव्य राम मंदिर का निर्माण हो गया है। हर भारतीय को सीना तानकर खड़े होने और मर्यादा की प्रेरणा देने वाला राम मंदिर बताता है कि आस्था झुकती, रुकती, टूटती नहीं है। बस चुनौती का सामना करने की इच्छाशक्ति हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल में आज जो अराजकता, गुंडागर्दी और तुष्टिकरण की स्थिति है, यही स्थिति वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश में थी। उस समय यूपी में पर्व-त्योहार से पहले दंगे होते थे, कर्फ्यू लगा रहता था, लव जिहाद-लैंड जिहाद आम थे और गौ-हत्या सरेआम होती थी। लेकिन जब डबल इंजन की भाजपा सरकार बनी, तो सब बदल गया।

यूपी में माफिया पर चलता है बुलडोजर

सीएम योगी ने कहा कि यूपी में गोहत्या, लवजेहाद, लैंडजेहाद नहीं हो सकता। माफिया व गुंडों ने हिमाकत की तो बुलडोजर उसकी हड्डी-पसली को चकनाचूर कर देता है। टीएमसी का मतलब टेरर, माफियाराज व करप्शन है। इसे केवल भाजपा सरकार ही समाप्त कर सकती है।

उद्योग और रोजगार को लेकर लगाए आरोप

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि बंगाल में बीते वर्षों में हजारों उद्योग बंद हुए और लाखों युवा बेरोजगार हो गए। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि तुष्टिकरण की राजनीति के कारण अवैध गतिविधियों और माफियाओं पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पा रहा है।

राहुल मामले में जज ने खुद को सुनवाई से किया अलग

विधि संवाददाता, लखनऊ

- याची की ओर से सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों को माना अदालत पर प्रतिकूल टिप्पणी

अमृत विचारः राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता विवाद मामले में सुनवाई कर रहे हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने खुद को सुनवाई से अलग कर लिया है। न्यायालय ने मामले के रिकॉर्ड को मुख्य न्यायमूर्ति के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है ताकि नई बेंच को मामले को आवंटित किया जा सके।

सोमवार को मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने याची एस. विग्नेश शिशिर द्वारा सोशल मीडिया पर किए गए कई विवादित पोस्ट का जिक्र किया। उक्त पोस्ट्स में न्यायालय पर गंभीर आरोप लगाए गए थे, पोस्ट्स में 'फाउल प्ले', 'बैक रूम एक्सरसाइज' और 'डीप स्टेट' जैसे शब्दों का उपयोग किया गया, जिससे न्यायालय की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगा। न्यायालय ने इन टिप्पणियों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि याची ने अदालत के प्रति विश्वास खो दिया है और सार्वजनिक रूप से इसकी गरिमा को ठेस पहुंचाई है। एकल पीठ ने अपने आदेश में आगे कहा कि इस प्रकार के आरोप न्यायालय के विरुद्ध आक्षेप लगाने के समान हैं और ऐसी स्थिति में उनके लिए इस मामले की सुनवाई इसी पीठ द्वारा जारी रखना उचित नहीं है। इसके अतिरिक्त, न्यायालय ने यह भी टिप्पणी की कि याची एवं अन्य अधिवक्ताओं द्वारा कानून की सही स्थिति कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत नहीं की गई, जिससे न्यायिक समय की अनावश्यक हानि हुई। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णयों का हवाला देते हुए न्यायालय ने कहा कि अधिवक्ताओं का कर्तव्य है कि वे न्यायालय की निष्पक्ष सहायता करें और सही कानूनी स्थिति प्रस्तुत करें।

न्यूज ब्रीफ

झोलाछाप और अनधिकृत चिकित्सा पर सख्ती की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पदाधिकारियों ने सोमवार को योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर प्रदेश में झोलाछाप और अनधिकृत चिकित्सा गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग की। आईएमए के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार अस्थाना और सचिव डॉ. श्वेता श्रीवास्तव ने कहा कि झोलाछाप चिकित्सक गैरकानूनी तरीके से इलाज कर मरीजों की जान जोखिम में डाल रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि समस्या के समाधान के लिए एक समन्वित कमेटी गठित की जाए, जो ऐसे अवैध चिकित्सकों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करे। प्रतिनिधिमंडल ने जनस्वास्थ्य और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में आईएमए की भूमिका बढ़ाने का प्रस्ताव भी रखा। साथ ही संगठन के नए भवन निर्माण के लिए उपयुक्त भूमि आवंटन की मांग की गई। मुख्यमंत्री ने सभी बिंदुओं को सुनकर जनहित से जुड़े मामलों में आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान आईएमए के अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण पर जोर, 'रश्मिरथी पर्व' 24 से 26 तक

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विकास के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में 24 से 26 अप्रैल तक लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'रश्मिरथी पर्व' का आयोजन प्रस्तावित है। यह कार्यक्रम रामधारी सिंह दिनकर की कृति 'रश्मिरथी' के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। पर्यटन मंत्री के अनुसार, कार्यक्रम में साहित्यिक परिचर्चा, नाटक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। इसमें मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य वक्ता के रूप में भाग लेंगे। सरकार का कहना है कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को साहित्य और सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों को मुख्य सचिव ने दी नसीहत

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने वर्ष 2024 बैच के प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों से शिष्टाचार भेंट के दौरान कहा कि प्रशासनिक सेवा का मूल आधार ईमानदारी, समर्पण और जनता से सतत संवाद है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अपनी कार्यशैली में संवेदनशीलता और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। साथ ही, जनप्रतिनिधियों से तालमेल जरूरी है। मुख्य सचिव ने सोमवार को प्रशिक्षु अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें राष्ट्र सेवा का महत्वपूर्ण अवसर मिला है। उन्होंने जोर दिया कि सभी अधिकारी पूर्ण ईमानदारी, समर्पण और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा उत्तर प्रदेश की सकारात्मक छवि को सुदृढ़ बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर प्रशिक्षु अधिकारियों ने अपने प्रशिक्षण अनुभव साझा किए, जिस पर मुख्य सचिव ने विस्तार से चर्चा की।

नासा के 'वर्ल्ड नाइट मैप' में चमका यूपी, ऊर्जा नीति को वैश्विक पहचान

हर घर रोशनी मॉडल को मिली अंतरराष्ट्रीय मान्यता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सैटेलाइट से लिया गया चित्र।

- उत्पादन से वितरण तक सुधारों का असर

अमृत विचारः प्रदेश की ऊर्जा व्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी पहचान मिली है। नासा द्वारा जारी 'वर्ल्ड नाइट मैप' में उत्तर प्रदेश दुनिया के सबसे अधिक रोशन क्षेत्रों में प्रमुखता से उभरा है। यह उपलब्धि राज्य में बिजली आपूर्ति और ऊर्जा प्रबंधन में हुए व्यापक सुधारों का संकेत मानी जा रही है।

नासा के इस मैप में 2014 से 2022 के बीच पृथ्वी पर रात के समय रोशनी में हुए बदलाव को दर्शाया गया है। वैज्ञानिकों ने नौ वर्षों में एकत्रित 16 लाख से अधिक सैटेलाइट तस्वीरों के विश्लेषण के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला कि उत्तरी भारत, खासकर उत्तर प्रदेश में रोशनी का स्तर तेजी से बढ़ा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में "सबको बिजली, पर्याप्त बिजली और गुणवत्तापूर्ण बिजली" के लक्ष्य को लेकर लगातार काम किया गया। इसके तहत गांव से शहर तक बिजली आपूर्ति को मजबूत किया गया और उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

ऊर्जा मंत्री एके शर्मा की सक्रियता से उत्पादन क्षमता बढ़ाने, ट्रांसमिशन नेटवर्क मजबूत करने और वितरण प्रणाली को सुधारने के लिए कई कदम उठाए गए। नए उपकेंद्रों की स्थापना, जर्जर लाइनों के आधुनिकीकरण और स्मार्ट तकनीकों के उपयोग से बिजली आपूर्ति अधिक स्थिर हुई है। डिजिटल तकनीकों के इस्तेमाल से उपभोक्ताओं को रियल-टाइम जानकारी और ऑनलाइन सेवाएं मिल रही हैं, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है। वहीं निर्बाध बिजली आपूर्ति से कृषि, उद्योग और निवेश को भी नई गति मिली है। नासा के इस वैश्विक आकलन ने उत्तर प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र में किए गए सुधारों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित कर दिया है, जिससे आने वाले समय में निवेश और नवाचार को और गति मिलने की उम्मीद है।

10 डीएम समेत 24 आईएएस अफसरों के तबादले

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- शशांक त्रिपाठी अयोध्या, ईशा प्रिया अंबेडकरनगर और ईशान प्रताप सिंह बाराबंकी के डीएम बने
- शासन से लेकर जिलों तक व्यापक फेरबदल, विकास प्राधिकरण भी प्रभावित

अमृत विचारः प्रदेश सरकार ने सोमवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 10 जिलाधिकारियों समेत 24 आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। शशांक त्रिपाठी को अयोध्या, ईशान प्रताप सिंह को बाराबंकी और ईशा प्रिया को अंबेडकरनगर का डीएम बनाया गया है। इससे पहले रविवार देर रात 15 जिलाधिकारियों समेत 40 आईएएस अफसरों के स्थानांतरण किए गए थे। लगातार दो दिनों में हुए इन बड़े बदलावों से शासन-प्रशासन में हलचल तेज हो गई है।

प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक मशीनरी में बड़ा बदलाव करते हुए 24 आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। खास बात यह है कि इस सूची में 10 जिलों के जिलाधिकारी बदले गए हैं, जिससे जिला प्रशासन की कमान नए हाथों में सौंपी गई है। आदेश के अनुसार, अविनाश कुमार को अलीगढ़, अरविंद सिंह को एटा, अमित आसेरी को बांदा, डॉ. अंकुर लाठर को फर्रुखाबाद, कविता मीना को हापुड़ और ईशा प्रिया को अंबेडकर नगर का जिलाधिकारी बनाया गया है। वहीं, चर्चित गौड़ को सोनभद्र, अनुपम शुक्ला को गाजीपुर, बाराबंकी के डीएम शशांक त्रिपाठी को अयोध्या और ईशान प्रताप सिंह को बाराबंकी के नए डीएम की जिम्मेदारी दी गई है।

आठ आईएएस अधिकारियों को शासन में विशेष सचिव स्तर पर नई जिम्मेदारी मिली। इसमें अयोध्या के डीएम निखिल टीकाराम फुंडे को मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेष सचिव बनाया गया है। एटा के डीएम प्रेम रंजन सिंह को अपर राज्य परियोजना निदेशक (सर्व शिक्षा अभियान) व निदेशक, मध्यान्ह भोजन अधिकरण की जिम्मेदारी दी गई है। हापुड़ के डीएम अभिषेक पाण्डेय को अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त (राजस्व परिषद) बनाया गया, जबकि अलीगढ़ के डीएम संजीव रंजन को कृषि विभाग में विशेष सचिव नियुक्त किया गया है। बांदा की डीएम जे. रीभा को भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग में विशेष सचिव बनाया गया है, वहीं इस विभाग में तैनात अरुण कुमार को इस प्रभार से मुक्त किया गया। फर्रुखाबाद के डीएम आशुतोष कुमार द्विवेदी को लोक निर्माण विभाग में विशेष सचिव और सोनभद्र के डीएम बद्री नाथ सिंह को उच्च शिक्षा विभाग में विशेष सचिव बनाया गया है।

इसके अलावा तीन आईएएस अधिकारियों को विकास प्राधिकरणों और तीन आईएएस अधिकारियों को मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया। कानपुर नगर के मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन को यूपी राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी बनाया गया। शाहजहांपुर की सीडीओ डॉ. अपराजिता सिंह को बुलंदशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष और सीतापुर की सीडीओ प्रणता ऐश्वर्या को मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। सोनभद्र के अपर जिलाधिकारी उत्कर्ष त्रिवेदी को शाहजहांपुर का सीडीओ, मथुरा के अपर जिलाधिकारी अभिनव जे जैन को कानपुर नगर का सीडीओ और मेरठ की अपर जिलाधिकारी दीक्षा जोशी को सीतापुर का सीडीओ बनाया गया है। इस तरह कुल 24 अधिकारियों के तबादलों में जिला प्रशासन, शासन, विकास प्राधिकरण और योजनागत विभागों तक व्यापक फेरबदल किया गया है।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर 120 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ेंगे वाहन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पीएम मोदी 29 को करेंगे लोकार्पण, मेरठ से प्रयागराज सिर्फ 6-7 घंटे में
- टोल प्लाजा, एयरस्ट्रिप और आधुनिक सुविधाओं से लैस हाई-स्पीड कॉरिडोर

गंगा एक्सप्रेस-वे पर तैयार टोल प्लाजा। अमृत विचार

अमृत विचारः प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में बड़ा कदम साबित होने जा रहा गंगा एक्सप्रेस-वे 29 अप्रैल को लोकार्पित होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे। यह एक्सप्रेस-वे पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश को सीधे जोड़ते हुए प्रदेश में हाई-स्पीड कनेक्टिविटी का नया युग शुरू करेगा। करीब 594 किमी लंबे इस एक्सप्रेस-वे को 120 किमी/घंटा की रफ्तार के हिसाब से डिजाइन किया गया है। इससे मेरठ से प्रयागराज का सफर, जो पहले 10-12 घंटे लेता था, अब महज 6-7 घंटे में पूरा हो सकेगा।

गंगा एक्सप्रेस-वे केवल एक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के आर्थिक और औद्योगिक विकास का इंजन बनने जा रहा है। बेहतर कनेक्टिविटी से प्रदेश 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में और मजबूत होगा और विकास को नई रफ्तार मिलेगी। एक्सप्रेस-वे 6 लेन में तैयार किया गया है, जिसे भविष्य में 8 लेन तक बढ़ाया जा सकेगा। 120 मीटर चौड़े राइट ऑफ वे के साथ यह परियोजना आधुनिक इंजीनियरिंग का उदाहरण है। परियोजना में गंगा नदी पर 960 मीटर और रामगंगा नदी पर 720 मीटर लंबे पुल बनाए गए हैं, जो बाढ़ और जल प्रवाह को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किए गए हैं।

शाहजहांपुर के पास 3.5 किमी लंबी एयरस्ट्रिप इस एक्सप्रेस-वे की खास पहचान है। यहां भारतीय वायुसेना इमरजेंसी लैंडिंग ड्रिल कर चुकी है। आपात स्थिति में यह सुविधा बेहद उपयोगी साबित होगी।

ये होंगी सुविधाएं

- *2 मुख्य टोल प्लाजा (मेरठ और प्रयागराज)
- *19 रैंप टोल प्लाजा—आसान एंट्री और एग्जिट
- *9 जनसुविधा परिसर—ईंधन, भोजन, शौचालय, विश्राम
- *लंबी दूरी की यात्रा होगी अधिक सुरक्षित और आरामदायक

क्या बदल जाएगा

- *पश्चिमी यूपी के उद्योग और पूर्वी यूपी की कृषि को सीधा लाभ
- *माल ढुलाई की लागत और समय में कमी
- *धार्मिक व पर्यटन स्थलों तक आसान पहुंच

ट्रांसफर सत्र शून्य करने की मांग मुख्यमंत्री को भेजे 21 सुझाव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने वर्ष 2026-27 के स्थानांतरण सत्र को शून्य घोषित करने की मांग उठाई है। परिषद अध्यक्ष जेएन तिवारी ने मुख्यमंत्री को ईमेल के माध्यम से पत्र भेजकर तबादला नीति पर 21 बिंदुओं के सुझाव प्रस्तुत किए हैं।

परिषद का कहना है कि वर्ष 2027 में संभावित विधानसभा चुनाव को देखते हुए 2026-27 का ट्रांसफर सत्र अत्यंत संवेदनशील रहेगा। बड़े पैमाने पर तबादलों से प्रशासनिक कार्य और चुनावी प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है, इसलिए सामान्य स्थानांतरण पर रोक लगाई जानी चाहिए। हालांकि, अपरिहार्य परिस्थितियों में अधिकतम 10 प्रतिशत तक ही तबादले किए जाने का सुझाव दिया गया है।

परिषद ने यह भी मांग की है कि स्थानांतरण सत्र समाप्त होने के बाद किसी भी स्थिति में तबादले न किए जाएं। आरोप है कि कई विभागों में सत्र खत्म होने के बाद भी तबादले होते हैं, जिससे पारदर्शिता प्रभावित होती है। सुझावों में पति-पत्नी को एक ही स्थान पर तैनाती, दिव्यांग या गंभीर बीमार बच्चों के अभिभावकों को छूट, और सेवानिवृत्ति से दो वर्ष पहले कर्मचारियों को गृह जनपद में पोस्टिंग जैसे प्रावधान शामिल हैं।

आधी आबादी के अधिकारों से किया खिलवाड़ः पंकज चौधरी

अमृत विचार, लखनऊ/ महराजगंज : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को महराजगंज में विपक्ष पर महिला आरक्षण को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि महिलाओं को नीति निर्धारण में भागीदारी देने के लिए 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का ऐतिहासिक विधेयक लाया गया, लेकिन कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन के दलों ने इसे पारित नहीं होने दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष महिला आरक्षण का केवल दिखावटी समर्थन करता है, जबकि वास्तविकता में वह महिलाओं को उनका अधिकार देने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने इंडी गठबंधन को "एंटी वूमेन एलायंस" करार देते हुए कहा कि देश का विकास आधी आबादी की भागीदारी के बिना संभव नहीं है और महिलाएं ऐसे विरोधी रुख को स्वीकार नहीं करेंगी।

काशी में अब मिलेगी 'डिजिटल लगेज लॉकर' की सुविधा

अमृत विचार, लखनऊ/ वाराणसीः वाराणसी में बाबा के दर्शन और गंगा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को अब अपने सामान की सुरक्षा की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर और प्रमुख घाटों के आसपास डिजिटल लगेज लॉकर की सुविधा विकसित की जा रही है।

इस पहल के तहत श्रद्धालु अपने मोबाइल, बैग, कपड़े या सूटकेस तक सुरक्षित रख सकेंगे और बेफिक्र होकर दर्शन व गंगा स्नान कर पाएंगे। यह सुविधा डिजिटल भुगतान आधारित होगी, जिससे उपयोग आसान और पारदर्शी रहेगा। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल के अनुसार, श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दशाश्वमेध प्लाजा, गोदौलिया, टाउन हॉल और बेनियाबाग पार्किंग क्षेत्रों में डिजिटल लॉकर लगाए जाने का प्रस्ताव है। इन स्थानों का चयन इसलिए किया गया है, क्योंकि यहां श्रद्धालुओं की सबसे अधिक आवाजाही रहती है।

कुल 225 डिजिटल लॉकर स्थापित किए जाएंगे, जो चार अलग-अलग आकार छोटे, मध्यम, बड़े और एक्स्ट्रा लार्ज में उपलब्ध होंगे।

उपलब्धि | राष्ट्रीय रैंकिंग में कार्डियोलॉजी विभाग का शानदार प्रदर्शन

केजीएमयू के लारी को देश में चौथा स्थान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ का बढ़ा मान, वर्ष 2024-25 के प्रदर्शन के आधार पर तैयार की गई सूची

अमृत विचार : किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के लारी कार्डियोलॉजी विभाग ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए देशभर में चौथा स्थान प्राप्त किया है। यह रैंकिंग कॉर्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल की ओर से जारी की गई सूची में दर्ज की गई है।

दिल से जुड़ी बीमारियों के इलाज और इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के चलते केजीएमयू ने यह मुकाम हासिल किया है। इस उपलब्धि से न केवल संस्थान की प्रतिष्ठा बढ़ी है, बल्कि उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं की साख भी मजबूत हुई है।

समिति ने देशभर के उन सरकारी और निजी चिकित्सा संस्थानों को शामिल किया, जहां कैथलैब की सुविधा उपलब्ध है। रैंकिंग में एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी और अन्य कार्डियोलॉजी इंटरवेंशन के आंकड़ों को आधार बनाया गया। वर्ष 2024-25 के प्रदर्शन के अनुसार सूची तैयार की गई है।

इस राष्ट्रीय सूची में पहला स्थान बेंगलुरु के श्रीजय प्रकाश इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोवस्कुलर साइंसेज एंड रिसर्च को मिला, जबकि दूसरे स्थान पर दिल्ली का जीबी पंत इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस एंड रिसर्च रहा। तीसरे पायदान पर अहमदाबाद का यूएन मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी और पांचवें स्थान पर चंडीगढ़ का पीजीआई चंडीगढ़ शामिल है।

लारी कार्डियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ. ऋषि सेट्ठी ने बताया कि यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि सूची में शामिल अधिकांश संस्थान केवल हृदय रोगों के इलाज के लिए समर्पित हैं, जबकि केजीएमयू में यह एक विभाग मात्र है। ऐसे संस्थानों के बीच चौथा स्थान प्राप्त करना बड़ी उपलब्धि है।

उन्होंने बताया कि रैंकिंग में आधुनिक कार्डियक इंटरवेंशन की संख्या को प्रमुख आधार बनाया गया है। इस उपलब्धि पर केजीएमयू की कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने विभाग को बधाई देते हुए इसे संस्थान के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया।

आयुष्मान योजना में यूपी अव्वल

एनएचए ने किया सम्मानित, पुणे में राष्ट्रीय स्तर पर मिला पुरस्कार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा को सम्मानित करते नेशनल हेल्थ अथॉरिटी के अधिकारी।

अमृत विचारः प्रदेश ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन में देश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। इसके लिए नेशनल हेल्थ अथारिटी (एनएचए) ने पुणे में 17-18 अप्रैल को आयोजित दो दिवसीय चिंतन शिविर में प्रदेश को सम्मानित किया।

प्रदेश को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के उत्कृष्ट संचालन के लिए यह सम्मान मिला है। स्वास्थ्य विभाग की सचिव रितु माहेश्वरी और साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने इसे राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और डिजिटलीकरण का परिणाम बताया। प्रदेश में वर्तमान में 6,433 अस्पताल आयुष्मान भारत योजना से जुड़े हैं, जिनमें 3,521 निजी और 2,912 सरकारी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों में डिजिटल सुविधाओं के विस्तार से मरीजों को पारदर्शी और तेज स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। बड़ी संख्या में अस्पताल एबीडीएम-इनेबल्ड एचएमआईएस (हॉस्पिटल मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम) से लैस हैं, जिससे इलाज की प्रक्रिया अधिक सुगम हुई है।

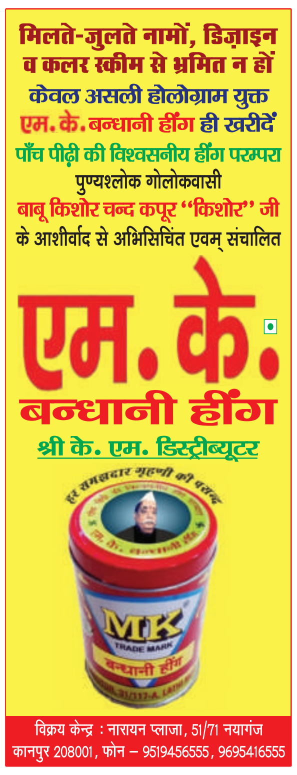

अक्षय तृतीया पर रामलला ने धारण किए स्वर्ण आभूषण, लगा 56 भोग

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : राममंदिर में अक्षय तृतीया का पर्व सोमवार को धूमधाम से मनाया गया। गर्भगृह में फूलों और फलों की लड़ियाँ लगाई गईं। रामलला का अभिषेक कर रत्न जड़ित वस्त्र पहनाए गए। सोने के मुकुट व अन्य आभूषण से श्रृंगार किया गया। दोपहर में 56 प्रकार के व्यंजनों से भोग भी लगाया गया।

इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने राम मंदिर और हनुमान गढ़ी मंदिर में कतारबद्ध होकर दर्शन-पूजन किया। देर शाम तक यह सिलसिला लगातार जारी है। राम मंदिर धार्मिक समिति के सदस्य गोपाल जी राव ने बताया कि तृतीय तिथि राम मंदिर में विधि विधान पूर्वक पूजन-अर्चन किया गया, 56 भोग का विशेष प्रसाद भी भक्तों में वितरित किया गया।

अक्षय तृतीया पर रामलला का विशेष पूजन करते पुजारी।

सेवा भवन निर्माण के लिए ट्रस्ट ने किया भूमि पूजन

राम मंदिर में सेवा देने वाले भक्तों के रुकने के लिए 10 कमरे वाले सेवा भवन निर्माण के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के द्वारा अक्षय तृतीय पर रंग वाटिका के पास भूमि पूजन कर कार्य का शुभारंभ किया। ट्रस्ट के सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्रा ने बताया कि आठ छोटे और दो बड़े कमरे बनाए जाएंगे। जहां पर सेवा के लिए वाले श्रद्धालुओं को सुविधा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में रामलला के प्रति अपनी आस्था को समर्पित करने के लिए देश भर से विभिन्न क्षेत्र से भक्त आ रहे है। ट्रस्ट उन सभी भक्तों को सुविधा देने की योजना बनाई हैं।

मां अन्नपूर्णा देवी मंदिर में हुआ अनुष्ठान

अक्षय तृतीय पर राम मंदिर के परकोटे स्थापित मां अन्नपूर्णा देवी मंदिर में भी अनुष्ठान पूजन संपन्न हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या श्रद्धालुओं भी मौजूद रहे। इस दौरान मंदिर के नीचे बने सीता रसोई में रामलला व अन्य देवी देवताओं के लिए व्यंजन तैयार किये गये।

शिव मंदिर पर ध्वज आरोहण करेंगे सीएम योगी

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राममंदिर में 29 अप्रैल को मंदिर के ईशांत कोण पर स्थापित शिव मंदिर के शिखर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ध्वज आरोहण करेंगे। समारोह में साध्वी रितंभरा समेत 1000 कार्यकर्ता उपस्थित होंगे।

राम जन्मभूमि परिसर में पूरब और उतर दिशा में स्थापित शिव मंदिर के शिखर पर लगे ध्वज दंड में ध्वज की स्थापना 29 अप्रैल को शाम 5 बजे की जाएगी। इसके लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और सुरक्षा अधिकारियों ने सोमवार को स्थलीय निरीक्षण किया। राम मंदिर ट्रस्ट के विशेष आमंत्रित सदस्य गोपाल जी राव ने बताया कि 29 अप्रैल को शिव मंदिर के ही निकट पूरे आयोजन को संपन्न कराने की तैयार हैं। जहां मंच से सीएम योगी अतिथियों को संबोधित भी करेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और संघ परिवार के सदस्यों सहित करीब 1000 लोग शामिल होंगे। आयोजन में मंच की साज सज्जा और आने वाले अतिथियों की व्यवस्था पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई है। यह कार्यक्रम सिर्फ अयोध्या तक सीमित रखा गया है।

राम मंदिर परिसर में निरीक्षण करते ट्रस्ट के सदस्य व सुरक्षा अधिकारी। अमृत विचार

मियावाकी पद्धति से तैयार होगा 9.62 लाख पौधों को जंगल

ऋषियन वन से शुरू हुई थी बदलाव की मुहिम, बदलेगा पर्यावरण, महसूस होगी अतीत की अयोध्या

जिले में 27.5 हेक्टेयर में लगेंगे पौधे, स्थल चयन शुरू

राजेंद्र कुमार पांडेय, अयोध्या।

अमृत विचार: वैदिक सिटी बन रही अयोध्या का पर्यावरण बदलेगा। श्रद्धालुओं से यहां के लोगों तक को अतीत की अयोध्या अनुभव में आएगी। ऋषियन वन से शुरू हुई बदलाव की मुहिम इस साल भी जारी रहेगी। जिले में 27.5 हेक्टेयर में 9.62 लाख पौधों वाला जंगल मियावाकी पद्धति से तैयार होगा। इसके लिए स्थल चयन किया जा रहा है।

त्रेता युग में अयोध्या वनाच्छादित क्षेत्र था। इसके प्रमाण अब तक मौजूद है। राम नगरी में प्रमोद वन का इलाका है। जिले के मवई ब्लॉक के लखनीपुर गांव के पास और अंबेडकरनगर के श्रवण क्षेत्र में प्रमोद वन के प्रस्तर स्तंभ लगे हैं। राम मंदिर के फैसले के बाद भौतिक विकास के लिए वर्तमान अयोध्या में कई हजार पेड़ काट डाले गए। कुछ को काटने की मजबूरी थी तो कुछ काटने वालों के स्वार्थ का शिकार हो गए। शहर के लोग इसका खामियाजा भोग रहे हैं। बिना पेड़-पौधों और जंगलों के अयोध्या की मिट्टी भले वही रहे लेकिन सांस्कृतिक अयोध्या नहीं बन पाएगी। अब पेड़ों की भरपाई और शीतलता देने वाली और आंखों को भाने वाली अयोध्या को आधार देने का प्रयास किया जा रहा है।

जिलाधिकारी निखिल टी. फुंडे और मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने पिछले साल ऋषियन वन की स्थापना के साथ इसे शुरू किया था। जिले के 58 स्थानों पर ऋषियन वन के रूप में 11 हेक्टेयर में लगभग साढ़े चार लाख पौधों के जंगल बनाए गए थे। इस साल भी यह अभियान चलेगा। 27.5 हेक्टेयर यानी सभी 11 ब्लॉकों में 2.5-2.5 हेक्टेयर क्षेत्रफल में मियावाकी पद्धति से लगभग 9.62 लाख पौधों का जंगल तैयार किया जाएगा।

उपायुक्त मनरेगा उपेंद्र कुमार पाठक ने बताया कि स्थल चयन किया जा रहा है। अब तक सभी ब्लॉकों से 60 स्थानों की 22 हेक्टेयर जमीन की सूची प्राप्त हो गई है। स्थल चयन के साथ मियावाकी पद्धति से पौधरोपण के लिए मृदा तैयार किए जाने की कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

हैरिंगटनगंज ब्लाक क्षेत्र के पलिया प्रताप शाह गांव में पौधरोपण के लिए स्थल चयन करते कर्मचारी।

ब्लॉक वार चिह्नित जमीन

ब्लॉक	ग्राम पंचायतें	क्षेत्रफल(हे.)
अमानीगंज	6	1.6
बीकापुर	5	2.4
हैरिंगटनगंज	5	1.8
मसौधा	5	.95
मवई	4	1.63
मयाबाजार	8	3.48
मिल्कीपुर	6	1.83
पूराबाजार	6	1.22
रुदौली	5	1.40
सोहावल	5	4.6
तारून	5	.96
कुल योग	60	21.96

एक हेक्टेयर में लगते हैं 35 हजार पौधे

मियावाकी पद्धति से एक हेक्टेयर में लगभग 35 हजार पौधे लगते हैं। यह सामान्य पौधरोपण से तीन गुना अधिक होते हैं। इसमें झाड़ी, जंगल से आम, नीम, महुआ, जामुन, पीपल, पाकड़ जैसे देशी पौधे होते हैं।

12,24,786 पौधे लगाएगा विकास विभाग

जिले के लक्ष्य में विकास विभाग का लक्ष्य 12,24,786 पौधे लगाने का लक्ष्य है। इसमें 9,62,500 पौधे मियावाकी पद्धति से लगाए जाएंगे।

शहरी क्षेत्र में भी होगा पौधरोपण : पौधों के अभाव में देहात की अपेक्षा शहर का तापमान ज्यादा बढ़ता है। राम पथ इसका उदाहरण है। शहर में पौधे रोपे जाएंगे। ऐसा वन विभाग से बताया गया है। बीते साल भी बड़ी जाली के साथ पौधे रोपे गए थे। इसमें काफी संख्या में पौधे बचे हैं।

तारून ब्लाक के पेड़रा गांव में मियावाकी पद्धति से तैयार किया गया जंगल।

यह जंगल देख होगा मन प्रसन्न

चित्र में यह तारुन के पेड़रा ग्राम पंचायत में रोपा गया ऋषियन वन अभियान का जंगल है। इसे पिछले साल मियावाकी पद्धति से लगाया गया था। इसकी हरियाली आने जाने वालों का मन मोह रही है। ऐसे ही अन्य स्थानों के जंगल भी हैं।

अयोध्या–रायबरेली हाइवे के किनारे न्यास से बनाया गया उपवन (फाइल फोटो)

श्री अयोध्या न्यास ने रोपे कई हजार पौधे

पूर्व सांसद लल्लू सिंह की संस्था श्री अयोध्या न्यास भी पर्यावरण के क्षेत्र में बड़ा काम कर रही है। पंचवटी, हरिशंकरी उपवनों के रूप में चार साल कई हजार पौधे रोपे। संस्था लोहे की जाली लगवा सुरक्षा के लिए गांव के सिपुर्द कर देती है।

"इस साल प्रत्येक ब्लॉक क्षेत्र के गांवों में 27.5 हेक्टेयर में मियावाकी पद्धति से जंगल तैयार किए जाएंगे। इसके लिए जमीन चिह्नित की जा रही है। इसके बाद पौधरोपण के लिए मृदा तैयार की जाएगी।"
–कृष्ण कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी।

हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए पिएं अधिक से अधिक पानी

अयोध्या कार्यालय।

● बढ़े तापमान में रखे स्वास्थ्य का ख्याल

अमृत विचार: मौसम का तापमान बढ़ा है। ऐसे में लू(हीट स्ट्रोक) से बचने के लिए एहतियात बरतें। एडीएम (वित्त एवं राजस्व) अमित कुमार भट्ट ने जनसामान्य से इससे सावधान रहने और स्वास्थ्य की देखभाल की अपील की है।

कब लगती है लू, लक्षण : गर्मी में शरीर में पानी, नमक की कमी होने पर तू लगने का खतरा ज्यादा रहता है। शराब की लत, हृदय रोग, पुरानी बीमारियों, मोटापा, पार्किंसंस रोग, अधिक उम्र, अनियंत्रित मधुमेह में लू लगने का खतरा ज्यादा रहता है। गर्म लाल, शुष्क त्वचा का होना, पसीना न आना, तेज पल्स होना, उथले श्वास गति में तेजी, व्यवहार में परिवर्तन, भ्रम की स्थिति, सिरदर्द, मितली, थकान और कमजोरी होना चक्कर आना, मूत्र न होना अथवा इसमें कमी इसके लक्षण हैं।

बचाव के तरीके

हीट स्ट्रोक से बचने के लिए प्रचार माध्यमों पर हीट वेव/लू की चेतावनी पर ध्यान दें, अधिक से अधिक पानी पिएं, यदि प्यास न लगी हो तब भी। हल्के रंग के पसीना सोखने वाले हल्के वस्त्र पहनें, धूप के चश्मे, छाता, टोपी, व चप्पल का प्रयोग करें, खुले में कार्य करते है तो सिर चेहरा, हाथ–पैरों को गीले कपड़े से ढके रहें। छाते का प्रयोग करें। लू से प्रभावित व्यक्ति को छाया में लिटाकर सूती गीले कपड़े से पोंछे अथवा नहलाएं और चिकित्सक से संपर्क करें। यात्रा करते समय पीने का पानी अपने साथ ले जाएं। ओआरएस, घर में बने हुए पेय पदार्थ जैसे लस्सी, चावल का पानी (माड), नीबू पानी, छाछ आदि का उपयोग करें। जिससे कि शरीर में पानी की कमी की भरपाई हो सके। बीमारी अनुभव होने पर तुरन्त चिकित्सीय सलाह लें। अधिक प्रोटीन, बासी एवं संक्रमित खाद्य एवं पेय पदार्थों का प्रयोग न करें। अल्कोहल, चाय व काफी पीने से परहेज करें।

बीकापुर क्षेत्र में सूखा पड़ा आदर्श जलाशय।

सूखे पड़े अमृत सरोवर, पानी को तरस रहे बेजुबान

बीकापुर, अयोध्या। अमृत विचार : चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी में जीव–जंतुओं को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। तहसील क्षेत्र में तमसा और विसुही नदी पूरी तरह सूख चुकी है। इसके अलावा ग्राम पंचायत में लाखों रुपये से निर्मित कराए गए अमृत सरोवर खुद पानी की एक–एक बूंद को तरस रहे हैं। हाल यह है कि जीव जंतु पानी की तलाश में भटक रहे हैं। नायब तहसीलदार रामखेलावन ने बताया कि जल्द ही तालाबों में पानी भरवाया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

10 वर्षों में 2.27 लाख उज्ज्वला लाभार्थी हुए लाभान्वित

अयोध्या, अमृत विचार : उज्ज्वला योजना से जिले के लाखों परिवारों को सीधा लाभ मिला है। जिला आपूर्ति अधिकारी बृजेश मिश्रा ने बताया कि अप्रैल 2017 से मार्च 2026 तक जिले में कुल 2,27,226 लाभार्थी परिवार इस योजना से लाभान्वित हुए हैं। योजना के तहत गरीब परिवारों की महिलाओं को नि:शुल्क एलपीजी गैस कनेक्शन प्रदान किए गए। उन्होंने बताया कि अप्रैल 2017 से मार्च 2026 तक निशुल्क राशन वितरण के तहत 12,92,88,887 क्विंटल राशन वितरित किया गया। कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने महिलाओं को सशक्त बनाया और परिवारों के स्वास्थ्य स्तर को ऊंचा उठाया। केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से आमजन को सीधा लाभ पहुंच रहा है।

राजस्व वसूली में प्रगति नहीं मिली संतोषजनक, निर्देश

अयोध्या, अमृत विचार : अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) अमित कुमार भट्ट ने सीएम डैशबोर्ड (राजस्व कार्य) एवं कर–करेत्तर की समीक्षा की। मुख्य राजस्व अधिकारी गजेंद्र कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। एडीएम ने राजस्व एवं कर–करेत्तर कार्यों की समीक्षा की। आबकारी, परिवहन, खनन, विद्युत, नगर निगम एवं संपत्ति नामांकन आदि विभागों की प्रगति संतोषजनक न पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त जताई। विभागों को निर्देश दिया कि अगली बैठक से पूर्व प्रगति में अपेक्षित सुधार सुनिश्चित किया जाए। निर्देश दिया कि तहसीलदारों की पृथक बैठक आयोजित कर समीक्षा की जाए, जिससे जिले की रैंकिंग में सुधार हो सके। साथ ही खनन, मंडी एवं परिवहन विभाग को प्रवर्तन कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। वसूली प्रमाण पत्र की धीमी प्रगति पर भी असंतोष व्यक्त किया। सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे तहसीलदारों के कार्यों की नियमित समीक्षा करें। बैठक में सभी उप जिलाधिकारी और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

नदी में डूब रहे बच्चे को बचाया

अयोध्या, अमृत विचार। कोतवाली अयोध्या अंतर्गत कच्चा घाट पर सोमवार दोपहर नदी में डूब रहे बच्चे को जल पुलिस व गोताखोरों ने बचा लिया। जल पुलिस प्रभारी रूबे प्रताप ने बताया कि गोंडा के थाना तरबगंज क्षेत्र निवासी कृष्ण देव मिश्रा (12) पुत्र रवि शंकर मिश्रा नदी में स्नान करते समय अचानक गहरे पानी में चला गया। इस दौरान वहां मौजूद जल पुलिस के आरक्षी अवनीश मिश्रा व गोताखोर बबलू मांझी, सोनू साहनी, पवन मांझी, दीपक मांझी और वीरेंद्र मांझी ने नदी में छलांग लगाकर बालक को सकुशल बाहर निकाल लिया। मौजूद लोगों ने जल पुलिस व गोताखोरों की टीम की सराहना की।

छेड़खानी करने पर युवक को पीटा

अयोध्या, अमृत विचार। कोतवाली अयोध्या अंतर्गत राम की पैड़ी पर दो महिला सफाईकर्मियों द्वारा एक युवक की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। घटना रविवार शाम की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि उक्त नशेड़ी युवक द्वारा नगर निगम की महिला सफाई कर्मचारी से छेड़छाड़ की गई। इस पर आक्रोशित महिलाओं ने चप्पलों से उसकी पिटाई की। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आरोपी अकसर ऐसी हरकत करता है। अमृत विचार वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता। नगर निगम के सीएसआई राजेश कुमार झा ने बताया कि इसकी कोई शिकायत उन्हें नहीं मिली है।

डीएम फुंडे का तबादला, शशांक त्रिपाठी होंगे नए जिलाधिकारी

● साल भर में कई उपलब्धियां, निपटाए कई वीवीआईपी कार्यक्रम

अयोध्या, अमृत विचार: प्रदेश शासन ने जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे का तबादला कर दिया। उनके स्थआन पर बाराबंकी के डीएम शशांक त्रिपाठी को जिले का नया जिलाधिकारी बनाया गया है। साल भर के कार्यकाल में कई वीवीआईपी कार्यक्रमों को सकुशल संपन्न कराने की उपलब्धि डीएम फुंडे के पक्ष में दर्ज हो गई।

निखिल टीकाराम फुंडे।

शशांक त्रिपाठी।

जिलाधिकारी फुंडे ने 17 अप्रैल 2025 को जिले की कुर्सी संभाली थी। साल भर के कार्यकाल में श्रीराम मंदिर पर ध्वज आरोहण के साथ मंदिर से जुड़े कई कार्यक्रमों को संपन्न कराया। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री के साथ विदेश से रामलला के दर्शन के लिए आने वाले विभिन्न मेहमानों की मेहमान नवाजी की। पौराणिक तिलोदकी नदी को नए सिरे से वजूद में लाने का प्रयास किया। वैदिक सिटी बन रही अयोध्या में ऋषियन वन की स्थापना का काम शुरू कराया। इसी तरह की तमाम गतिविधियां उनके पक्ष में दर्ज हो गई। प्रदेश शासन ने उन्हें मुख्यमंत्री कार्यालय में विशेष सचिव के पद पर भेजा है। नए जिलाधिकारी के रूप में बाराबंकी के जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी को यहां भेजा गया है। उम्मीद है कि वह जल्द ही यहां पदभार ग्रहण करेंगे।

मलेथू बुजुर्ग में छह घर जलकर राख

मिल्कीपुर, अयोध्या। अमृत विचार: मिल्कीपुर तहसील की पुलिस चौकी हैरिंग्टनगंज क्षेत्र अंतर्गत मलेथू बुजुर्ग पूरे टूंड़ी का पुरवा में सोमवार दोपहर अज्ञात कारणों से छह घरों में भीषण आग लग गई। इससे श्याम बरन पुत्र छोटू राम, हौसला प्रसाद पुत्र वीपत, रामतीरथ पुत्र महाराज, रामसुख पुत्र खेलावन, रामजग पुत्र राम बोध, बनवारी लाल पुत्र नंगू का छप्पर आदि जलकर राख हो गया। चौकी प्रभारी आशीष कुमार सिंह ने कहा कि आग अज्ञात कारणों से लगी। फायर ब्रिगेड की टीम, हैरिंग्टनगंज की पुलिस टीम ने और बड़ी संख्या में ग्रामीणों के सामूहिक प्रयास से आग पर काबू पा लिया गया। घटना स्थल पर हैरिंग्टनगंज चौकी इंचार्ज तथा इनायत नगर थानाध्यक्ष रतन शर्मा अपने मय फोर्स के साथ मौजूद रहे और राहत एवं बचाव कार्य में जुटे रहे।

आग लगने की घटनाओं से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी

अयोध्या, अमृत विचार: गर्मी के मौसम में अग्निकांड की घटनाओं की रोकथाम के लिए आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अमित कुमार भट्ट ने एडवाइजरी जारी की है। कहा कि थोड़ी सी चूक से खेतों एवं घरों में आग लग जाती है। इससे जनहानि, पशुहानि व मकान क्षति भी होती है।

क्या करें-

- घरों में आग की घटनाओं को रोकने के लिए पुरानी वायरिंग को समय रहते बदल दें।
- एसी को लगातार कई घंटे तक न चलाएं, बीच में बंद कर दें।
- भोजन बनाते समय पानी से भरे बाल्टी हमेशा अपने साथ रखें, भोजन बनाने के बाद चूल्हे को और रेग्युलेटर को अच्छे से बन्द करें।
- मोमबत्ती व अंगीठी का अगर इस्तेमाल करना पड़े तो उसे सुरक्षित स्थान पर रखें।
- माचिस, लाइटर एवं अन्य ज्वलनशील वस्तुओं को बच्चों की पहुंच से दूर रखें।
- खेतों से अपनी फसल को काट कर सुरक्षित स्थान पर रखें, अपने क्षेत्र के अग्निशमन विभाग का नंबर रखें। आवश्यकता पर अग्निशमन विभाग से संपर्क करें। पशुओं को सुरक्षित स्थान पर बांधे।

क्या न करें-

- घरों में पुराने तारों से निकलने वाले चिंगारी को नजर अंदाज न करें।
- बिस्तर पर धूम्रपान न करें।
- खड़ी फसल के किनारे खाना न बनाएं, चूल्हे की चिंगारी व गरम राख कूड़े के ढेर व खुले में न फेंके।
- सूखी फसल खड़ी हो तो खेतों के आस–पास खरपतवार न जलाएं।
- रसोईघर में अनावश्यक ज्वलनशील पदार्थ न रखें, खेतों में बीड़ी, सिगरेट आदि को जलता हुआ न फेंके।

कवायद | जिस पेड़ के सहारे फरार हुए थे बंदी, उसके साथ जेल की दीवार से सटे पेड़ों को काटा गया

जिला कारागार की बाउंड्रीवॉल पर लगाए जा रहे कंटीले तार

अयोध्या कार्यालय।

● जेल की दीवार फांदकर 29 जनवरी को फरार हुए थे दो कैद आज तक नहीं मिले

अमृत विचार : जिला कारागार से 29 जनवरी को दो बंदियों के फरार होने की घटना के करीब 80 दिन बाद अब जेल की बाउंड्रीवॉल पर कंटीले तार लगाए जा रहे हैं। साथ ही बाउंड्रीवॉल से सटे जिस पेड़ के सहारे दीवार फांदकर बंदी फरार हुए थे, उनके साथ अन्य पेड़ों को काटा जा रहा है। जेल की दीवार के बाहर भी बंदी रक्षकों द्वारा चौबीस घंटे गश्त की जा रही है। वहीं, अभी भी दोनों फरार बंदी पुलिस गिरफ्त से दूर है।

जिला कारागार की विशेष बैरक में निरुद्ध दो बंदी शेर अली और गोलू उर्फ सूरज अग्रहरि 29 जनवरी की सुबह फरार हो गए थे। दोनों ने बैरक की दीवार से करीब 25-30 ईंटें निकालकर छेद बनाया, कंबलों से रस्सी बनाई और करीब 20 फिट ऊंची बाउंड्रीवॉल से सटे पेड़ की एक डाल के सहारे फांदकर भाग निकले थे। शेर अली सुल्तानपुर के अमरमऊ गांव का रहने वाला है और दुष्कर्म के मामले में जेल में था, जबकि गोलू अग्रहरि अमेठी के मुसाफिरखाना का निवासी है और हत्या के प्रयास के आरोप में बंद था। मामले में डीजी जेल ने वरिष्ठ जेल अधीक्षक, जेलर समेत 14 अधिकारी व कर्मचारियों को निलंबित कर दिया था।

डीआईजी जेल द्वारा की गई जांच में प्रथम दृष्टया जेल प्रशासन की लापरवाही सामने आई थी। आलम यह था कि जेल परिसर में लगे 12 से ज्यादा कैमरों में दोनों बंदी भागते हुए कहीं दिखे ही नहीं। इस घटना से सबक लेते हुए जेल प्रशासन ने सुरक्षा उपायों में व्यापक सुधार किया है। पहले खराब पड़े सीसीटीवी को ठीक कर उनकी संख्या और बढ़ाई गई। अब छह सौ मीटर की बाउंड्रीवॉल पर कंटीले तार लगाए जा रहे हैं।

वहीं पोस्टमार्टम हाउस के पास जेल की बाउंड्रीवॉल से सटे जिस पेड़ के सहारे दोनों बंदी दीवार फांदकर भागे थे, उस पेड़ को काट दिया गया है। साथ ही जेल की दीवार को छू रहे अन्य बड़े वृक्षों की छटाई कर दी गई है। जेल के बाहर फैले झाड़-झंखाड़ को पूरी तरह साफ कर दिया गया है, ताकि छिपने की कोई जगह न रहे। इस संदर्भ में जेलर समेत अन्य जेल अधिकारियों के सीयूजी नंबर पर कॉल की गई लेकिन फोन स्विच ऑफ बताता रहा।

जिला कारागार की बाउंड्रीवॉल पर लगाए गए कटीले तार। अमृत विचार

एटीएस, एसटीएफ के साथ पुलिस की टीमें कर रही फरार बंदियों की तलाश

फरार दोनों बंदियों का पता लगाने में नाकाम रही पुलिस के बाद, दोनों की गिरफ्तारी के लिए एटीएस व यूपी एसटीएफ की टीमें भी लगाई गई हैं। यहीं नहीं दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी पर 25–25 हजार का इनाम भी घोषित किया है। इसके बाद भी दोनों का पता नहीं चल रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों इतने शातिर हैं कि वह मोबाइल फोन का प्रयोग ही नहीं कर रहे हैं। फरार बंदी गोलू का पूर्वांचल के कुछ बड़े माफियाओं से भी संबंध हैं, जांच टीम इस दिशा में भी काम कर रही है। जांच टीमें अब तक मुंबई, गुजरात, दिल्ली समेत अन्य कई प्रदेशों में उसकी तलाश में खाक छान चुकी है लेकिन सफलता नहीं मिली है। नगर कोतवाल अश्विनी पांडेय ने बताया कि दोनों फरार बंदियों की तलाश जारी है।

ट्रेन की चपेट में आकर पेश इमाम की मौत

अयोध्या, अमृत विचार। थाना राम जन्मभूमि क्षेत्र अंतर्गत टेढ़ी बाजार रेलवे क्रॉसिंग पर सोमवार सुबह ट्रेन की चपेट में आकर आलमगंज कटरा निवासी व मस्जिद बेगम बल्लास के पेश इमाम हाफिज मेराज अहमद की मौत हो गई। घटना के समय वह रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे, इस दौरान अचानक ट्रेन आ गई। भाई मोहम्मद सिराज ने रेलवे प्रशासन पर आरोप लगाया कि टेढ़ी बाजार रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज बने करीब तीन साल हो गए हैं। एक साल पूर्व इस रेलवे क्रॉसिंग को स्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। यहां रेलवे प्रशासन ने इसके दोनों ओर क्लोज़िंग वॉल नहीं बनाई। लोग पैदल व बाइक लेकर बैरियर के नीचे से गुजरते हैं, जिससे हादसे की संभावना बनी रहती है। थाना प्रभारी सुमित श्रीवास्तव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

न्यूज ब्रीफ

आरटीआई एक्टिविस्ट अभिषेक को मिली धमकी

अयोध्या, अमृत विचार। सामाजिक कार्यकर्ता व आरटीआई एक्टिविस्ट मुकेरी टोला, रिकाबगंज निवासी अभिषेक सावंत को बाइक सवार व्यक्तियों ने धमकी दी है। उन्होंने आईजीआरएस पर क्षेत्राधिकारी नगर को संबोधित शिकायत में बताया की सोमवार सुबह मेरे घर के बाहर दो अज्ञात बाइक सवार व्यक्ति, जिन्होंने हेलमेट पहन रखा था, संदिग्ध रूप से घूम रहे थे। स्थानीय निवासियों ने उनसे पूछताछ की तो दोनों ने कहा कि आजकल अभिषेक बहुत वीडियो बना रहे हैं। बहुत उड़ रहे हैं, ठीक कर दिए जाएंगे। इस पर लोगों ने कहा कि अभिषेक सावंत को बुलाकर यहीं बातचीत कर ली जाए, तो उक्त दोनों बाइक सवार वहां से भाग गए। सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी ने बताया कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

डॉक्टर पर बाहर की दवा लिखने का आरोप

सोहावल, अयोध्या। अमृत विचार: पंडितपुर निवासी नाजिया ने सीएचसी सोहावल में तैनात चिकित्सक पंकज श्रीवास्तव पर केंद्र से बाहर की दवा लिखने का आरोप लगाया है। बताया कि डॉक्टर ने 1400 रुपये की दवाएं लिख दीं, जबकि उसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। सोखांवा निवासी हरि निषाद ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर इसकी शिकायत करते हुए बताया कि इससे पूर्व भी कई मरीज बाहर से दवा लिखने का आरोप लगा चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। सीएचसी प्रभारी आकांक्षा वर्मा ने बताया कि पूर्व में भी मिली शिकायतों से उच्च अधिकारियों को अवगत कराया था। आज नाजिया की मिली शिकायत से भी अवगत करा दिया गया है।

बाइक की टक्कर से वृद्धा घायल

बीकापुर, अयोध्या। कोतवाली बीकापुर अंतर्गत अयोध्या-प्रयागराज हाईवे पर चांदपुर गांव के पास सोमवार दोपहर अज्ञात बाइक की टक्कर से चांदपुर निवासी निर्मला देवी (60) घायल हो गईं। वह सड़क पार कर रही थीं। परिजन उसे सीएचसी बीकापुर ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉ. एसके मौर्य ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

बीकापुर, अयोध्या। बीकापुर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत रामनगर निवासी प्रदीप कुमार (27) की सोमवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के पिता राम बहादुर ने बताया कि प्रदीप रात में खाना खाकर कमरे में सो रहा था। सुबह वह बेहोशी की हालत में मिला उसे सीएचसी बीकापुर ले गए, जहां डॉ. धर्मेंद्र रंजन ने मृत घोषित कर दिया प्रधान अशोक यादव ने बताया कि मृतक पांच भाइयों में सबसे छोटा था। कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का सही कारणों का पता चल सकेगा।

हटाया गया इलेक्ट्रिशियन, अनधिकृत का नाम किया उजागर

मेडिकल कॉलेज से हटाए जाने के बाद मुख्यमंत्री को पत्र लिख जांच की मांग की

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज से इलेक्ट्रिशियन राजू साहू को अप्रत्याशित ढंग से हटा दिया गया है। उसने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक मार्मिक पत्र लिखा है। इसी के साथ उसने कॉलेज में एक अनधिकृत व्यक्ति का नाम उजागर किया है। उस पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

सीएम को संबोधित पत्र में राजू ने बताया कि वह आउटसोर्सिंग पर बाजपेई ट्रेडर्स कंपनी से कार्यरत रहा। प्राचार्य की ओर से की गई शिकायत के आधार पर कंपनी ने उसकी सेवाएं तत्काल प्रभाव से बाधित कर दी। उसका आरोप है कि कॉलेज में निजी कर्मचारी हरिश्चंद्र यादव व इलेक्ट्रिशियन मनोज कुमार द्वारा जनवरी से परेशान किया जा रहा है। फंसाने के लिए भी काफी प्रयास भी किया गया। भ्रष्टाचार के सभी काम में निजी कर्मचारी के शामिल होने का भी आरोप लगाया।

डीजल चोरी में रंग हाथ मनोज कुमार इलेक्ट्रिशियन आउटसोर्सिंग पकड़ा गया था। बकौल राजू, मनोज का आरोप है कि वह मेरी वजह से फंसा है। पांच सोलर पैनल चोरी के झूठे आरोप लगाए गए, वह पूर्णतः असत्य एवं निराधार है। कथित रूप से चोरी हुए पैनल लिफ्ट रूम के अंदर सुरक्षित अवस्था में पाए गए थे। मामले की निष्पक्ष जांच जिलाधिकारी द्वारा कराई जाए।

जेई के पत्र में भी आया था निजी कर्मी का नाम

हाल ही में हुए जूतम पैजार के बाद जेई राजेश कुमार ने भी लिखित शिकायत देते हुए निजी कर्मी हरिश्चंद्र का नाम लिया था। उन्होंने बताया था कि हरिश्चंद्र द्वारा ही उन्हें फोन कर मेडिकल कॉलेज में बुलाया गया था।

"मैं तो छुट्टी पर हूं। किसी शिकायत की जानकारी नहीं है। हरिश्चंद्र नाम के किसी व्यक्ति को नहीं जानता हूं। अभी नया आया हूं। हमारे नोडल अधिकारी जानते होंगे।" - डॉ. डीएस मर्तोलिया, कार्यवाहक प्राचार्य।

गलत ब्लड ग्रुप बताने के मामले में जांच कमेटी गठित

अयोध्या

अमृत विचार : जिला अस्पताल में अमरनाथ यात्री को गलत जांच रिपोर्ट देने के मामले की जांच के लिए कमेटी का गठन हो गया है। अश्विनी पुरम निवासी पीड़ित अनुज श्रीवास्तव के मामले को अमृत विचार ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इस पर तीन सदस्यीय टीम गठित की गई है।

अमरनाथ जाने के लिए अनुज ने जिला अस्पताल में मेडिकल कराया था। विगत वर्ष ब्लड कम होने की रिपोर्ट गलत मिली थी। इस वर्ष उनका ब्लड ग्रुप ही बदल दिया गया। ए की जगह ओ पॉजीटिव की रिपोर्ट दे दी। अपनी गलत जांच रिपोर्ट व शिकायती पत्र लेकर सोमवार को अनुज जिला अस्पताल पहुंचा। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय चौधरी ने बताया कि मो. सादिक की अध्यक्षता में डॉ. प्रशांत द्विवेदी व डॉ. विपिन वर्मा को नामित करते हुए तीन दिन में जांच आख्या तलब की गई है।

धूमधाम से मनाई परशुराम जयंती

रुदौली, अयोध्या। अमृत विचार: रुदौली तहसील के बिचाला गांव में सोमवार को भगवान परशुराम की जयंती धूमधाम से मनाई गई। मुख्य अतिथि रुदौली विधायक राम चन्द्र यादव ने भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि विधायक राम चंद्र यादव ने कहा कि भगवान परशुराम ने हमेशा अन्याय का प्रतिकार किया और धर्म के पथ पर अडिग रहते हुए सदैव जीवन में त्याग, तपस्या व न्यायप्रियता का मार्ग अपनाया। भाजपा बूथ अध्यक्ष राजेश मिश्रा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शिवानन्द मिश्रा, मंडल अध्यक्ष माधुरी सिंह, बूथ अध्यक्ष जोखू आदि मौजूद रहे।

बार एसोसिएशन ने मनाई परशुराम जयंती

बीकापुर, अयोध्या, अमृत विचार। परशुराम जयंती पर बार एसोसिएशन बीकापुर द्वारा तहसील परिसर के डॉ. राम मनोहर लोहिया सभागार में सोमवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया। भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उन्हें नमन किया गया। कार्यक्रम में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अवध राम यादव, मंत्री देवी दयाल मिश्रा, एल्डर कमेटी के अध्यक्ष अवधेश पांडे, पूर्व अध्यक्ष राम सजीवन पांडे समेत अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

रुदौली में तीन करोड़ से होंगे विकास के काम, स्वीकृति

रुदौली, अयोध्या।

अमृत विचार : क्षेत्र पंचायत रुदौली की एक बैठक सोमवार को ब्लॉक प्रमुख शिल्पी सिंह की अध्यक्षता में सुभाष चंद्र सभागार में हुई। इसमें करीब तीन करोड़ रुपये के विकास कार्य के प्रस्ताव पारित किए गए। इससे क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पुलिया, इंटरलॉकिंग, आरसीसी सड़क और सोलर लाइट जैसे विकास कार्य कराए जाएंगे। इस दौरान अधिकारियों के मौजूद न रहने पर विधायक रामचंद्र यादव ने नाराजगी जताई व इनके खिलाफ जिलाधिकारी व सीडीओ को पत्र भेजने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 15वें वित्त आयोग से 1.43 करोड़ के कार्य स्वीकृत किया गया था। जिसमें से 42.30 लाख रुपये शेष बच गये हैं। वहीं राज्य वित्त से 1.15 करोड़ रुपये के कार्यों में से 83 लाख रुपये अभी अवशेष हैं। बैठक में विधायक रामचंद्र यादव ने जनप्रतिनिधियों को समय से उपस्थित रहने की नसीहत दी और अधिकारियों की अनुपस्थिति पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यह जिले की सबसे बड़ी पंचायत का सदन है, जहां जनसमस्याओं का समाधान होना चाहिए, लेकिन अधिकारियों की गैरमौजूदगी से कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

क्षेत्र पंचायत रुदौली की बैठक में मौजूद विधायक रामचंद्र यादव, ब्लाक प्रमुख शिल्पी सिंह व अन्य।

विधायक ने खंड विकास अधिकारी सूर्य प्रकाश मिश्रा को निर्देश दिए कि अनुपस्थित अधिकारियों के खिलाफ जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी को पत्र भेजा जाए। साथ ही उन्होंने गैस सिलेंडर की समस्या को गंभीर बताते हुए ब्लॉक स्तर पर समाधान की व्यवस्था करने को कहा।

- क्षेत्र पंचायत की बैठक में अधिकारियों की मौजूद न रहने पर विधायक हुए नाराज

बैठक में पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनुराग, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. फातिमा हसन रिजवी, आपूर्ति विभाग की ओर से शशांक सिंह चौहान, बाल विकास परियोजना की मुख्य सेविका राधा वर्मा ने अपने-अपने विभाग के प्रमुख कार्यों व प्रगति से अवगत कराया। अंत में ब्लॉक प्रमुख शिल्पी सिंह की अनुमति से बैठक की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। बैठक में एमएलसी प्रतिनिधि अन्नू सिंह, जिला पंचायत सदस्य महंत भजन दास, एडीओ पंचायत राकेश चौधरी, एडीओ को-ऑपरेटिव जयचंद्र वर्मा, एडीओ कृषि चंद्रसेन आदि मौजूद रहे।

नवाचार की मिसाल बने किसान शोभाराम

अयोध्या, अमृत विचार: सोहावल ब्लॉक के मंगलसी के रहने वाले शोभाराम खेती में नवाचार की मिसाल बन गए। अब तक कई बार पुरस्कृत हुए। उन्होंने छोटी जमीन पर बहुफसली मॉडल अपनाया।

किसान गोष्ठियों में प्रतिभाग किया। सरकार द्वारा चलाई जा रही कृषि योजनाओं का लाभ लिया। अब उनके खेत में एक साथ कई फसलें लहलहाती हैं, गेहूं, धान, चना, आलू, केला, मिर्च, लहसुन, धनिया, हल्दी, आम, मक्का और गेंदा। यहां हर मौसम में कुछ न कुछ तैयार रहता है। फसल के अवशेषों से मल्चिंग कर मिट्टी की नमी बनाए रखते हैं। खरपतवार को नियंत्रित करते हैं। मृदा स्वास्थ्य की जानकारी के लिए जांच कराते रहते हैं। मृदा स्वास्थ्य के लिए बेस्ट डीकंपोजर का उपयोग करते हैं। इससे जमीन की उर्वरता लगातार बढ़ रही है। कीट नियंत्रण के लिए रासायनिक दवाओं पर निर्भरता कम कर दी है। खेती के साथ बकरी पालन भी करते हैं। इससे अतिरिक्त आय होती है। खेत के लिए जैविक खाद भी उपलब्ध हो जाती है।

अक्षय तृतीया पर सद्गुरु ग्रुप पुणे महाराष्ट्र के कलाकारों ने प्रस्तुति की गीत रामायण

राम मंदिर परिसर स्थित अंगद टीला पर गीत रामायण की प्रस्तुति देते कलाकार। अमृत विचार

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : अक्षय तृतीया पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र और सद्गुरु ग्रुप पुणे महाराष्ट्र के संयुक्त तत्वावधान में सम्पूर्ण गीत रामायण संस्कार समारोह संपन्न हो रहा है। स्वर संवादिनी द्वारा प्रस्तुत महाकवि ग.दि.माडगुलकर एवं स्वर गंधर्व सुधीर फड़के की अमर कृति सम्पूर्ण गीत रामायण की प्रणव कुलकर्णी एवं उनकी टोली द्वारा भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का निरूपण, लेखक व गायक आनंद माडगूलकर द्वारा किया गया है। सद्गुरु ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष यशवंत कुलकर्णी और तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चम्पतराय की ओर से संयुक्त रूप से अनेक लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

प्राचीन हनुमान मंदिर के विकास के लिए विधायक ने लिखा पत्र

पूराबाजार, अयोध्या। अमृत विचार: ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत कादीपुर बिल्लहरघाट चौराहा स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर का पर्यटन विकास कराए जाने के लिए अयोध्या विधायक ने उपनिदेशक पर्यटन विभाग को पत्र भेजा है। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने उपनिदेशक पर्यटन विभाग को दिए पत्र में कहा है कि पूराबाजार ब्लॉक की ग्राम पंचायत कादीपुर बिल्लहरघाट चौराहा स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर पर वर्ष भर श्रद्धालुओं का आवागमन रहता है। इसमें मुख्य रूप से हनुमान जयंती और अन्य पर्व एवं त्योहार पर लोग दर्शन पूजन करने आते हैं, फिर भी यहां सुविधाओं का अभाव है। विधायक ने यहां मल्टीपरपज हॉल, पेयजल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, साइनेज आदि कराया जाना आवश्यक बताया है।

खंड विकास अधिकारी अनुराग सिंह के प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपते प्रधान संघ के अध्यक्ष सुरेश कुमार सिंह व अन्य।

समय पर चुनाव न होने पर प्रधानों को ही बनाया जाए प्रशासक, सौपा ज्ञापन

तारुन, अयोध्या, अमृत विचार। तारुन ब्लॉक प्रधान संघ अध्यक्ष सुरेश कुमार सिंह ने साथी प्रधानों के साथ सोमवार को खंड विकास अधिकारी अनुराग सिंह की गैर मौजूदगी में उनके प्रतिनिधि आईएसवी सुरेश कुमार को ज्ञापन सौंपा। इसमें त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव समय से न होने की स्थिति में ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक नियुक्त किए जाने की मांग की गई। कहा कि यदि तय समय पर चुनाव नहीं कराए गए तो सरकार को ग्राम पंचायतों में प्रशासक नियुक्त करना पड़ सकता है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था के विपरीत होगा। ज्ञापन में मांग की गई कि यदि किसी कारणवश समय से पंचायत चुनाव नहीं हो पाते हैं, तो वर्तमान ग्राम प्रधानों व अन्य पंचायत प्रतिनिधियों का कार्यकाल चुनाव संपन्न होने तक बढ़ाया जाए। ज्ञापन देने वालों में प्रधान लालजी वर्मा, पूनम यादव, रेनू गुप्ता, आरती, पार्वती, सुनीता समेत तमाम प्रधान मौजूद रहे।

एचसीजे अकादमी में मनाया गया स्थापना दिवस

स्थापना दिवस समारोह में छात्र परिषद पदाधिकारी चेयरपर्सन डॉ. शिक्षा जैन व अन्य के साथ।

अयोध्या, अमृत विचार: एचसीजे अकादमी का 24वां स्थापना दिवस सोमवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में चार सदनों ऑनेस्टी हाउस, ह्यूमैनिटी हाउस, हम्बल हाउस व हार्मनी हाउस के सदस्यों का गठन हुआ। साथ ही छात्र परिषद के पदाधिकारियों का बैज अंलकरण के साथ पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ चेयरपर्सन डॉ. शिक्षा जैन व सीईओ उमेश जैन ने किया। संस्थापक चेयरपर्सन स्व. चंद्र प्रकाश जैन व स्व. मंजुला जैन की दूरदर्शिता व लक्ष्य के उद्देश्य से एचसीजे परिवार ने उनके सपनों को पूरा करने की प्रतिज्ञा ली। प्रधानाचार्य दिलीप कुमार गुप्ता ने विद्यालय की गतिविधियों, शैक्षिक वातावरण, गत वर्ष के परीक्षा परिणामों व भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समारोह में चार चांद लगा दिया। छात्र परिषद के प्रतिनिधियों में कक्षा 12 के अभिमन्यु सिंह हेड ब्वॉय व मिताली खाटवानी हेड गर्ल पद पर चयनित हुईं। समारोह में उप-प्रधानाचार्य शिप्रा मेहरोत्रा, प्रशासनिक अधिकारी अशोक तिवारी, सीसीए प्रभारी आकाशी यादव, खेल शिक्षक अंकित मौर्य, अनीता सक्सेना सहित छात्र-छात्राएं व अभिभावक मौजूद रहे।

मॉडिफाई साइलेंसर वाली बुलेट फैला रहीं ध्वनि प्रदूषण

शुजागंज, अयोध्या

अमृत विचार : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के सख्त आदेश के बाद भी क्षेत्र में मॉडिफाई साइलेंसर वाली बुलेट की फटफहाट नहीं थम रही है। यह लोगों के लिए संकट का सबब बन गई है। तेज आवाज के साथ ध्वनि प्रदूषण फैल रहा है।

रुदौली कोतवाली क्षेत्र के शुजागंज बाजार में मॉडिफाई साइलेंसर की बुलेट बहुत तेजी से फल फूल रहे हैं। शुजागंज पुलिस इन सब चालकों पर अंकुश लगाने में नाकाम है। दरअसल तेज आवाज निकलने वाले बुलेट चालकों द्वारा ध्वनि प्रदूषण फैलाने के साथ-साथ आम राहगीरों को परेशानी में डाल दे रहे हैं। इन्हीं सब कारणों से राहगीर व चालक दुर्घटना का शिकार हो जा रहे हैं। शुजागंज बाजार से लेकर ग्रामीण क्षेत्र में शोर मचाने वाले बुलेट पर कोई करवाई न होने से से बुलेट चालकों के हौंसले बुलंद हैं। मॉडिफाई साइलेंसर के तेज आवाज से आसपास चलने वाले वाहन चालकों में दहशत फैलती है। बाइक सवार अपनी नंबर प्लेट पर नंबर के स्थान पर अन्य कुछ लिखवाते हैं। शुजागंज चौकी प्रभारी अभिषेक सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि ऐसे बुलेट हमारी नजर में है। इन पर कार्रवाई की जाएगी।

- शुजागंज बाजार वासियों में तेज आवाज से बनी रहती है दहशत

किसानों को समय से बीज उपलब्ध कराना जरूरी : डॉ. प्रमाणिक

कुमारगंज अयोध्या।

अमृत विचार : खरीफ के फसलों की बुआई के लिए किसानों को समय से बीज उपलब्ध कराना जरूरी है। जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। ये बात आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पीएस प्रमाणिक ने कही। वो सोमवार को अधिकारियों के साथ बीज विधायन संयंत्र और मुख्य प्रयोग केंद्र कुमारगंज का निरीक्षण कर खरीफ की तैयारी का जायजा ले रहे थे।

भ्रमण के दौरान उन्होंने हरी खाद के लिए ढैंचा की खेती एवं बीज उत्पादन के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने रबी के फसल की कटाई एवं उनके भंडारण क्षमता की जानकारी ली। समय से गेहूं के फसल की कटाई होने पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की।

बीज विधायन संयंत्र का निरीक्षण करते कुलपति डॉ. पी.एस प्रमाणिक।

बीज विधायन संयंत्र के गोदाम में कुलपति ने भंडारण की क्षमता के साथ-साथ रखरखाव की तरीकों को भी परखा। संयुक्त निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र ने बताया कि प्रक्षेत्रों पर गेहूं की कटाई का कार्य समय से पूरा कर लिया गया है। भ्रमण के दौरान निदेशक शोध डॉ. शंभू प्रसाद, संयुक्त निदेशक डॉ. उमेश चंद्रा, वैज्ञानिक डॉ. विनोद सिंह, प्रभारी अधिकारी डॉ. ऋषभ सिंह, शुभम सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्वास्थ्य

जिले के कुल 1758 सरकारी, निजी और सहायता प्राप्त विद्यालयों में होगा टीकाकरण

बच्चों को डिप्थीरिया व टिटनेस से बचाने के लिए अभियान 30 तक

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार: 10 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों को डिप्थीरिया और टिटनेस जैसी गंभीर बीमारियों से बचाने के राज्यव्यापी अभियान के तहत जिले में टिटनेस-डिप्थीरिया (टीडी) टीकाकरण अभियान की शुरुआत सोमवार को अवध इंटरनेशनल स्कूल से की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी लालचंद ने किया।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. पीसी भारती ने बताया कि यह टीकाकरण अभियान 20 से 30 अप्रैल तक जिले के 1758 सरकारी, निजी और सहायता प्राप्त स्कूलों में चलाया जाएगा। अभियान के तहत 5 वर्ष के बच्चों को डीपीटी व 10 और 16 आयु वर्ग के बच्चों को टीडी का टीका लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि टीकाकरण अभिभावकों की सहमति से ही किया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक विद्यालय में एक नोडल शिक्षक नियुक्त किया जाएगा, जो अभियान के समन्वय और निगरानी की जिम्मेदारी संभालेगा। कहा कि डिप्थीरिया और टिटनेस जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए यह टीका अत्यंत आवश्यक है।

अवध इंटरनेशनल स्कूल में टीकाकरण अभियान में प्रमाण-पत्र के साथ छात्र-छात्राएं व साथ में बीएसए लालचंद व स्कूल के चेयरमैन शान्तनु सिंह।

बीएसए लाल चन्द ने सभी स्कूलों को अभियान को सफल बनाने के निर्देश देते हुए अभिभावकों से सहयोग की अपील की। उन्होंने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद दिल्ली द्वारा कराई गई हाईस्कूल की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालय के बच्चों को सम्मानित किया और बधाई देते हुए उनके उज्जल भविष्य की कामना की। इस मौके पर अवध इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधक अतुल सिंह, चेयरमैन शांतनु सिंह, प्रधानाचार्य विष्णु गुप्ता, एसएमओ डब्ल्यूएचओ डॉ. अजय पंवार, पूराबाजार अधीक्षक डॉ. अमित वर्मा, जिला एपिडेमोलॉजिस्ट डॉ. अरविंद श्रीवास्तव, वैक्सीन मैनेजर कौशलेंद्र सिंह, एचईओ राजेंद्र प्रसाद सहित विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण व छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहीं।

- अवध इंटरनेशनल से टीडी टीकाकरण की हुई शुरुआत

फैजाबाद पब्लिक स्कूल में आयोजित समारोह में 10वीं के सम्मानित हुए मेधावी छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

मेधावी तनिष्क को मिली छात्रवृत्ति

अयोध्या, अमृत विचार: फैजाबाद पब्लिक स्कूल के सोमवार को मेधावी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। स्कूल के छात्र तनिष्क मौर्य को सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर इकबाल मुस्तफा छात्रवृत्ति प्रदान की गई। साथ ही विद्यालय के अन्य मेधावी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। विद्यालय अध्यक्ष जरीना ख़ान, प्रबंधक उमर मुस्तफ़ा, प्रधानाचार्य केके मिश्रा, निदेशक सदफ इकबाल व संयोजिका फिजा खान ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जनगणना प्रशिक्षण का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

सटीक आंकड़ों पर दिया जोर, 70 प्रतिशत से कम अंक पाने वालों को पुनः प्रशिक्षण ■ 7 से 21 मई तक स्व-गणना की सुविधा

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार। जिलाधिकारी/प्रमुख जनगणना अधिकारी अनुपम शुक्ला ने अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व)/जिला जनगणना अधिकारी ज्योत्सना बंधु के साथ आगामी जनगणना कार्यों को सुव्यवस्थित एवं त्रुटिरहित ढंग से संपादित करने के उद्देश्य से तहसील अकबरपुर एवं भीटी में बीएनकेबी महाविद्यालय अकबरपुर तथा राम लखन पीजी कॉलेज भीटी में संचालित सुपरवाइजर एवं प्रगणकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता, कार्मिकों की सहभागिता तथा प्रशिक्षण सामग्री की उपयोगिता का अवलोकन किया।

सुपरवाइजर एवं प्रगणकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण करते जिला अधिकारी अनुपम शुक्ला व साथ में एडीएम ज्योत्सना बंधु।

जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे गणनाकर्मियों एवं पर्यवेक्षकों से संवाद करते हुए जनगणना के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि यह देश की विकास योजनाओं की आधारशिला है। उन्होंने सभी कार्मिकों को निर्देश दिया कि वे अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाते हुए निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप शुद्ध एवं सटीक आंकड़ों का संकलन सुनिश्चित करें। साथ ही प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण को सरल एवं व्यवहारिक बनाने के निर्देश दिए, ताकि किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति न रहे।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के उपरांत परीक्षा आयोजित की जाएगी और 70 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने वाले कार्मिकों को पुनः प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना के आंकड़े शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, पेयजल, सड़क, बिजली, सामाजिक सुरक्षा, खाद्य वितरण, शहरी एवं ग्रामीण विकास तथा आपदा प्रबंधन सहित विभिन्न योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण केंद्रों की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया और भोजन व नाश्ते की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही महिला प्रगणकों के छोटे बच्चों के लिए आंगनबाड़ी की व्यवस्था एवं खेलने की सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि सभी प्रतिभागियों को अद्यतन मॉड्यूल, प्रपत्रों एवं डिजिटल उपकरणों की जानकारी भली-भांति दी जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं गणना का कार्य 22 मई 2026 से 20 जून 2026 तक किया जाएगा, जबकि 7 मई से 21 मई 2026 तक स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की सुविधा उपलब्ध रहेगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे इस सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करें और प्रगणकों को सही व सटीक जानकारी उपलब्ध कराएं। इस अवसर पर संबंधित उपजिलाधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री माटी कला रोजगार योजना शुरू

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

• 10 लाख तक मिलेगा ऋण

अमृत विचार। माटी कला रोजगार से जुड़े परंपरागत प्रशिक्षित युवक-युवतियों को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला ग्रामोद्योग विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश माटी कला बोर्ड के माध्यम से मुख्यमंत्री माटी कला रोजगार योजना संचालित की जा रही है। जिसके तहत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में माटी कला उद्योग से जुड़े इच्छुक लाभार्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं।

योजना के तहत बैंक के माध्यम से लाभार्थियों को अधिकतम 10 लाख रुपए तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। अभ्यर्थी का साक्षर होना अनिवार्य है, जबकि 5 लाख रुपए से अधिक की परियोजना के लिए न्यूनतम 8वीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा। साथ ही ऋण प्राप्त करने वाले लाभार्थी को उद्योग संचालन के लिए सात दिवसीय व्यवहारिक प्रशिक्षण लेना अनिवार्य किया गया है और आवेदक का परंपरागत माटी कला कारीगर होना जरूरी है। परियोजना लागत का पांच प्रतिशत अंशदान लाभार्थी को स्वयं वहन करना होगा। इच्छुक अभ्यर्थी 31 जून 2026 तक अपने आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं।

यूपी बोर्ड छात्रों के लिए पुस्तक मेला 24 को, मिलेगी सस्ती दरों पर पाठ्यपुस्तकें

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार। जनपद में माध्यमिक शिक्षा को सुलभ और किफायती बनाने के उद्देश्य से एक पुस्तक जागरूकता और सुलभता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला यूपी बोर्ड के कक्षा 9 से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं के लिए है। जिसमें उन्हें अधिकृत और निर्धारित मूल्य पर पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी। यह आयोजन राजकीय इंटर कॉलेज याकूबपुर कटरिया अकबरपुर के परिसर में 24 अप्रैल को सुबह 10 बजे से शुरू होगा।

माध्यमिक शिक्षा परिषद के निर्देशानुसार आयोजित इस मेले का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और अभिभावकों को प्रमाणित पुस्तकों के प्रति जागरूक करना है। बाजार में अक्सर महंगी और गैर-मान्यता प्राप्त किताबें बेची जाती हैं, जिससे अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। यह मेला सही पुस्तकों की पहचान करने और उन्हें उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने में सहायता करेगा। डीआईओएस प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि परिषद ने कक्षा 9 से 12 तक के लिए कुल 36 आधारित विषयों और 12 मौलिक विषयों की पाठ्यपुस्तकें अत्यंत सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। इन पुस्तकों के मुद्रण और वितरण के लिए तीन अधिकृत विक्रेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि मेले में संबंधित प्रकाशकों और विक्रेताओं द्वारा सीधे पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे छात्रों को बाजार में भटकना नहीं पड़ेगा। सभी विद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने यहां अध्ययनरत छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों को इस आयोजन की जानकारी दें।

भीषण गर्मी के चलते सुबह 7 से 11:30 बजे तक खुलेंगे विद्यालय

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर। **अमृत विचार।** जनपद में भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते हुए स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। जिलाधिकारी के आदेश पर अब प्री-प्राइमरी से कक्षा 8 तक के सभी विद्यालय सुबह 7 बजे से दोपहर 11:30 बजे तक संचालित होंगे। यह निर्णय छात्रों को बढ़ते तापमान और लू से बचाने के उद्देश्य से लिया गया है। बीएसए ने बताया कि यह बदलाव जिलाधिकारी के निर्देशों के तहत किया गया है। जनपद में लगातार बढ़ रहे तापमान और भीषण गर्मी के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर पडने वाले प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। इस आदेश के दायरे में जनपद के सभी परिषदीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई, मदरसा और अन्य बोर्डों से संबद्ध विद्यालय शामिल हैं। सभी शिक्षण संस्थानों को इस नए समय सारिणी का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी प्रकार की लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा। जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि मौसम विभाग के बुलेटिन और जनपद में दर्ज किए जा रहे लगातार उच्च तापमान को ध्यान में रखते हुए यह फैसला छात्र हित में लिया गया है।

कड़ी मेहनत व लगन से मिलती है सफलता: डॉ.संदीप

पूराबाजार, अयोध्या।

अमृत विचार: ग्रामोदय पब्लिक स्कूल रामपुर सरधा के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। स्कूल प्रांगण में सोमवार को मेधावी सम्मान समारोह का आयोजन मेधावियों को सम्मानित किया गया। चेयरमैन डॉ. संदीप सिंह ने कहा कि बच्चों ने कठिन परिश्रम करके यह सफलता प्राप्त की है। सफलता, कठिन परिश्रम व लगन मांगती है।

• मेधावियों को मिला सम्मान तो खिल गए चेहरे

ग्रामोदय पब्लिक स्कूल रामपुर सरधा में मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते प्रधानाचार्य।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के घोषित कक्षा 10 के परिणाम में यस वर्मा ने 95 फीसदी अंकों के साथ स्कूल टॉप किया। अनुभव सिंह पटेल 95 फीसदी अंकों के साथ दूसरा और मोहम्मद यूसुफ 94 अंकों के साथ स्कूल में तीसरा स्थान प्राप्त किया। स्कूल के 15 बच्चों ने 90 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त करके स्कूल और परिवार का नाम रोशन किया। इन सभी मेधावियों को प्रबंधक पीएन सिंह, चेयरमैन डॉ. संदीप सिंह, निदेशक इंजीनियर दीपक सिंह, प्रधानाचार्या रेखा ओझा ने माल्यार्पण करके सम्मानित किया। उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर चीफ डॉक्टर उग्रसेन सिंह, डॉ. राकेश वर्मा, कौशलेंद्र पाल, शैलेंद्र वर्मा, ज्योति यादव, गरिमा यादव आदि मौजूद रहे।

अंबेडकरनगर की नई डीएम बनीं ईशा प्रिया, अनुपम शुक्ला का गाजीपुर तबादला

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। शासन स्तर पर हुए प्रशासनिक फेरबदल के तहत अंबेडकरनगर के जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला का तबादला गाजीपुर कर दिया गया है। उनकी जगह अब ईशा प्रिया को अंबेडकरनगर का नया जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। बताया जा रहा है कि यह तबादला प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से किया गया है। नए जिलाधिकारी के रूप में ईशा प्रिया जल्द ही कार्यभार ग्रहण करेंगी। अनुपम शुक्ला के कार्यकाल में जिले में कई विकास कार्यों को गति मिली। वहीं, उनके गाजीपुर स्थानांतरण के बाद अब वहां नई जिम्मेदारी संभालेंगे। जिले में नए जिलाधिकारी के आगमन को लेकर प्रशासनिक हलकों में हलचल तेज हो गई है।

ईशा प्रिया, डीएम अम्बेडकरनगर

लूट का खुलासा, 6 आरोपी गिरफ्तार

जहांगीरगंज, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार। पुलिस ने बीते 11 अप्रैल को जहांगीरगंज थाना क्षेत्र में कपड़ा व्यवसायी से हुई लूट का खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें पीडित व्यापारी का भाई भी शामिल है, जिसे घटना का मुख्य साजिशकर्ता बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटे गए 5 लाख 45 हजार रुपए और तमंचा बरामद किया है।

अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी श्याम देव ने बताया कि यह वारदात जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के बिड़हर घाट पुल के पास हुई थी। नेवारी दुराजपुर गांव निवासी व्यापारी रईस अहमद और मोहम्मद जलाल 11 अप्रैल को बिहार से वसूली करके लौट रहे थे। बिड़हर घाट पुलिस चौकी से लगभग 100 मीटर की दूरी पर दिनदहाड़े असलहे के बल पर उनसे लूटपाट की गई थी। जांच के दौरान 300 सीसीटीवी की फुटेज खंगाली गई। पुलिस ने सोमवार तडक़े जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के तिलकटंडा में चेकिंग के दौरान छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में यह सामने आया कि लूट की पूरी साजिश पीडित व्यापारी के भाई ने ही रची थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पड़ोसी जनपद आजमगढ़ के अतरौलिया थाना क्षेत्र के सिहोंरा निवासी शिवनंदन, दुराज निवासी मनीष वर्मा, पकरडीहा गांव निवासी पहलवान उर्फ अरमान उर्फ छोटू, अतरैठ निवासी अभिषेक, हंसवर थाना क्षेत्र के मुंडेरा निवासी शाहिद और बसखारी निवासी आयुष के रूप में हुई है।

गिरफ्तार आरोपियों के बारे में जानकारी देते अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी श्याम देव।

सैरपुर गांव में मरी मुर्गियों के फेंके जाने से फैली दुर्गंध, ग्रामीणों में आक्रोश

जलालपुर, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। मालीपुर थाना क्षेत्र के सैरपुर गांव में सोमवार सुबह उस समय हडक़ंप मच गया जब गांव के पास टावर के समीप बड़ी संख्या में मरी हुई मुर्गियां बोरे में भरकर फेंकी हुई मिलीं। सुबह कुत्तों द्वारा बोरा फाड़ देने के बाद मुर्गियां इधर-उधर फैल गईं, जिससे पूरे क्षेत्र में तेज दुर्गंध फैलने लगी। दुर्गंध के कारण ग्रामीणों का जीना दूभर हो गया और देखते ही देखते लोगों में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने इस मामले की सूचना तत्काल पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मालीपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जेसीबी मशीन बुलवाकर गड्ढा खुदवाया और सभी मरी हुई मुर्गियों को उसमें दबवा दिया, जिससे दुर्गंध पर काबू पाया जा सका। मालीपुर थाना अध्यक्ष स्वतंत्र कुमार मौर्य ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। सभी मरी हुई मुर्गियों को गड्ढा खोदकर सुरक्षित तरीके से दबवा दिया गया है और फिलहाल स्थिति पूरी तरह सामान्य है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग किया है कि इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की समस्या दोबारा उत्पन्न न हो।

युवक की मौत पर विधायक ने जताया शोक

न्यौरी, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। आलापुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम न्यौरी निवासी नायाब फारूकी (27) पुत्र स्व. अंसार फारूकी के आकस्मिक निधन पर सोमवार को आलापुर विधायक त्रिभुवन दत्त ने उनके आवास पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की और शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया। बताया जाता है कि बीते दिनों नायाब फारूकी अपने खेत से घर लौटते समय मोटरसाइकिल से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें उपचार के लिए आजमगढ़ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के बाद घर लाते समय रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई। इस अवसर पर वरिष्ठ सपा नेता सैयद इंतखाब आलम, रहमुल्लाह खान, सोशल मीडिया प्रभारी आलापुर बांकेलाल गौतम, कृष्ण कुमार पांडे, युवा व्यापार मंडल अध्यक्ष एवं पत्रकार अनीस मसूदी, पूर्व प्रधान देवमणि यादव, सैयद आफताब आलम, युवा सपा नेता मोहम्मद फारूकी, नबियास काजी, अन्नू कनौजिया सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

घर में घुसकर युवती से छेड़छाड़

जलालपुर, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। मालीपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में घर में घुसकर युवती से छेड़छाड़ और विरोध करने पर मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार की तहरीर पर पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित के अनुसार, वह बीते दिनों परिवार सहित धार्मिक स्थल दर्शन के लिए बाहर गया था। घर की देखरेख के लिए उसकी पुत्री और भतीजा घर पर मौजूद थे। आरोप है कि देर रात करीब 12 बजे गांव निवासी सुभाष पुत्र स्व. मिश्रीलाल घर में घुस आया और युवती के साथ छेड़छाड़ करने लगा। शोर मचाने पर घर में मौजूद भतीजे ने आरोपी को पकड़ लिया। इसी बीच आरोपी की मां मनभावती पत्नी स्व. मिश्रीलाल और भाई विपिन पुत्र मिश्रीलाल भी मौके पर पहुंच गए और गाली-गलौज करते हुए युवती व उसके परिजन के साथ मारपीट की, जिससे दोनों को चोटें आईं। शोर-शराबा सुनकर ग्रामीणों के जुटने पर तीनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना की शिकायत पुलिस से किए जाने पर तीनों आरोपियों के खिलाफ घर में घुसकर छेड़छाड़, मारपीट और धमकी देने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। थानाध्यक्ष मालीपुर स्वतंत्र कुमार मौर्य ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच की जा रही है और आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बारात में बवाल, मारपीट से मची अफरा-तफरी, दो लोग हिरासत में

जलालपुर, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। रविवार की रात मालीपुर रोड पर एक बारात उस समय रणक्षेत्र में बदल गई, जब दो पक्षों के बीच विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। करीब साढ़े दस बजे हुई इस घटना में लात-घूंसे, बेल्ट और ईंट-पत्थर चलने से अफरा-तफरी मच गई। बारात में शामिल लोग और राहगीर दहशत में आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसारए कुछ नशे में धुत युवक एक किशोर की पिटाई कर रहे थे। जब आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया। हालात इतने बिगड़ गए कि वीडियो बनाने की कोशिश कर रहे लोगों पर भी ईंट-पत्थर फेंके गए। बताया जा रहा है कि कस्बे के एक मैरिज हॉल में बारात आई थी और द्वार पूजा के लिए बाराती निकले थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर युवकों के दो गुट आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया। सूचना पर पहुंची पुलिस के सायरन का भी उपद्रवियों पर खास असर नहीं पड़ा, लेकिन पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए हालात को काबू में किया। मौके से दो लोगों को हिरासत में लिया गया है, जबकि अन्य की पहचान कर कार्रवाई की जा रही है। कोतवाल अजय प्रताप ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना रहा।

15 बीघे गेहूं की पराली और खेतों में रखा भूसा जलकर राख

जलालपुर, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। सम्मनपुर थाना क्षेत्र के मलपुरा सतरही गांव में सोमवार को करीब चार बजे खेत में भूसा बनाते समय मशीन से निकली चिंगारी से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और करीब 15 बीघा गेहूं की पराली और खेतों में रखा भूसा जलकर राख हो गया। बता दें कि मलपुरा सतरही गांव के खेत में भूसा बनाने का कार्य चल रहा था, तभी मशीन से निकली चिंगारी पराली में गिर गई और आग लग गई। आग लगते ही मशीन चालक तत्काल मशीन को सुरक्षित स्थान पर ले गया, लेकिन तेज हवा के कारण आग तेजी से फैलती चली गई और बड़े क्षेत्रफल को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें उठती देख ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। हल्ला-गुहार पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन तेज हवा के चलते उनके प्रयास नाकाफी साबित हुए। आग की लपटें सुल्तानपुर तुलसीपुर गांव के करीब तक पहुंच गईं। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक मिश्रीलाल वर्मा, लल्लन यादव, शंभू नाथ तिवारी, रामलाखन सहित कई किसानों की करीब 15 बीघा गेहूं की पराली जलकर नष्ट हो चुकी थी। साथ ही थ्रेसर से मड़ाई के बाद खेतों में रखा भूसा भी आग की भेंट चढ़ गया। इस घटना से किसानों को भारी नुकसान हुआ है और उनके सामने पशुओं के चारे का संकट खड़ा हो गया है।

सड़क हादसे में युवक की मौत छह दिन बाद होनी थी शादी

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

• टैंकर में घुसी पिकअप, जेसीबी से पिकअप को तोडक़र निकाली गया शव

अमृत विचार। शादी से छह दिन पहले ही युवक की हादसे में मौत हो गई। युवक सुबह अपने गांव से पिकअप पर सब्जी लादकर थोक मंडी के लिए ले रहा था। तभी आगे चल रहे टैंकर में जा घुसा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी की मदद से पिकअप की बॉडी तोडक़र शव को बाहर निकाला। घटना अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के अकबरपुर-महरुआ रोड पर कसेरुआ गांव के पास की है।

अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के औरंग नगर के पहितीपुर गांव निवासी मनोज यादव 26 वर्ष पुत्र नरसिंह यादव की पांच दिन बाद शादी थी। मनोज खुद की पिकअप चलाता था। रोजमर्रा की तरह सोमवार तडक़े गांव से सब्जियां लेकर शहजादपुर थोक मंडी के लिए निकला था। सुबह करीब 4.30 बजे कसेरुआ गांव के पास पिकअप वाहन से जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पिकअप की रफ्तार बहुत तेज थी। अचानक आगे चल रहे टैंकर ने ब्रेक लगा दी। जिससे पिकअप बेकाबू हो गई और टैंकर में जा घुसी। जिससे पिकअप क्षतिग्रसत हो गया। मनोज पिकअप के केबिन में फंस गया। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर थानाध्यक्ष श्रीनिवास पांडेय पुलिस फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद भी मनोज के शव को बाहर नहीं निकाला जा सका। फिर पुलिस ने जेसीबी मंगवाई और पिकअप की बॉडी को तोडक़र शव को बाहर निकाला।

राज्य ताइक्वांडो चैंपियनशिप में खिलाड़ियों ने जीते तीन स्वर्ण समेत छह पदक

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार। राजधानी लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम स्थित बैडमिंटन हॉल में बीते 16 से 18 अप्रैल तक आयोजित ओपन उत्तर प्रदेश राज्य ताइक्वांडो चैंपियनशिप में अंबेडकरनगर के सेंट पीटर्स स्कूल के खिलाडियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किए। खिलाडियों की इस उपलब्धि से जिले का नाम प्रदेश स्तर पर रोशन हुआ है।

पुमसे के जूनियर वर्ग में कक्षा 10 की छात्रा अदिति और गौरी मिश्रा ने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया, जबकि कैडेट वर्ग में शाहीन फातिमा ने रजत पदक जीता। वहीं सब-जूनियर वर्ग में प्रांजल सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को अंकों के आधार पर हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इसके अलावा अनंत कुमार सिंह ने कैडेट वर्ग में रजत और स्वदेश सहगल ने कांस्य पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी अब ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 15 से 17 मई को तेलंगाना के जोगुलम्बा गड़वाल जिले में आयोजित होने वाली 16वीं ओपन नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में प्रतिभाग करेंगे। खिलाडियों की इस सफलता पर स्कूल के प्रिंसिपल फादर बैप्टिस्ट डिसूजा एवं समस्त अध्यापकों ने कोच कामेश शर्मा और सभी खिलाडियों को बधाई दी।

विजयी खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते प्रधानाचार्य फादर बैप्टिस्ट डिसूजा।

बसपा नेताओं की शिकायत पर दर्ज मुकदमें को लेकर सियासत तेज

जलालपुर, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। कटका थाना में बसपा नेताओं की शिकायत पर दर्ज मुकदमें को लेकर सियासत तेज हो गई है। भाजपा नेता एवं उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व सदस्य कृष्ण कुमार मिश्र ने मामले पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इसे भाजपा विचारधारा से जुड़े युवाओं का उत्पीडऩ करार दिया है। उन्होंने कहा कि बीते 18 अप्रैल को प्रियांशु शर्मा, प्रशांत चौबे, आर्यन सिंह, प्रिंस निषाद और आयुष दूबे के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर उन्हें गहरी आपत्ति है। उन्होंने बताया कि आरोपित पांचों में से दो की उम्र 17 वर्ष है, जबकि शेष तीन भी 20 वर्ष से कम आयु के हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर कई लोग प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और देवी-देवताओं को लेकर आपत्तिजनक सामग्री साझा करते हैं, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कटका पुलिस ने बसपा नेताओं के दबाव में यह कार्रवाई की है, जो निंदनीय है। उन्होंने नवागत पुलिस अधीक्षक से मामले का संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच कराने और आरोपित युवकों के साथ न्याय सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने प्रकरण से मुख्यमंत्री को अवगत कराते हुए न्याय की मांग करेंगे।

जहांगीरगंज में मेधावी छात्रों का सम्मान

जहांगीरगंज, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार। राजकीय हाईस्कूल जहांगीरगंज में कक्षा 9 उत्तीर्ण मेधावी छात्र-छात्राओं तथा स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत प्रवेश उत्सव के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान पहली अप्रैल को कक्षा 9 में प्रवेश लेने वाले प्रथम 10 छात्र-छात्राओं को प्रधानाचार्य सुरेश लाल श्रीवास्तव द्वारा अपनी ओर से पुस्तकों और कापियों का पूरा सेट प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर प्रधानाचार्य सुरेश लाल श्रीवास्तव, अभिभावकों और शिक्षकों की उपस्थिति में किया गया। प्रधानाचार्य ने कहा कि निर्धन एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ही प्रतिभा प्रोत्साहन पुरस्कार योजना की शुरुआत की गई है, जिसके अंतर्गत वर्ष भर विभिन्न आयोजन किए जाते हैं। इस अवसर पर कक्षा 9 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं में उजाला, प्रिया सहाय, अंशिका, शनि कुमार एवं स्वतंत्र कुमार को सम्मानित किया गया। वहीं प्रवेश उत्सव के प्रथम दिवस नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं में अथकेश्वर वर्मा, सत्यम, महिमा, लक्ष्मी, प्रीती, आदित्य, रागिनी, अनन्या, अंकिता एवं अनुराग को पुस्तकों, कापियों और पेन आदि देकर प्रोत्साहित किया गया।

छात्रा को सम्मानित करते प्रधानाचार्य सुरेश लाल श्रीवास्तव। अमृत विचार

समारोह के दौरान नारी शक्ति वंदना के तहत महान महिला विभूतियों के जीवन पर आधारित लघु नाटिका, लोकगीत एवं लोक नृत्य की प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। इस मौके पर शिक्षक मुकेश कुमार, राम जतन वर्मा, प्रदीप कुमार सहित अभिभावक तारकेश्वर, शिवप्रसाद, दिलीप, प्रेम सहाय, शिवम, शुभम, विकास आदि उपस्थित रहे।

दो ट्रेलरों की टक्कर, एक खाई में पलटा

जलालपुर, अंबेडकरनगर। अमृत विचार। सोमवार सुबह करीब 6 बजे बेलऊवा-बरियारपुर पावर हाउस के पास दो ट्रेलरों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में एक ट्रेलर अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे खाई में जा पलटा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बता दें कि एक ट्रेलर मालीपुर से अकबरपुर की ओर जा रहा था, जबकि दूसरा ट्रेलर अकबरपुर से मालीपुर की तरफ आ रहा था। दोनों वाहनों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बालू से लदा ट्रेलर सडक़ किनारे खाई में जा गिरा। हादसे में ट्रेलर चालक अंशुल पुत्र संतोष निवासी पवई थाना पवई जनपद आजमगढ़ को हल्की चोटें आईं हैं। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल एंबुलेंस की सहायता से घायल चालक को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

न्यूज ब्रीफ

परिषदीय स्कूलों का बदला समय

सुलतानपुर, अमृत विचार : भीषण गर्मी और हीट वेव के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए जनपद में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर बीएसए ने नर्सरी से कक्षा- 8 तक के सभी परिषदीय, मान्यता प्राप्त व अन्य बोर्ड के विद्यालयों का समय प्रातः 07:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक निर्धारित किया है। निर्णय का उद्देश्य तेज गर्मी में बच्चों को राहत देना और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना है। सभी खंड शिक्षा अधिकारियों, प्रधानाध्यापकों और प्रबंधकों को निर्देश दिए गए हैं कि आदेश का सख्ती से पालन कराया जाए।

विजय हत्याकांड में विवेचक ने दी सफाई

सुलतानपुर, अमृत विचार : विजय नारायण सिंह हत्याकांड में कई आरोपियों को क्लीन चिट देने के और शूटर अजय सिंह सिलावट के खिलाफ सबूत तलब कर दण्डित करने की मांग पर पर सीजेएम नवनीत सिंह की कोर्ट ने सीओ और विवेचक को तलब किया था। पीड़ित पक्ष के वकील अरविंद सिंह राजा ने बताया कि क्राइम ब्रांच की विवेचक ने कोर्ट में पेश होकर सफाई दी जिस पर आदेश सुरक्षित रख लिया है।

जेल में निरुद्ध आरोपित को मिली जमानत

सुलतानपुर, अमृत विचार : स्नैपचैट की फर्जी आईडी से युवक को बुलाकर वसूली करने व मारपीट करने के मामले में एफटीसी द्वितीय स्वतंत्र प्रकाश ने आरोपी कोतवाली नगर के गभड़िया निवासी इमरान को जमानत दे दी है। बचाव पक्ष के अधिवक्ता अरविंद सिंह राजा ने दलील देते हुए कहा कि आरोपी छात्र है, उसका कोई आपराधिक इतिहास भी नहीं है। उस पर बीते 31 मार्च को विकास विश्वकर्मा ने केस दर्ज कराया था।

बच्चों को लगे डीपी-आईपीवी के टीके

भदैया, सुलतानपुर, अमृत विचार : भदैया विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय सौराई में विशेष टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 4 से 7 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को डिप्थीरिया, टिटनेस, पर्टुसिस और पोलियो से बचाव हेतु डीपी-आईपीवी टीके लगाए गए। शिविर में कुल 18 बच्चों का टीकाकरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी प्रधानाध्यापिका अंजू देवी ने किया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. आरपी सिंह ने बताया कि यह विशेष अभियान 30 अप्रैल तक विद्यालयों में चलाया जाएगा, जिसमें एएनएम टीम बच्चों का टीकाकरण कर रही है। इस अवसर पर सहायक अध्यापिका विद्या यादव, सोनी जायसवाल, शिक्षामित्र विनोद सिंह और एएनएम ममता मौजूद रहे।

एक्सप्रेस-वे पर फिर गरजेंगे जेट

पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर 22 अप्रैल को उतरेंगे फाइटर जेट, दिखाएंगे हवा में करतब

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर एक बार फिर आसमान जंगी विमानों की गर्जना से गूंजने को तैयार है। एक्सप्रेस-वे के गोसाईगंज थाना क्षेत्र स्थित अरवल कीरी करवत गांव के पास बने एयर स्ट्रिप पर 22 अप्रैल को भारतीय वायुसेना के फाइटर जेट उतरने वाले हैं। इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम को लेकर तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं।

सोमवार को स्थलीय निरीक्षण के दौरान पाया गया कि एक्सप्रेस-वे के किमी 124 पर डायवर्जन के लिए डिस्प्ले बोर्ड लगा दिए गए हैं। यातायात को सुचारु रखने के लिए प्रशासन और यूपीडा ने विशेष इंतजाम किए हैं। किमी 124 से 129 तक एक लेन को लखनऊ की ओर से आने वाले वाहनों के लिए डायवर्ट किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद कर दी गई है। कूरेभार थाना प्रभारी संदीप त्रिपाठी के अनुसार, क्षेत्राधिकारी जयसिंहपुर के नेतृत्व में 10 किलोमीटर के दायरे में कड़ी निगरानी रखी जा रही है। पुलिस टीम आसपास के गांवों में भ्रमण कर लोगों को सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूक कर रही है। एयर स्ट्रिप के 5 किलोमीटर क्षेत्र में साफ-सफाई और मरम्मत का कार्य तेजी से पूरा किया गया है। यूपीडा ने बैरिकेडिंग कर रनवे को पूरी तरह तैयार कर लिया है। अवर अभियंता इमरान ने बताया कि सभी तकनीकी मानकों को पूरा कर लिया गया है और विमान की सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित है। गौरतलब है कि 2021 में इसी एयर स्ट्रिप पर फाइटर जेट्स का प्रदर्शन हुआ था। अब एक बार फिर इस आयोजन को लेकर क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

एयर स्ट्रीप व बनाया जा रहा मंच। ● अमृत विचार

सड़क हादसे में दिहाड़ी मजदूर की मौत

संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचार : कूरेभार थाना क्षेत्र के अयोध्या प्रयागराज हाईवे पर स्थित एक ढाबे के पास बीती रात एक सड़क हादसे में दिहाड़ी मजदूर की जान चली गई। हादसा रात करीब एक बजे उस समय हुआ, जब मजदूर अपने साथियों के साथ खाना खाकर फैक्ट्री लौट रहा था। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। साथियों ने आनन-फानन में मजदूर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कूरेभार पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान रफीक (51) पुत्र अली रज्जाक निवासी नरना तंबौर, जनपद सीतापुर के रूप में हुई है। कूरेभार थाना प्रभारी संदीप त्रिपाठी ने बताया कि शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

लकड़ी चोर गिरोह का खुलासा अयोध्या के 4 शातिर गिरफ्तार

गोसाईगंज, सुलतानपुर

- 43 यूकेलिप्टस के बोटे व प्रयोग किया गया वाहन भी बरामद

अमृत विचारः गोसाईगंज पुलिस ने लकड़ी चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के 43 यूकेलिप्टस (सफेदा) के बोटे और वारदात में प्रयुक्त वाहन बरामद किया है। यह कार्रवाई सोमवार को पुलिस अधीक्षक चारू निगम के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई।

जानकारी के अनुसार, 7 अप्रैल को रविशंकर शुक्ला ने अपने खेत से 24 यूकेलिप्टस के पेड़ चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। मामले में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने साक्ष्य जुटाते हुए मुखबिर की सूचना पर सोमवार को घेराबंदी कर चारों आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों में शुभम यादव (22), करन (18), रोशनलाल (19) और आदित्य पटेल (18) शामिल हैं, जो अयोध्या जनपद के बीकापुर थाना क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने इनके पास से 25 बोटे 4 फीट और 18 बोटे 3 फीट लंबाई के बरामद किए हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में भेज आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ऐतिहासिक पुल को बचाने की उठी आवाज

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः गोमती नदी पर बने गोलाघाट स्थित ऐतिहासिक पुराने पुल को लेकर एक बार फिर आवाज तेज होने लगी है। बहुजन अधिकार सेना ने सोमवार को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपकर पुल के जीर्णोद्धार और सीमित आवागमन के लिए इसे खोलने की मांग की है। संगठन का कहना है कि यह पुल केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि शहर की सांस्कृतिक पहचान और विरासत का प्रतीक भी है।

ज्ञापन में बताया गया कि दशकों तक यह पुल शहर की जीवनरेखा रहा, लेकिन जर्जर स्थिति और सुरक्षा कारणों से इसे पूरी तरह बंद कर दिया गया है। हालांकि समीप ही नए पुल का निर्माण कार्य चल रहा है, लेकिन पुराने पुल के बंद होने से स्थानीय लोगों को लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है। इससे समय और ईंधन की बर्बादी के साथ-साथ शहर में जाम की समस्या भी बढ़ गई है। संगठन के राष्ट्रीय कमांडर विजय राणा चमार के हस्ताक्षर से दिए गए ज्ञापन में चार प्रमुख मांगें रखी गई हैं। इनमें पुल को ऐतिहासिक धरोहर घोषित कर संरक्षित करना, उसका तकनीकी परीक्षण कराना और आवश्यक मरम्मत कार्य कराना शामिल है।

फोटो- 3. सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपते लोग। ● अमृत विचार

- बहुजन अधिकार सेना ने सीएम को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा

जंगली सुअर के हमले में महिला समेत दो घायल

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचारः स्थानीय कोतवाली क्षेत्र में जंगली सूअर के हमले से महिला सहित दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पहाड़पुर श्रीरामपुर निवासी उषा गोस्वामी रविवार शाम खेत जाते समय सूअर के हमले का शिकार हो गईं। वहीं पाकरपुर गांव के अमित यादव पर भी रास्ते में हमला हुआ। दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कादीपुर में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार किया गया। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से ग्रामीणों में भय का माहौल है। लोगों ने प्रशासन से जंगली जानवरों के बढ़ते प्रकोप पर नियंत्रण की मांग की है।

मजबूत बूथ ही जीत की आधारशिला

संवाददाता, सुलतानपुर

- मिशन 2027 पर भाजपा की समीक्षा बैठक में बोले भाजपा प्रदेश महामंत्री धर्मपाल सिंह

अमृत विचारः भाजपा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने जिला कार्यालय पर पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संगठनात्मक गतिविधियों और बूथ सुदृढ़ीकरण की समीक्षा की। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने की।

बैठक में धर्मपाल सिंह ने मिशन 2027 को लेकर कार्यकर्ताओं को स्पष्ट संदेश दिया कि मजबूत बूथ ही चुनावी जीत की नींव है। उन्होंने कहा कि हर बूथ पर सक्रिय कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए और संगठनात्मक कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि आगामी समय में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लेकर विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम और झूठ को उजागर करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके बाद उन्होंने इसौली विधानसभा के मंडल अध्यक्षों के साथ अलग से बैठक कर बूथों की स्थिति की जानकारी ली। जिला मीडिया प्रमुख विजय सिंह रघुवंशी के अनुसार, धर्मपाल सिंह लखनऊ से वाराणसी जाते समय सुलतानपुर में रुककर बैठक में शामिल हुए और बाद में वाराणसी के लिए रवाना हो गए।

बैठक में जिला उपाध्यक्ष आनन्द द्विवेदी, अखिलेश जायसवाल, आलोक आर्य, आशीष सिंह रानू, चन्दन नारायण सिंह, डॉ. प्रीति प्रकाश, रामेंद्र प्रताप सिंह, अयोध्या प्रसाद वर्मा, संदीप सिंह, प्रदीप शुक्ला, मनोज श्रीवास्तव, अरुण जायसवाल, मनोज मौर्य, दिनेश चौरसिया, राजेश सिंह, आकाश जायसवाल, रेखा निषाद, रचना अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

धर्मपाल सिंह प्रदेश महामंत्री (संगठन)।

उसामा हत्याकांड में गवाही जारी

सुलतानपुर, अमृत विचार : मोहम्मद उसामा हत्याकांड के मामले में मृतक के पिता मोहम्मद शकील अहमद सोमवार को गवाही देने के लिए सेशन कोर्ट जज सुनील कुमार की कोर्ट में पेश हुए। जिनसे बचाव पक्ष ने जिरह की। अभियोजन की ओर से वादी के अधिवक्ता अरविंद सिंह राजा ने बताया जिरह पूर्ण न होने से कोर्ट ने शेष जिरह के लिए मंगलवार की तारीख नियत की है। शहर के राहुल चौराहा गांधी नगर निवासी मोहम्मद शकील के 11 वर्षीय पुत्र मोहम्मद उसामा की 25 नवंबर 2024 को अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। परिवारीजन से पांच लाख रुपये की फिरौती भी मांगी गई थी। पुलिस ने मुख्य आरोपित मोहम्मद आसिफ उर्फ सोनू के साथ ही उसके पिता ताज मोहम्मद उर्फ बब्बू, बहन शबनम, चाचा मो. सलीम व चाची रिजवाना को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

दहेज हत्या के केस में आरोपी पति पर आरोप तय

विधि संवाददाता, सुलतानपुर

- 4 मई को साक्ष्य पर होगी सुनवाई

अमृत विचारः दहेज हत्या के गंभीर मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम के न्यायाधीश विजय कुमार गुप्ता ने सोमवार को करौंदीकला थाना क्षेत्र के अमरेमऊ गांव निवासी आरोपी नीरज गौतम के खिलाफ आरोप तय कर दिए। कोर्ट ने मामले में अभियोजन साक्ष्य के लिए आगामी 4 मई की तिथि निर्धारित की है।

सहायक शासकीय अधिवक्ता दान बहादुर वर्मा के अनुसार, नीरज गौतम की शादी 10 जून 2025 को जौनपुर जिले के सरपतहा थाना क्षेत्र के चिलबिली गांव निवासी आकांक्षा गौतम से हुई थी। आरोप है कि विवाह में कम दहेज मिलने से नाराज ससुराल पक्ष द्वारा आकांक्षा को लगातार प्रताड़ित किया जाता था। आरोप है कि ससुराल पक्ष ने आकांक्षा की फांसी लगाकर बीती 10 जनवरी को हत्या कर दी। घटना के बाद मृतका की मां शशिकला ने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने तफ्तीश के बाद केवल पति के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। अगली तारीख पर अभियोजन पक्ष अपने साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।

कल्याणपुर कांडः तीन आरोपियों की गिरफ्तारी पर रोक से कोर्ट का इंकार

- अखंडनगर थानाक्षेत्र के कल्याणपुर बवाल से जुड़ा मामला

कल्याणपुर गोलीकांड मामले में अखंड नगर थाने में दर्ज जानलेवा हमला समेत अन्य आरोपों में चन्दीपुर निवासी आरोपी नमित व रतनपुर निवासी आरोपित अरुण सिंह व अम्बेडकरनगर जनपद के थानाक्षेत्र मालीपुर के नेमपुर निवासी आरोपी हलचल तिवारी उर्फ नितेश कुमार की अग्रिम जमानत अर्जी पर सोमवार को हुई सुनवाई में सेशन जज सुनील कुमार की अदालत ने अभियोजन पक्ष से संतोष पांडेय व बचाव पक्ष को सुनने के बाद तीनो आरोपियों की गिरफ्तारी पर रोक लगाने से इंकार करते हुए अग्रिम जमानत खारिज कर दी। वादी के वकील संतोष पांडेय के मुताबिक वादी जिलाजीत यादव ने बीती 15 मार्च को कल्यानपुर गांव में जानलेवा हमला व फायरिंग करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

नरहरपुर कांड में 3 आरोपियों को राहत, कोर्ट ने दी जमानत

अमेठी जनपद के रामगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत नरहरपुर गांव में सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने के दौरान राजस्व टीम से विवाद के मामले में अदालत ने तीन आरोपियों को बड़ी राहत देते हुए अभियोजन पक्ष व बचाव पक्ष के अधिवक्ता रणजीत सिंह त्रिशुंडी को सुनने के बाद जमानत मंजूर कर ली है। अपर सत्र न्यायाधीश/एफटीसी द्वितीय सुलतानपुर स्वतन्त्र प्रकाश की अदालत ने रमेश यादव, बृजेश यादव और विजय शंकर यादव की जमानत याचिका स्वीकार कर ली। लेखपाल अरविंद सिंह की तहरीर पर बीती 11 अप्रैल की घटना में केस दर्ज किया गया था। जिसमें आरोप है कि अवैध कब्जा हटाने पहुंची राजस्व व पुलिस टीम के साथ आरोपियों ने अन्य लोगों के साथ मिलकर धक्का-मुक्की, गाली-गलौज कर सरकारी कार्य में बाधा डाली और कुछ कर्मियों को चोटें पहुंचाईं।

स्थायी लोक अदालत का बड़ा फैसला, पीड़िता को 5.20 लाख रुपये देने का दिया आदेश

संवाददाता, सुलतानपुर : स्थायी लोक अदालत अध्यक्ष राधेश्याम यादव व सदस्यगण मृदुला राय व रमेश चंद यादव की पीठ ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में सड़क दुर्घटना में पुत्र की मृत्यु के मामले में वादिनी चमेला देवी के पक्ष में फैसला सुनाते हुए जिला प्रशासन को आर्थिक सहायता देने का आदेश दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम लौहर दक्षिण निवासी चमेला देवी के पुत्र अभय कुमार की 16 जनवरी 2021 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। पीड़िता ने मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना एवं सर्वहित बीमा योजना के तहत आर्थिक सहायता के लिए आवेदन किया था, जिसे प्रशासन द्वारा रिपोर्ट के आधार पर निरस्त कर दिया गया था। मामला स्थायी लोक अदालत पहुंचा, जहां सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की दलीलें सुनी गईं। अदालत ने पाया कि वादिनी आर्थिक सहायता पाने की अधिकारिणी है। अदालत ने अपने आदेश में जिलाधिकारी एवं उप जिलाधिकारी सदर, सुलतानपुर को निर्देश दिया है कि वे एक माह के भीतर वादिनी को 5 लाख रुपये बीमा राशि, 10 हजार रुपये मानसिक व शारीरिक क्षति तथा 10 हजार रुपये वाद व्यय सहित कुल 5.20 लाख रुपये का भुगतान करें।

पीड़िता की अर्जी निस्तारित दुष्कर्म के आरोपी इंस्पेक्टर मामले में सुनवाई जारी

महिला आरक्षी से दुष्कर्म के मामले में एफटीसी प्रथम न्यायाधीश विजय कुमार गुप्ता की अदालत ने पीड़िता द्वारा आरोपी इंस्पेक्टर नीशू तोमर के खिलाफ सुलह को लेकर दबाव बनाने की अर्जी को सोमवार को निस्तारित कर दिया। मामले में पूर्व में दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद अदालत ने आदेश सुरक्षित रख लिया था, जिस पर सोमवार को निर्णय सुनाया गया। अभियोजन के मुताबिक कोतवाली नगर में एक महिला आरक्षी ने 14 जुलाई 2022 को इंस्पेक्टर नीशू तोमर के खिलाफ यौन शोषण समेत अन्य गंभीर आरोपों में मुकदमा दर्ज कराया था। वर्तमान में मामले में साक्ष्य और गवाही की कार्यवाही जारी है, जबकि पीड़िता की जिरह भी लंबित चल रही है। बीती पेशी पर पीड़िता की ओर से आरोपी पर सुलह के लिए दबाव बनाने और झूठी शिकायत कराने जैसे आरोप लगाते हुए अर्जी दी गई थी, जिसे अदालत ने सुनवाई के बाद निस्तारित कर दिया। पीड़िता के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने बताया। कोर्ट ने पीड़िता को सुरक्षा के लिए जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी में अवेदन करने की बात कही है। मामले में अगली सुनवाई 15 मई को होगी।

मनरेगा में चल रहा फर्जी हाजिरी का खेल

- कृषि कार्यों के लिए ढूंढे नहीं मिल रहे मजदूर

संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचार : मनरेगा के तहत फर्जी हाजिरी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। एक ओर जहां किसान गेहूं की मड़ाई और भंडारण को लेकर मजदूरों की कमी से जूझ रहे हैं, वहीं सरकारी रिकॉर्ड में हजारों मजदूरों की उपस्थिति दर्ज दिखाई जा रही है। जिले के 14 विकास खंडों में 386 कार्यों पर 14,455 मजदूरों की हाजिरी दर्ज की गई है। दोस्तपुर, धनपतगंज, कूरेभार और लंभुआ जैसे विकासखंडों में दो हजार से अधिक मजदूर कार्यरत दिखाए गए हैं, जबकि प्रतापपुर कमैचा में भी बड़ी संख्या में मजदूरों की उपस्थिति दर्ज है। लोगों का आरोप है कि कई स्थानों पर कागजों में काम दिखाया जा रहा है, जबकि जमीनी स्तर पर काय शून्य है। इससे मनरेगा की पारदर्शिता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। वहीं, मजदूरों की कमी के चलते किसानों को महंगी मजदूरी पर काम कराना पड़ रहा है, जिससे उनकी लागत बढ़ रही है। डीसी मनरेगा ने कहा कि शिकायत मिलने पर मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

आवश्यकता है-

पं० राम चरित्र मिश्र महाविद्यालय पड़ेला कादीपुर सुलतानपुर में स्नातक स्तर पर बी0बी0ए0 एवं बी0सी0ए0 पाठ्यक्रम में प्रवक्ता 7 पद प्रत्येक ।

योग्यता एवं वेतनमान विश्विद्यालय एवं यू0जी0सी0 के मानकानुसार। इच्छुक अभ्यर्थी एक सप्ताह के अन्दर दो रंगीन फोटो व शैक्षिक अभिलेखों की प्रमाणित प्रति महाविद्यालय कार्यालय में प्रेषित करें।

प्रबन्धक –

डा0 श्रवण मिश्र

मो0–9415879178, 9454193729

तेज आवाज वाले साइलेंसर लगे आठ बाइकों का चालान

संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचारः ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए सोमवार को व्यापक चेकिंग अभियान चलाया। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी अलका शुक्ला एवं यात्री कर अधिकारी शैलेन्द्र कुमार तिवारी के नेतृत्व में शहर के विभिन्न मार्गों पर मॉडिफाइड और तेज आवाज वाले साइलेंसर की जांच की गई। इस दौरान 8 दोपहिया वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चालान किया गया।

अभियान के तहत अमहट स्थित रॉयल इन्फील्ड एजेंसी पर औचक निरीक्षण भी किया गया। अधिकारियों ने एजेंसी संचालकों को सख्त निर्देश दिए कि किसी भी वाहन में मॉडिफाइड साइलेंसर या ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले उपकरणों की बिक्री या फिटिंग न की जाए। उल्लंघन किए जाने पर मोटर यान अधिनियम के तहत एक लाख रुपये तक जुर्माना या एक वर्ष की सजा की जानकारी दी गई। इसके अलावा परिवहन यूनियनों, गैराज और वर्कशॉप संचालकों के साथ बैठक कर अवैध मॉडिफिकेशन पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि नियमों के उल्लंघन पर लाइसेंस निरस्तीकरण और वाहन पंजीयन निलंबन जैसी कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी।

योजना — संयुक्त निदेशक ने संयुक्त सचिव युवा कल्याण विभाग को लिखा पत्र

8.41 करोड़ से शाहपुर लपटा में बनेगा मिनी स्टेडियम

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः सदर विधानसभा क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को नया आयाम देने की दिशा में बड़ी पहल की जा रही है। मोतिगरपुर विकास खंड के शाहपुर लपटा गांव में करीब 8 करोड़ 41 लाख रुपये की लागत से आधुनिक मिनी स्टेडियम का निर्माण प्रस्तावित है। इस योजना के पीछे सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय की पहल अहम रही, जिन्होंने खेल मैदान निर्माण के लिए महानिदेशक प्रांतीय रक्षक दल/विकास दल एवं युवा कल्याण विभाग लखनऊ को पत्र भेजा था। अब संयुक्त निदेशक अशोक कुमार कनौजिया द्वारा इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाते हुए संयुक्त सचिव, युवा कल्याण विभाग को पत्र प्रेषित किया गया है, जिससे परियोजना को गति मिलने की उम्मीद बढ़ गई है।

जिला युवा कल्याण अधिकारी मयंक पटेल ने बताया कि शासन से स्वीकृति मिलते ही कार्यदायी संस्था का चयन कर निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह मिनी स्टेडियम लगभग 2.63 हेक्टेयर भूमि में विकसित होगा, जिसमें खिलाड़ियों के लिए आधुनिक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा। स्टेडियम में लॉबी, चेंजिंग रूम, बरामदा, शौचालय और बाउंड्रीवाल का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा वॉलीबॉल और बास्केटबॉल ग्राउंड, पम्प हाउस, वाटर कूलर, रेनहार्वेस्टर, हाईमास्ट लाइट और इंटरलॉकिंग सड़क जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इस परियोजना से न केवल खेलों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि क्षेत्र के युवाओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार भी होगा।

इसी स्थल पर होना है मिनी स्टेडियम का निर्माण। ● अमृत विचार

बाबा बनखंडी धाम से निकाली गई कलश यात्रा

संवाददाता, सुलतानपुर, अमृत विचारः जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र में सोमवार को श्री बाबा बनखंडी धाम से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। कलश यात्रा का शुभारंभ बाबा बनखंडी आश्रम से हुआ, जो नंदी धाम, बगिया चौराहा और बरसोंमा मार्ग से होते हुए जयसिंहपुर शिव मंदिर पहुंची। यहां श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश में जल भरकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसके बाद यात्रा जयसिंहपुर बाजार और कोतवाली मार्ग से गुजरते हुए फिर से बाबा बरखंडी धाम पर संपन्न हुई। इस धार्मिक आयोजन में संत श्री त्यागी जी महाराज, ओम पांडेय और दिनेश शुक्ला सहित कई प्रमुख श्रद्धालु उपस्थित रहे। खास बात यह रही कि किन्नर समाज के लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे आयोजन की गरिमा और बढ़ गई। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय विधायक राज प्रसाद उपाध्याय (राजबाबू), ब्लॉक प्रमुख राहुल शुक्ला समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया।

- शाम तीन बजे से होगी कथा तो रात्रि में रास लीला

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं **कमल वर्मा पुत्र राकेश कुमार वर्मा निवासी 369/13 सहादतगंज, बीबीगंज, लखनऊ 226003**, मेरी पुत्री इशानी वर्मा के आधार कार्ड संख्या 809327880137 में पुत्री का नाम त्रुटिवश इशानी अंकित हो गया है जो कि गलत है। जबकि पुत्री का सही नाम इशानी वर्मा है। अतः विभाग के अभिलेखो में उपरोक्त लिखित पुत्री का सही नाम इशानी वर्मा संशोधित कर आधार कार्ड में अकित किया जाय।

सूचना

मैने अपना नाम MOHAMMAD SALMAN QURAISHI से बदलकर MD.SALMAN QURAISHI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MOHAMMAD WARIS ADD-MOHALLA KAJIPURA O3 FATEHPUR DIST-BARABANKI-225305 (U.P.)

सूचना

मैने अपना नाम ABDUL QUDDUS SHEIKH से बदलकर ABDUL QUDDUS रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-ABDUL JARRAR ADD-A-09 ABRAR NAGAR, PICNIK SPOT VIKAS NAGAR DIST-LUCKNOW-226022 (U.P.)

सूचना

मेरे पासपोर्ट में मेरे पिता का नाम त्रुटिवश सुरेश गलत दर्ज हो गया है। जबकि मेरे आधार कार्ड और पैन कार्ड में मेरे पिता का नाम सुरेश सैनी दर्ज है। सुरेश और सुरेश सैनी दोनों ही नाम मेरे पिता के हैं। मुझे सोनू सैनी (sonu saini) पुत्र सुरेश (suresh) और सोनू सैनी (sonu saini) पुत्र सुरेश सैनी (suresh saini) दोनों नामों से जाना व पहचाना जाए। **सोनू सैनी पुत्र सुरेश सैनी निवासी ग्राम–परशुराम पुर पोस्ट– राजेपुर, परगना व तहसील – बांगरमऊ, जिला – उन्नाव उ.प्र.**

सूचना

मेरे पुत्र आराध्य तिवारी का नाम अभिलेखों में त्रुटिवश ARADHYA TIWARI दर्ज हो गया है जबकि इसका सही नाम ARADHY TIWARI है। मेरे पुत्र का सही नाम ARADHY TIWARI है इसे इसी नाम से जाना व पहचान जाए। **नवीन कुमार तिवारी पुत्र सोमप्रकाश तिवारी निवासी बरखेड़ा कला तहसील बीसलपुर, जिला पीलीभीत**

सूचना

मैंने अपना नाम RAJESH KUMAR JAIN से बदल कर RAJESH JAIN रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: CHANDRA PRAKASH JAIN R/O: 276 A, LALPURA, ETAWAH, ETAWAH

जितेंद्र गौतम सदर व अशोक गुप्ता बने तरबगंज के एसडीएम न्यायिक

संवाददाता गोंडा

- डीएम ने दो तहसीलों के एसडीएम की तैनाती में किया बदलाव

अमृत विचार : जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए दो उप जिलाधिकारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया है। सदर तहसील के एसडीएम अशोक कुमार गुप्ता के स्थान पर तरबगंज के उपजिलाधिकारी रहे जितेंद्र गौतम को सदर तहसील का एसडीएम बनाया गया है। जितेंद्र गौतम इससे पहले करनैलगंज उप जिलाधिकारी के पद पर भी तैनात रह चुके हैं। वर्तमान में वह अतिरिक्त प्रभार में रहकर मतदाता पुनरीक्षण कार्य देख रहे थे। उनके स्थान पर सदर एसडीएम रहे अशोक कुमार गुप्ता को तरबगंज भेजा गया है। अशोक कुमार गुप्ता को एसडीएम न्यायिक तरबगंज के साथ ही उपजिलाधिकारी न्यायिक मनकापुर और सहायक अभिलेख अधिकारी तहसील तरबगंज बनाया है। अशोक कुमार गुप्ता ने सदर तहसील में उपजिलाधिकारी रहते हुए अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की थी। हाल ही में एक सप्ताह पहले उन्होने खोरहंसा बाजार में ग्राम समाज की डेढ़ बीघा जमीन पर अवैध रूप से बने मदरसा, दुकानों और मकान को तोड़कर कब्जा हटवाया था। डीएम ने दोनो अधिकारियों को सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्य करने का निर्देश दिया है।

दुर्गा शक्ति नागपाल बनीं नयी कमिश्नर

आयुक्त का तबादला

- एमएसएमई के प्रमुख सचिव बनाए गए देवीपाटन मंडल के आयुक्त रहे शशि भूषण लाल सुशील

संवाददाता गोंडा

दुर्गा शक्ति नागपाल, आयुक्त देवीपाटन मंडल।

अमृत विचार : देवी पाटन मंडल के आयुक्त रहे शशि भूषण लाल सुशील का तबादला हो गया है। उनके स्थान पर तेज तर्रार आईएएस अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल को मंडल का नया कमिश्नर बनाया गया है। आयुक्त रहे शशि भूषण लाल सुशील का कुछ महीने पहले ही प्रमोशन हुआ था। इसके बाद ही उनके तबादले के कयास लगाए जा रहे थे। अब उन्हें सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग (एमएसएमई) का प्रमुख सचिव बनाया गया है।

प्रदेश सरकार ने रविवार की देर रात बड़े पैमाने पर आईएएस अधिकारियों के तबादले किए। इनमें देवीपाटन मंडल की कमान की आईएएस अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल को सौंपी गई है। वह लखीमपुर की जिलाधिकारी रह चुकी हैं।

वह 2010 बैच की आईएएस अधिकारी हैं और उनकी गिनती प्रदेश के तेज तर्रार अधिकारियों में होती है। हाल ही में उनका प्रमोशन कमिश्नर पद पर हुआ था और देवीपाटन मंडल में कमिश्नर के तौर पर यह उनकी पहली तैनाती है। दुर्गा शक्ति नागपाल की तैनाती के साथ ही अब जिले के तीनों महत्वपूर्ण पदों पर महिला अधिकारियों की तैनाती हो गयी है।

इसके पहले प्रियंका निरंजन जिलाधिकारी व अंकिता जैन मुख्य विकास अधिकारी के पद पर कार्य कर रही हैं।

शशिभूषण लाल सुशील ने चलाया था 'मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद' कार्यक्रम

गोंडा, अमृत विचार : देवीपाटन मंडल के कमिश्नर के रूप में शशि भूषण लाल सुशील का कार्यकाल 22 महीने 20 दिन का रहा। इस दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्य किए। सरल व सुलभ छवि के अधिकारी रहे शशि भूषण लाल सुशील ने महिलाओं की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए 'मां पाटेश्वरी शक्ति संवाद' की शुरुआत प्रमुख है। इस पहल के तहत हर महीने के पहले सोमवार को मंडलीय कार्यालय में कमिश्नर और अन्य अधिकारी महिलाओं की शिकायतें सुनते थे। शशि भूषण लाल सुशील ने बहराइच हिंसा के आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की थी और स्थिति पर लगातार निगरानी रखी थी ताकि हिंसा न फैले। इसके अलावा नेपाल में हुए विवाद के दौरान देवीपाटन मंडल के नेपाल से सटे तीन जिलों में भी उन्होंने लगातार नजर रखी।

तेज धूप में गैस सिलेंडर के लिए लगी भीड़

गैस एजेंसी की जांच करतीं एसडीएम नेहा मिश्रा। ● अमृत विचार

करनैलगंज, अमृत विचार : उपजिलाधिकारी नेहा मिश्रा ने पूर्ति निरीक्षक अनुज कुमार व आनंद प्रकाश के साथ मनोकामना इंडेन गैस एजेंसी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एजेंसी परिसर में गैस सिलेंडर लेने के लिए लोगों की भारी भीड़ लगी मिली। तेज धूप के बावजूद उपभोक्ता लंबी कतारों में खड़े नजर आए। स्थिति को देखते हुए एसडीएम ने एजेंसी संचालक को भीड़ नियंत्रण के लिए समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को धूप से बचाने के लिए टेंट या टिन शेड लगाकर छाया की व्यवस्था की जाए तथा पेयजल की भी समुचित सुविधा उपलब्ध कराई जाए। एसडीएम ने यह भी निर्देशित किया कि कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई जाए और केवाईसी व गैस वितरण के लिए अलग-अलग स्टाफ तैनात किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े। इस दौरान एसडीएम ने उपभोक्ताओं से ली जा रही धनराशि की भी जानकारी ली, जिस पर सभी लोग संतुष्ट दिखाई दिए।

कार की टक्कर से बाइक सवार अधेड़ की गई जान

धानेपुर क्षेत्र के पावर हाउस के नजदीक हुई दुर्घटना

धानेपुर, गोंडा

रफ्तार की मार

- हादसे के बाद वाहन छोड़कर भाग निकला चालक
- कार को कब्जे में लेकर फरार चालक की तलाश में जुटी पुलिस

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के पावर हाउस के समीप सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार उछलकर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरा। हादसे के बाद कार चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

अबरार अहमद उर्फ लल्लन (फाइल फोटो)

नगर पंचायत धानेपुर के कहारन टोला निवासी लल्लन उर्फ इबरार अहमद (50) पुत्र रमजान सुबह अपनी बकरियों के लिए पत्ती-पेज़ लेने निकले थे। जैसे ही वह पावर हाउस के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी और लल्लन गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार की रफ्तार सौ किमी से भी अधिक थी। हादसे के बाद कार भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयी। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद चालक कार मौके पर छोड़कर फरार हो गया, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। प्रभारी निरीक्षक अरविंद यादव ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। फरार चालक की तलाश के लिए पुलिस टीम लगाई गई है।

वहीं हादसे के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनके बच्चे मुंबई में रहते हैं, जिससे परिवार की स्थिति और भी दयनीय हो गई है। गांव में घटना को लेकर शोक का माहौल है।

सुबह 7 से 12 बजे तक संचालित होंगे कक्षा 8 तक के स्कूल

गोंडा, अमृत विचार : भीषण गर्मी को देखते हुए जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने स्कूल संचालन के समय में परिवर्तन किया है। अब कक्षा एक से आठ तक के स्कूल सुबह 7 बजे से 12 बजे तक संचालित होंगे।

शिक्षक संगठन कई दिनों से स्कूलों का समय बदले जाने की मांग कर रहे थे। इसके पहले स्कूल सुबह 8 बजे से 2 बजे तक संचालित किए जा रहे थे। दो बजे छुट्टी होने के बाद बच्चों को धूप में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। बीएसए अमित सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी के आदेश पर स्कूलों का समय बदला गया है। अब कक्षा एक से 8 तक के समस्त परिषदीय, एडेड व मान्यता प्राप्त स्कूल सुबह 7 बजे से 12 बजे तक संचालित किए जायेंगे। सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को आदेश का सख्ती से अनुपालन कराने का निर्देश दिया गया है।

आपसी विवाद में दो पक्षों में मारपीट, 10 लोग घायल

बढ़ा विवाद

तरबगंज, गोंडा

अमृत विचार : स्थानीय थाना क्षेत्र के घांचा गांव में आपसी विवाद को लेकर रविवार रात दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना में दोनों पक्षों के कुल 10 लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए गोण्डा भेजा गया है।

एक पक्ष के विपिन यादव के अनुसार, रविवार रात करीब 10 बजे गांव के रामलखन, रणविजय, आकाश व सविता अपने कुछ साथियों के साथ पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपित आग बबूला हो गए और लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से हमला कर दिया।

इस हमले में रीता, विनीत, राजेश और विपिन घायल हो गए। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तरबगंज से बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

वहीं दूसरे पक्ष के आकाश यादव ने आरोप लगाया कि विपक्षी विपिन, विनीत, राजेश और रीता अपने सहयोगियों रांगी गांव निवासी रोहित व चदसुहा गांव निवासी नितिन के साथ पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया। इस दौरान लाठी-डंडों व धारदार हथियारों के प्रयोग से रणविजय, अभिषेक, सरिता, इलासा, रामतेज और आकाश घायल हो गए।

घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तरबगंज से गोण्डा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक श्रीधर पाठक ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच मारपीट की घटना हुई है, जिसमें 10 लोग घायल हुए हैं। दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

आलोक व आस्था बने हेड ऑफ द स्कूल

नई कार्यकारिणी के निर्वाचित पदाधिकारी। ● अमृत विचार

गोंडा, अमृत विचार : उच्च प्राथमिक विद्यालय बेलवा नोहर में सोमवार को विद्यालय की कार्यकारिणी का नवीन गठन लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत किया गया। इस दौरान छात्रों ने मतदान में भाग लिया और अपने प्रतिनिधियों का चयन किया। हेड बॉय ऑफ द स्कूल का खिताब आलोक ने 89 वोट पाकर अपने नाम किया। विकास दूसरे और भरत सिंह तीसरे स्थान पर रहे। हेड गर्ल ऑफ द स्कूल का खिताब आस्था ने 93 मत प्राप्त कर हासिल किया, जबकि नैना दूसरे स्थान पर रहीं। कुल 13 मत अवैध घोषित किए गए। निर्वाचन प्रभारी मनोज कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि नामांकित 153 विद्यार्थियों में से 138 बच्चों ने वोटिंग की। कक्षा 6 में मानव तिवारी व मोहिनी, कक्षा 7 में यशराज व रंजना यादव तथा कक्षा 8 में कृष्ण यादव व पलक तिवारी को हाउस कैप्टन चुना गया। प्रधानाध्यापक श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि मतदान से पहले सभी प्रत्याशियों ने अपने-अपने पक्ष में दक्षता भाषण देकर वोट मांगे। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद विजयी छात्रों का माला पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। महेश कुमार ने जानकारी दी कि सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को शनिवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी। इसके साथ ही विद्यालय में अनुशासन समिति, प्रार्थना सभा समिति, भोजन समिति एवं स्वच्छता समिति का भी गठन किया गया, ताकि विद्यालय का संचालन और पठन-पाठन सुचारू रूप से हो सके।

नोडल अधिकारी ने गौशाला का किया निरीक्षण

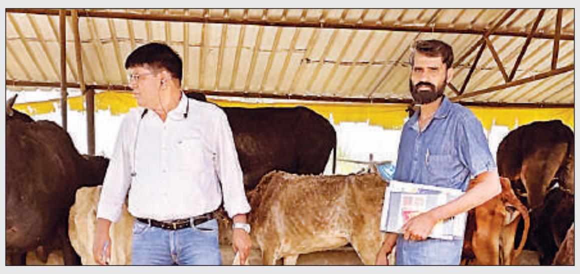

गौशाला का निरीक्षण करते अधिकारी। ● अमृत विचार

कटरा बाजार, गोंडा, अमृत विचार : सोमवार को कटरा बाजार ब्लाक के ग्राम पंचायत गोड़वा में बने गौ आश्रय केंद्र का प्रमुख सचिव ने बीसी के माध्यम से नामित नोडल अधिकारी डॉ.खिलाड़ी शंकर (डिप्टी सीबीओ) ने निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान पशुओं के स्वास्थ्य, चारे-पानी, साफ-सफाई व अभिलेखों की जांच की गई। नोडल अधिकारी ने प्रधान से हरा चारा नियमित उपलब्ध कराने की बात कही, वहीं पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. शिवप्रकाश ने पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया। अधिकारियों ने कर्मचारियों को व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर ग्राम पंचायत अधिकारी पंकज मौर्य मौजूद रहे।

विजेता को सम्मानित करते आयोजक। ● अमृत विचार

अमरीश बने विश्वजीत ओपन शतरंज प्रतियोगिता के चैंपियन

गोंडा, अमृत विचार : चतुर्थ विश्वजीत ओपन जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का समापन शानदार मुकाबलों के साथ हुआ, जिसमें अमरीश साहू ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी मारुफ अहमद सिद्दीकी को पराजित किया। मारूफ को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। वहीं अंबे कुमार ने तीसरा स्थान हासिल किया। जूनियर वर्ग में आकाश कश्यप ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि नवनीत कुमार दूसरे और शौर्यवर्धन पांडे तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में यशस्वी वर्मा ने प्रथम स्थान हासिल किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि मेजर राजेश द्विवेदी ने कहा कि शतरंज एक ऐसा खेल है जो मानसिक क्षमता को बढ़ाने में सहायक है। विशिष्ट अतिथि डॉ. संतोष द्विवेदी ने शतरंज के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए इसे मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी बताया। प्रतियोगिता में कुल 70 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें 48 बच्चे शामिल रहे। जूनियर वर्ग में अभिषेक श्रीवास्तव, कृतिका कश्यप, शुभांग दुबे, ईशान मित्तल, ऋषि वर्मा, नमन, प्रदीप खत्री और श्रेयस जैसे खिलाड़ियों के खेल ने दर्शकों को प्रभावित किया। अध्यक्षता डॉ. वियोगी पंकज व संचालन आशुतोष द्विवेदी और गुंजन ने किया। इस मौके पर आयोजक केके मिश्रा, वरिष्ठ अधिवक्ता अब्दुल वाहिद, शतरंज संघ के प्रांतीय सचिव मुनीर अहमद, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, विशाल सिंघल, मयंक अग्रवाल, सर्वजीत मिश्रा, विश्वजीत मिश्रा, अहद मुनीर और मसूद अहमद आदि मौजूद थे।

भूमि विवाद में फावड़े से हमला, युवक घायल

मनकापुर, गोंडा, अमृत विचार: जमीनी विवाद को लेकर हुए झगड़े में फावड़े से हमला कर युवक को घायल करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने एक महिला सहित तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुरे देवनाथ गांव निवासी अभिषेक गिरि ने दर्ज कराए मुकदमे में बताया कि उन्होंने करीब चार वर्ष पूर्व अपनी कुछ जमीन पूजा देवी के नाम बैनामा की थी। वर्तमान में पूजा देवी उक्त भूमि पर मकान का निर्माण करा रही हैं, जबकि अभिषेक अपने हिस्से में बाथरूम का निर्माण करवा रहे थे। इसी बात को लेकर रविवार को विपक्षी संगीता गिरि, दिनेश गिरि और प्रशांत गिरि उनके घर पहुंच गए और विवाद शुरू कर दिया। आरोप है कि कहासुनी के दौरान तीनों ने फावड़ा से हमला कर दिया, जिससे अभिषेक गिरि के सिर में गंभीर चोट आई। प्रभारी निरीक्षक अरविंद सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

दबंगों ने परिवार को पीटा, 4 पर केस

- अशोकपुर गांव में पशु चराने के विवाद में की मारपीट

नवाबगंज, गोंडा

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के अशोकपुर गांव में पशु चराने को लेकर हुए विवाद में दबंगों ने एक ही परिवार के तीन लोगों को मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर दो महिलाओं समेत चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित दिनेश कुमार दूबे ने बताया कि रविवार को उनका पुत्र रितेश कुमार पशुओं को चराने जा रहा था। इसी दौरान पशु गांव में सुरेश कुमार के घर के सामने सड़क से नीचे उतर गए। इस बात को लेकर सुरेश कुमार नाराज हो गए और गाली-गलौज करने लगे।

आरोप है कि विरोध करने पर सुरेश कुमार, उनकी पत्नी गीता देवी, पुत्री काजल व पुत्र सत्येन्द्र कुमार लाठी-डंडा लेकर रितेश पर टूट पड़े। शोर सुनकर जब वह और उनकी पत्नी राजकुमारी बीच-बचाव करने पहुंचे तो आरोपियों ने उन्हें भी मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित के अनुसार, हमलावरों ने लाठी-डंडों से वार करने के साथ ही दांत से काटकर भी चोट पहुंचाई और जान से मारने की धमकी दी।

घटना में सभी घायलों को गंभीर चोटें आई हैं। इस संबंध में थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

साइड देने के विवाद में युवक की पिटाई

मनकापुर, गोंडा, अमृत विचार : साइड देने को लेकर हुए विवाद में दबंगों द्वारा एक युवक की पिटाई करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना नवाबगंज क्षेत्र के ग्राम हरिहरपुर निवासी सूरज यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीते शनिवार सुबह करीब 9 बजे वह ट्रैक्टर-ट्रॉली से गन्ने का बीज लेने जा रहे थे। इसी दौरान निबिहा चौराहे के पास सामने से आ रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली सवार सुभाष वर्मा व अंकित वर्मा निवासी ग्राम परसापुर थनवा मजरा चिताहा से साइड देने को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर दोनों आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसों, थप्पड़ व डंडों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। प्रभारी निरीक्षक अरविंद सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मारपीट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर छात्रों ने रखे विचार

गोंडा, अमृत विचार : श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज के मुख्य परिसर स्थित ललिता शास्त्री सभागार में सोमवार को नारी शक्ति वंदन अधिनियम विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 23 छात्र-छात्राओं ने भाग लेते हुए महिला सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का संचालन समन्वयक डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव एवं सह-समन्वयक डॉ. शैलजा सिंह के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस दौरान प्रतिभागियों ने महिलाओं की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक भागीदारी को मजबूत बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। निर्णायक मंडल में शामिल प्रो. शशि बाला एवं डॉ. ममता शुक्ला ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन विषय-वस्तु, प्रस्तुति शैली, आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति के आधार पर किया। प्रतियोगिता में भूमि द्विवेदी ने प्रथम, संदीप तिवारी ने द्वितीय और मानसी सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

संगठन को मजबूत बनाने पर सपा का जोर

नवाबगंज, गोंडा, अमृत विचार : बढ़ई पुरवा मोहल्ले में समाजवादी पार्टी द्वारा पीडीए समाज की एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद जिला सचिव राजेश कुमार गौतम ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी को मजबूत बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने समाज के वंचित वर्गों को अधिकार दिलाने का मार्ग दिखाया। विशिष्ट अतिथि महेश निषाद ने अपने संबोधन में बाबा साहेब के मूल संदेश शिक्षा, संगठन और संघर्ष को अपनाने पर बल दिया। इस दौरान सहान यादव, अतहर खां, गोविंद शाह, सोनू गुप्ता, हरिश्चंद्र मोदनवाल, सौरभ सिंह, आशू सिंह, गजेंद्र सिंह, प्रदीप जायसवाल, विजय निषाद समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संकट | 10 लाख के सापेक्ष महज डेढ़ लाख बोरे उपलब्ध, कोटेदारों से जुटाए जा रहे संसाधन

बोरों की कमी बन सकती है गेहूं खरीद में रोड़ा

गोंडा, कार्यालय

अमृत विचार : जिले में गेहूं खरीद भले ही रफ्तार पकड़ ली हो, लेकिन बोरों की कमी अब इस व्यवस्था के सामने बड़ी चुनौती बनकर उभर रही है। लक्ष्य के अनुरूप जहां करीब 10 लाख से अधिक बोरों की जरूरत है, वहीं अभी तक महज करीब डेढ़ लाख बोरे ही उपलब्ध हो पाए हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में खरीद व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विभाग ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत कोटेदारों से बोरे जुटाने की कवायद तेज कर दी है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार अब तक करीब 75 हजार बोरे, यानी लगभग 150 गांठ, कोटेदारों से लिए जा चुके हैं। गौरतलब है कि एक गांठ में 500 बोरे होते हैं। वर्तमान में जिले में कुल 300 गांठ बोरे उपलब्ध बताए जा रहे हैं, जिनके सहारे फिलहाल खरीद कार्य को जारी रखा गया है।

मंडी स्थल पर स्थापित गेहूं क्रय केंद्र। ● अमृत विचार

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक करीब 500 किसानों से लगभग 4100 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है, जबकि इस वर्ष जिले को 49 हजार मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य दिया गया है। वहीं, करीब 4200 किसानों ने पंजीकरण कराया है, जिनसे प्राथमिकता के आधार पर खरीद की जा रही है।

अधिकारियों का कहना है कि शुरुआती दौर में बोरों की कमी के कारण कुछ दिक्कतें जरूर आई थीं, लेकिन कोटेदारों के सहयोग से व्यवस्था को फिलहाल संभाल लिया गया है। सभी क्रय केंद्रों पर निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही समय पर तौल और भुगतान सुनिश्चित कराने के निर्देश भी संबंधित कर्मचारियों को दिए गए हैं। हालांकि विभाग का दावा है कि जल्द ही बोरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कर ली जाएगी, लेकिन मौजूदा हालात यह संकेत दे रहे हैं कि यदि आपूर्ति समय पर नहीं बढ़ी, तो खरीद प्रक्रिया की रफ्तार पर ब्रेक लग सकता है।

> जिले में गेहूं खरीद कार्य सुचारु रूप से संचालित हो रहा है। सभी क्रय केंद्रों पर किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। अब तक 150 गांठ बोरे कोटेदारों से लिए गए हैं और कुल मिलाकर 300 गांठ बोरे उपलब्ध हैं।
>
> – एनके पाठक, आरएमओ, गोंडा।

सर्राफा व्यवसायी गोलीकांड में अज्ञात बदमाशों पर मुकदमा

बभनान, गोंडा, अमृत विचार: दुकान से घर लौट रहे बस्ती के स्वर्ण व्यवसायी के साथ गोंडा में लूट के साथ हत्या की नीयत से गोली मारने की घटना में पुलिस ने पीड़ित के भाई की तहरीर पर अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध लूट व हत्या के प्रयास की धारा में मुकदमा दर्ज किया है। घटना के अनावरण के लिए पुलिस की टीमें लगाई गई हैं। वहीं पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है।

गौर थाना क्षेत्र के सुभाष नगर वार्ड नगर पंचायत बभनान निवासी समर कसौधन (25) रविवार देर शाम छपिया के सिसई रानीपुर में ज्वेलर्स व बर्तन की दुकान बंद कर अपने घर बभनान आ रहा था। फुलवापुर के निकट पुल के पास पहुंचा था कि बाइक सवार बदमाशों ने उसे रोक कर जेवरात भरे बैग छीनने का प्रयास किया। जिसका विरोध करने पर उसे बदमाशों ने गोली मार दी। गोली समर के दाएं हाथ को चीरते हुए निकल गई। एक गोली उसके पेट को छूती हुई निकली। बाद में लोगों ने उसे सीएचसी छपिया भर्ती कराया जहां से उसे मेडिकल कॉलेज अयोध्या रेफर किया गया। समर की हालत गंभीर है। उसका इलाज मेडिकल कॉलेज अयोध्या में चल रहा है। घटना स्थल पर रात में ही एसपी, एएसपी व सीओ मनकापुर सहित छपिया थाने की पुलिस सहित गौर व पैकोलिया थाने की पुलिस, सीओ हर्रैया ने मौके का निरीक्षण किया था। छपिया पुलिस ने समर कसौधन के भाई अमर गुप्ता की तहरीर पर अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। सीओ मनकापुर उदित नारायण पालीवाल ने बताया कि पीड़ित के भाई की तहरीर पर अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना के खुलासे को पुलिस की टीमें लगाई गई हैं।

प्रधान संघ ने की कार्यकाल बढ़ाने की मांग

विकास खंड मुख्यालय पर ज्ञापन देने आए प्रधान। ● अमृत विचार

परसपुर, गोंडा, अमृत विचार : परसपुर विकास खण्ड के प्रधान संघ के अध्यक्ष विपिन कुमार सिंह उर्फ पिंकू सिंह के नेतृत्व में दर्जनों प्रधानों ने विकास खण्ड मुख्यालय पर मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन देते हुए कहा कि यदि निर्धारित समय पर पंचायत चुनाव नहीं कराए जाते हैं, तो वर्तमान प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाया जाए। प्रधान संघ के अरविन्द पाण्डेय प्रधान डोमाकल्पी ने कहा कि कई स्थानों पर अभी तक चुनाव की प्रक्रिया को लेकर स्पष्टता नहीं है। उन्होंने मांग की कि जब तक नए चुनाव नहीं हो जाते, तब तक वर्तमान प्रधानों को ही जिम्मेदारी निभाने का अवसर दिया जाए। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि पंचायत स्तर पर चल रही विभिन्न योजनाएं अधूरी हैं, जिन्हें पूरा कराने के लिए निरंतर नेतृत्व आवश्यक है। यदि कार्यकाल समाप्त हो जाता है और चुनाव समय से नहीं होते, तो इससे ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासनिक अस्थिरता पैदा हो सकती है।

जिले में बढ़ता जा रहा ईंधन संकट पेट्रोल पंपों पर पसरा सन्नाटा

पेट्रोल-डीजल लेने के लिए भटक रहे लोग, पंपों पर लग रही है लंबी कतार

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार : जिले में पेट्रोल-डीजल की किल्लत लगातार बढ़ती जा रही है। अचानक मांग बढ़ने और आपूर्ति प्रभावित होने से कई पेट्रोल पंपों पर सन्नाटा पसरा हुआ है, जबकि जहां ईंधन पहुंच रहा है वहां लोगों की लंबी कतारें लग रही हैं। आम जनता, किसान, व्यापारी और कर्मचारी सभी इस संकट से परेशान हैं।

एक पेट्रोल पंप लगी बाइक सवार लोगों की भीड़। ● अमृत विचार

नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में लोग सुबह से ही गैलन, डिब्बा और बोतल लेकर पेट्रोल पंपों के चक्कर काटते नजर आ रहे हैं। कई स्थानों पर लोग घंटों टैंकर आने का इंतजार करते रहे, लेकिन निराश होकर लौटना पड़ा। जिन पंपों पर ईंधन उपलब्ध हुआ, वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ईंधन संकट का सबसे ज्यादा असर रोजमर्रा के कामकाज पर पड़ रहा है। कर्मचारी समय पर कार्यालय नहीं पहुंच पा रहे हैं, मरीजों को अस्पताल ले जाने में दिक्कत हो रही है और किसानों को खेतों तक पहुंचने में परेशानी उठानी पड़ रही है। कई लोग मजबूरी में लिफ्ट लेकर या सार्वजनिक वाहनों से सफर कर रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और आपूर्ति सामान्य करने के प्रयास जारी हैं। जिलाधिकारी ने लोगों से अपील की है कि घबराकर अनावश्यक भंडारण न करें तथा आवश्यकता के अनुसार ही ईंधन खरीदें, ताकि सभी को सुविधा मिल सके।

सड़क के किनारे 200 रुपये लीटर बिक रहा पेट्रोल

वीडियो वायरल

तुलसीपुर, बलरामपुर

अमृत विचार : एक ओर जिला प्रशासन आम जनता को पेट्रोल-डीजल की किल्लत से राहत दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत है, वहीं दूसरी ओर कुछ मुनाफाखोर संकट की घड़ी को कमाई का जरिया बना रहे हैं। तुलसीपुर-बलरामपुर मार्ग पर टोल प्लाजा के पास ग्राम बिशनपुर खैरानिया में सड़क किनारे दुकानों पर पेट्रोल की कथित कालाबाजारी का मामला सामने आया है।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दावा किया जा रहा है कि किराना दुकानों पर खुलेआम बोतलों और गैलनों में पेट्रोल 200 रुपये प्रति लीटर की दर से बेचा जा रहा है।

वीडियो में यह भी दिखाया गया है कि दुकानदार अधिक दाम वसूलने पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहता है कि दिनभर लाइन में लगने और परिवार के लोगों को पेट्रोल पंप पर खड़ा करने के बाद तेल मिलता है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि पेट्रोल पंपों से तेल इकट्ठा कर उसे दोगुनी कीमत पर बेचना नया धंधा बन गया है। इससे जरूरतमंद लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं कि आखिर बिना रोक-टोक सड़क किनारे ज्वलनशील पदार्थ की बिक्री कैसे हो रही है।

क्षेत्रीय जनता ने स्थानीय प्रशासन से मांग की है कि ऐसे स्थानों पर तत्काल छापेमारी कर दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि संकट के समय जनता की जेब काटने वालों पर अंकुश लगाया जा सके।

लालूडीह में भीषण अग्निकांड 40 बकरियां जिंदा जलीं

गैंड़ास बुजुर्ग, बलरामपुर, अमृत विचार : उतरौला तहसील क्षेत्र के ग्राम चिचूडी सहनिया के मजरा लालूडीह में सोमवार दोपहर भीषण आग लगने से भारी तबाही मच गई। आग की चपेट में आकर 40 बकरियां जिंदा जल गईं, जबकि भारी मात्रा में रखा भूसा जलकर राख हो गया। घटना से पीड़ित परिवार को लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है।

जलता भूसा। ● अमृत विचार

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी चौधरी ताजाम्मुल हुसैन के घर अचानक आग भड़क उठी। तेज गर्म हवाओं के कारण लपटें तेजी से फैल गईं और कुछ ही देर में पास रखा भूसा आग की चपेट में आ गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया।

ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए गाय-भैंसों को समय रहते बाहर निकाल लिया, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। बाद में दमकल टीम ने घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना के बाद गांव में शोक और दहशत का माहौल है। हल्का लेखपाल फखरूल हसन ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता और मुआवजा देने की मांग की है। प्रशासन ने लोगों से गर्मी के मौसम में आग से बचाव को लेकर सतर्क रहने की अपील की है।

तालाब में डूबने से युवक की मौत

तुलसीपुर, बलरामपुर, अमृत विचार : क्षेत्र के चरनगहिया गांव में सोमवार सुबह तालाब में नहाते समय एक युवक की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

निवासी 35 वर्षीय विष्णु पुत्र कुन्ने सोमवार सुबह करीब 11 बजे गांव के तालाब पर स्नान करने गया था। नहाते समय वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। आसपास कोई मौजूद न होने के कारण उसकी जान नहीं बच सकी।

काफी देर तक घर वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। ग्रामीण भी खोजबीन में जुट गए। तालाब किनारे विष्णु के कपड़े और अन्य सामान पड़े मिले, जिससे अनहोनी की आशंका गहरा गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से तालाब में खोजबीन कराई, जिसके बाद शव बरामद कर लिया गया।

20 मई तक पूरा करें कटानरोधी कार्य

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार : संभावित बाढ़ के मद्देनजर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय बाढ़ स्टीयरिंग कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बाढ़ से बचाव की तैयारियों की विभागवार समीक्षा की गई।

बाढ़ स्टेयरिंग कमेटी की बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधि व अधिकारी। ● अमृत विचार

डीएम ने निर्देश दिया कि बाढ़ खंड द्वारा राप्ती नदी पर संचालित छह कटानरोधी परियोजनाओं का कार्य हर हाल में 20 मई तक पूरा किया जाए। उन्होंने उपजिलाधिकारियों को कटानरोधी कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही संवेदनशील स्थलों का चिन्हांकन कर समय रहते आवश्यक कार्यवाही पूरी करने को कहा। तहसील स्तर पर बैठकें आयोजित कर राजस्व, बाढ़ खंड और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कराने के भी निर्देश दिए गए। डीएम ने कहा कि बाढ़ चौकियां ऊंचे एवं सुरक्षित स्थानों पर स्थापित हों। स्वास्थ्य विभाग को बाढ़ संभावित क्षेत्रों के सीएचसी व पीएचसी पर दवाओं की उपलब्धता, मेडिकल टीम की तैनाती तथा एंटी स्नेक वेनम व एंटी रैबीज इंजेक्शन का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने को कहा गया। पशुपालन विभाग को पशुओं का टीकाकरण, चारे का भंडारण और सुरक्षित स्थानों का चयन करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में विधायक तुलसीपुर कैलाशनाथ शुक्ल, विधायक गैसड़ी राकेश यादव, अपर जिलाधिकारी ज्योति राय, अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जंगली जानवर ने दो पशुओं को बनाया निवाला

बालपुर, गोंडा, अमृत विचार: क्षेत्र में इन दिनों जंगली जानवर के हमले की घटनाएं बढ़ती नजर आ रही हैं, जिससे ग्रामीणों में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है। बीती रात परसपुर विकास खंड के नरायनपुर मर्दन गांव निवासी किसान जगन्नाथ चौबे के दो मवेशियों में एक पड़िया और एक बछिया को किसी जंगली जानवर ने नोचकर मार डाला।

घटना देर रात की बताई जा रही है। सुबह जब किसान पशुओं को देखने पहुंचा तो दोनों मवेशी खून से लथपथ पड़े मिले। उनके शरीर पर गहरे घाव के निशान थे, जिससे स्पष्ट है कि किसी हिंसक जंगली जानवर ने हमला किया। प्रधान समेत अन्य ग्रामीणों ने क्षेत्र में वन विभाग की गश्त बढ़ाने, पिंजरा लगवाने और विशेषज्ञ टीम भेजने की मांग की है। वहीं, वन विभाग ने जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

10 वर्षों से उपेक्षित शिक्षकों का कल कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार : आकांक्षी जनपदों में वर्षों से कार्यरत शिक्षक और शिक्षिकाओं ने अंतर्जनपदीय स्थानांतरण की मांग को लेकर हुंकार भर दी है। इसी क्रम में 22 अप्रैल को कलेक्ट्रेट परिसर में धरना-प्रदर्शन एवं ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

शिक्षक प्रतिनिधियों ने बताया कि 10 वर्ष से अधिक समय से गृह जनपद से दूर सेवा दे रहे शिक्षकों को अब वरिष्ठता के आधार पर स्थानांतरण का अधिकार मिलना चाहिए।

ज्ञापन के माध्यम से मुख्यमंत्री, बेसिक शिक्षा मंत्री एवं विभागीय अधिकारियों से बेसिक शिक्षा नियमावली के नियम-22 के तहत वरिष्ठता क्रम आधारित अंतर्जनपदीय स्थानांतरण प्रक्रिया तत्काल बहाल करने की मांग की जाएगी।

शिक्षकों की प्रमुख मांगों में वरिष्ठता आधारित स्थानांतरण नीति जारी करना तथा मई माह में आकांक्षी जनपदों से आवेदन लेकर शिक्षकों को गृह जनपद भेजना शामिल है।

प्रदेश स्तर पर अभियान का नेतृत्व कर रहे आलोक सिंह तथा जनपद स्तर पर पायल, कल्पना शुक्ला, हरिकेश शुक्ला, पूनम, पूजा, आशीष मिश्रा और गुरुचरण सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अधिक से अधिक सहभागिता की अपील की है।

धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम में आसपास के जनपदों से सैकड़ों शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल होंगे।

आग से आधा दर्जन किसानों का भूसा राख

तरबगंज, गोंडा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के करनीपुर गांव के मजरा बरियार पुरवा में रविवार रात अज्ञात कारणों से आग लगने से आधा दर्जन किसानों का भूसा जलकर राख हो गया। घटना से ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, रात करीब 10 बजे गांव में छप्परों के नीचे रखे भूसे के ढेर (कड़उर) में आग लग गई। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना थाना और अग्निशमन विभाग को दी। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने ग्रामीणों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस आगजनी में किसान रामप्रसाद, गयाप्रसाद, श्रीराम, रामशरण, दीनानाथ और सूरज उर्फ बड़कऊ का भूसा व कंडा जलकर पूरी तरह नष्ट हो गया। हालांकि, इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

नाबालिग से शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म

पचपेड़वा, बलरामपुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर थारू जनजाति की नाबालिग से दुष्कर्म करने और गर्भवती होने पर जबरन गर्भपात कराने का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर दो आरोपितों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट, एससी/एसटी एक्ट और बीएनएस की संगीन धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तहरीर के अनुसार, स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी जलाल अहमद मतहब ने नाबालिग को शादी का वादा कर कई बार दुष्कर्म किया। इससे वह गर्भवती हो गई। आरोप है कि मामला उजागर होने के डर से जलाल अहमद पीड़िता को जुडीकुईया स्थित एक हेल्थ सेंटर ले गया और वहां के एक अज्ञात डॉक्टर से साठगांठ कर उसका गर्भपात करा दिया। पुलिस ने घटना को महिला अपराध व पॉक्सो एक्ट से जुड़ा मानते हुए मुकदमा दर्ज किया है। विवेचना क्षेत्राधिकारी तुलसीपुर को सौंपी गई है। पुलिस टीम नामजद आरोपित जलाल अहमद की तलाश में जुट गई है। हेल्थ सेंटर की भूमिका और अवैध गर्भपात के बिंदु पर भी जांच की जा रही है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता का मेडिकल परीक्षण और मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराया जाएगा। अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडेय ने बताया कि नाबालिग का गर्भपात करने वाले डॉक्टर को गिरफ्तार कर लिया गया है। नाबालिग से जुड़े अपराधों में कड़ी कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

अधिकारियों के घर बना रहे रोटी, सुखा रहे बच्चों की लंगोटी

राकेश सिंह, बलरामपुर, अमृत विचार : वीरू टाइगर के समय में चंपक वन में भारी संख्या में सियार सफाई कर्मियों की तैनाती हुई थी। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ-साथ कर्मियों की चमड़ी धीरे-धीरे मोटी होती गई। बाघ के आने पर गधे के रूप में तैनात सफाई कर्मियों को मवेशी भगाने में लगा दिया जाता। कर्मियों की संख्या भारी-भरकम होने के बावजूद चंपक वन की सफाई व्यवस्था ध्वस्त हो गई। वन के अधिकारियों ने सफाई कर्मियों को अपने घरों पर लगा दिया। एक-एक अधिकारी के घर 10-10 सफाई कर्मी काम करने लगे। अधिकारियों के आवासीय परिसर में सफाई के साथ-साथ कर्मियों से मालीगीरी का काम भी लिया जाने लगा। सफाई कर्मी गांव की झोपडियों से निकलकर अधिकारियों के बंगले का आनंद उठाने लगे। अधिकारी जितना वेतन पाते थे उसका पाच गुना सफाई कर्मियों के वेतन पर खर्च होने लगा। चंपक वन के अधिकारियों का रुतबा किसी राजा से कम नहीं हुआ करता। धीरे-धीरे उनकी कार्यशैली सामंत शाही होती गई। वे आम वन्य जीवों के साथ भी सफाई कर्मियों की तरह व्यवहार करने लगे। जंगल की सफाई व्यवस्था ध्वस्त हुई तो वहां संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ने लगा। चंपक वन में दर्जनों बच्चे हर साल खतरे के संक्रमण से मर जाते थे। वन क्षेत्र से जुड़े अधिकांश गांव में जल जमाव की स्थिति बन गई। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा व्यवस्था की देखरेख करने वाला अधिकारी लोमड़ा भी आने वाले खतरे को लेकर अनजान बन रहा। गोरे मुखड़े वाले अधिकारी घोड़े के घर सफाई कर्मियों की तैनाती अधिक थी। चंपक वन के सबसे बड़े अधिकारी जटायु के घर काम करने वाले सफाई कर्मियों का जलवा बुलंद था। वे अधिकारियों के परिसर में बैठकर दिनभर गप्प मारते थे। चंपक वन के जनप्रतिनिधि इस बात को लेकर अधिकारियों से खफा रहते थे। सुल्टू तेंदुए ने आक्रोश प्रकट करते हुए कहा-अधिकारियों की लापरवाही का किस्सा बाघ को बताना पड़ेगा। हम लोग अतिथि को पानी पिलाने के लिए कार्यकर्ताओं की मदद लेते हैं। जंगल के अधिकारी सरकारी कर्मियों के सहारे हीरो बने हुए हैं। चीता ताप ने जंगल के अधिकारियों की मनमानी पर रोक लगाने की बात कही। कहा कि वह बाघ से मिलकर जंगल की ध्वस्त स्वच्छता व्यवस्था की जानकारी देंगे। शुतुरमुर्ग पर्वत ने कहा- चंपक वन में यदि एक भी मौत संक्रामक बीमारी से हुई तो अधिकारियों की खैर नहीं। सभी इस बात को लेकर राजी है कि जंगल की ध्वस्त स्वच्छता व्यवस्था की जानकारी बाघ को देंगे। इधर चंपक वन के अधिकारी जनप्रतिनिधियों की मंशा से नावाकिफ हैं। वे लंगोटी धुलवाने से लेकर खाना बनवाने तक का काम सफाई कर्मियों से ले रहे।

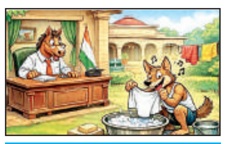

नारदनामा

भगवान परशुराम जन्मोत्सव | ब्राह्मण समाज ने सामाजिक एकता व जागरूकता का दिया संदेश

आराध्य ही नहीं, आदर्श भी हैं प्रभु परशुराम

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार : अखिल भारतीय ब्राह्मण जन कल्याण समिति की ओर से स्थानीय धुसाह स्थित समय माता मंदिर परिसर में भगवान परशुराम जन्मोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व सांसद दद्दन मिश्र ने भगवान परशुराम एवं आचार्य चाणक्य के चित्र पर माल्यार्पण कर किया।

भगवान परशुराम को नमन करते मुख्य अतिथि व अन्य। ● अमृत विचार

समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद दद्दन मिश्र ने कहा कि भगवान परशुराम हमारे आराध्य ही नहीं, बल्कि आदर्श भी हैं। वे वीरता, न्याय, तप, त्याग और तेज के प्रतीक थे। उनके सिद्धांत आज भी समाज को प्रेरणा देते हैं।

उन्होंने कहा कि हमें भगवान परशुराम से प्रेरणा लेकर विकसित भारत के संकल्प को साकार करना चाहिए। साथ ही युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए समाज से जागरूक रहने की अपील की।

तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ल ने भगवान परशुराम के जीवन पर प्रकाश डालते हुए समाज को एकजुट रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व सांसद चंद्रभाल मणि तिवारी ने कहा कि भगवान परशुराम ने सदैव अन्याय के खिलाफ संघर्ष किया और हमें उनके आदर्शों पर चलना चाहिए।

समिति के जिलाध्यक्ष राम नरेश त्रिपाठी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी ने अतिथियों व उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तुलसीश दुबे ने किया।

इस अवसर पर सेतु बंधु त्रिपाठी, संजय मिश्र, विनय मोहन त्रिपाठी, इंद्र प्रकाश त्रिपाठी, रास बिहारी शुक्ला, डॉ. पम्मी पांडेय, संजय शर्मा, संजय शुक्ला, अक्षय शुक्ला, प्रवेश दूबे, अरुण पांडेय, कमलेश त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

एमएलके पीजी कॉलेज में सम सेमेस्टर परीक्षाएं आज से

बलरामपुर, अमृत विचार : सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर से सम्बद्ध एम.एल.के. पी.जी. कॉलेज, बलरामपुर में स्नातक एवं परास्नातक सम सेमेस्टर की परीक्षाएं 21 अप्रैल से प्रारंभ होंगी। 20 मई तक चलने वाली इस परीक्षा में बैक पेपर एवं नियमित पाठ्यक्रम के कुल लगभग 5800 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। महाविद्यालय प्राचार्य एवं केंद्राध्यक्ष प्रो. जे.पी. पाण्डेय ने बताया कि 21 अप्रैल से स्नातक चतुर्थ एवं षष्ठम सेमेस्टर तथा परास्नातक चतुर्थ सेमेस्टर के सभी विषयों की परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। परीक्षा को निष्पक्ष एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि एम.एल.के. पी.जी. कॉलेज को नोडल केंद्र बनाया गया है, जहां से अन्य महाविद्यालयों को प्रश्नपत्र एवं उत्तर पुस्तिकाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। परीक्षा संचालन की जिम्मेदारी परीक्षा प्रभारी डॉ. लवकुश पाण्डेय तथा सह परीक्षा प्रभारी डॉ. सुनील कुमार शुक्ल के नेतृत्व में सौंपी गई है। महाविद्यालय प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई आंतरिक सचल दस्ते गठित किए हैं, जो मुख्य द्वार से लेकर परीक्षा कक्षों तक परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर नजर रखेंगे। इसके अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की जाएगी। परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रवेश पत्र वितरण के लिए अलग-अलग पटल बनाए गए हैं, ताकि किसी भी छात्र-छात्रा को असुविधा न हो।

बी.एड. छात्राध्यापकों के लिए विशेष शिविर शुरू

स्काउट ध्वज को सलामी देते छात्राध्यापक व ग्रुप लीडर। ● अमृत विचार

बलरामपुर, अमृत विचार : एम.एल.के. पी.जी. कॉलेज, बलरामपुर के बी.एड. विभाग में सत्र 2025-26 के छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं के लिए पांच दिवसीय विशेष परिचयात्मक शिविर का रविवार को भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर का संचालन कोर्स लीडर इशरत सिद्दीकी (जिला संगठन आयुक्त, गाइड, गोरखपुर) तथा सिराजुल हक (जिला संगठन आयुक्त, स्काउट, बलरामपुर) के निर्देशन में किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि कॉलेज के प्राचार्य प्रो. जे.पी. पाण्डेय रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के पूर्व डीन शिक्षाशास्त्र डॉ. अरुण कुमार सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. राघवेन्द्र सिंह ने की। इस अवसर पर विभागीय शिक्षक डॉ. राम रहीश, श्री शुभम सिंह, डॉ. शिव महेंद्र सिंह तथा डॉ. श्रवण कुमार भी उपस्थित रहे। शिविर के प्रथम दिवस पर ध्वज शिष्टाचार, कोर्स परिचय, टोली विधि, स्काउट के आधारभूत सिद्धांत, व्यायाम, प्रार्थना, झंडा गीत, नियम-प्रतिज्ञा एवं सिद्धांतों की जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि प्रो. पाण्डेय ने विद्यार्थियों को अनुशासन, सेवा और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया। वहीं डॉ. अरुण कुमार सिंह ने कहा कि स्काउट-गाइड गतिविधियां विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम हैं। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

छात्रों को बताए तेंदुए से बचाव के उपाय

जरवा, बलरामपुर, अमृत विचार : नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र स्थित बसंत लाल स्मारक इंटर कॉलेज, बालापुर में सुहेलवा वन्य जीव प्रभाग की ओर से तेंदुए से बचाव हेतु विशेष जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 35 गांवों के विद्यार्थी शामिल हुए। वन दरोगा अखिलेश गुप्ता ने छात्रों को बताया कि खेतों में कभी अकेले न जाएं, बल्कि 2 से 5 लोगों के समूह में जाएं। गन्ने के खेतों में प्रवेश से पहले 20 या अधिक लोगों के साथ जोर-जोर से आवाज लगाएं, ताकि छिपे वन्य जीव दूर चले जाएं। उन्होंने छोटे बच्चों को अकेले बाहर न भेजने, खेतों में मोबाइल या रेडियो से आवाज करते रहने तथा रात में खेतों में जाने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि गन्ने की कटाई के दौरान विशेष निगरानी रखी जाए और झुककर काम न किया जाए, क्योंकि तेंदुआ ऐसे लोगों पर हमला कर सकता है। सुरक्षा के लिए कुत्तों को साथ ले जाने, हेलमेट व नेक पैड पहनने तथा सिंचाई में ऑटो-कटर के उपयोग की भी सलाह दी गई। प्रधानाचार्य शब्बीर हसन ने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम मानव-वन्य जीव संघर्ष कम करने में सहायक हैं। इस मौके पर मो. शकील, पूजा, आरती, हरिशंकर, राजेश सहित शिक्षक व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

टीडी टीकाकरण अभियान की हुई शुरुआत

टीडी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ करते डीएम, सीएमओ और अन्य।

बलरामपुर, अमृत विचार : जनपद में स्कूली बच्चों को टिटनेस और डिप्थीरिया जैसी गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए विशेष टीडी टीकाकरण अभियान का सोमवार को शुभारंभ किया गया। यह अभियान 30 अप्रैल तक जिले के विभिन्न विद्यालयों में चलाया जाएगा। अभियान का शुभारंभ जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन ने आईएसजी कॉन्वेंट स्कूल में बच्चों को टीका लगाकर किया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी, जिला क्षय रोग अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा विद्यालय प्रबंधन मौजूद रहे। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, अभियान के तहत 10 से 16 वर्ष आयु वर्ग के किशोर-किशोरियों को टीडी वैक्सीन लगाई जा रही है। यह टीका बच्चों को टिटनेस और डिप्थीरिया जैसी जानलेवा बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करेगा। स्कूल आधारित इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों तक पहुंच बनाकर शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करना है। जिलाधिकारी ने अभिभावकों और विद्यालय प्रबंधन से अपील की कि वे इस जनहितकारी अभियान में पूरा सहयोग करें और बच्चों को समय पर टीकाकरण के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही जनपद को संक्रामक रोगों से सुरक्षित बनाया जा सकता है।

उर्स-ए-पाक का समापन, कव्वाली में गूंजा भाईचारे का संदेश

जवाबी कव्वाली सुनते लोग। ● अमृत विचार

धानेपुर, गोंडा, अमृत विचार : धानेपुर थाना क्षेत्र के रेतवागाड़ा स्थित बाबा खामोश शाह की मजार पर आयोजित तीन दिवसीय उर्स-ए-पाक जलसे का समापन रविवार देर रात जवाबी कव्वाली के साथ हुआ। कार्यक्रम में गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी भाईचारे का संदेश देते हुए कव्वालों ने ऐसा समां बांधा कि श्रोता रात भर झूमते रहे। नौजवान कमेटी की ओर से बाबा खामोश शाह की मजार से श्रीनगर बाबागंज बाजार तक गागर चादर का जुलूस भी निकाला गया। जवाबी कव्वाली में बरेली के कव्वाल अजमत आफताब वारसी और बदायूं के नईम साबरी के बीच जोरदार मुकाबला हुआ। दोनों ही कलाकारों ने अपने कलाम के जरिए हिंदू-मुस्लिम एकता, इंसानियत और प्रेम का संदेश दिया। कार्यक्रम में कमेटी के अध्यक्ष राजकुमार सिंह, आजाद खान, राजन सिंह, तुफैल खान, मयंक सिंह, मेराज खान, जमाल बाबा, डॉ. जाकिर अंसारी, लालमन गिरी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर प्रभारी निरीक्षक अरविंद यादव पुलिस बल के साथ पूरे समय मेला स्थल पर तैनात रहे।

न्यूज ब्रीफ

एसपी ने थाना प्रभारी को किया निलंबित

श्रावस्ती: सिरसिया थाना प्रभारी को गोवध के अपराधियों से साठ गांठ में संलिप्त पाया गया। जिन्हें एसपी ने निलंबित कर दिया है। साथ ही थाना प्रभारी के विरुद्ध जांच के निर्देश जारी किया गया है। सिरसिया थाने के थाना प्रभारी शैलकांत उपाध्याय की संलिप्तता गोवध अपराधियों के साथ मिली है। उन्हें अपराधियों के साथ साठ गांठ करने का दोषी पाया गया है। मामले की शिकायत पर एसपी की ओर से मामले की जांच कराई गई। जिसमें शिकायत को सही पाया गया। इस पर एसपी राहुल भाटी ने रविवार देर रात थाना प्रभारी शैलकांत उपाध्याय को पदीय कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही, स्वेच्छाचारिता व अनुशासनहीनता के साथ गोवध अपराधियों से साठ गांठ करने का दोषी पाते हुए निलंबित कर दिया। साथ ही एसपी ने थाना प्रभारी के विरुद्ध जांच के आदेश दिए हैं। एसपी का कहना है कि अपने ड्यूटी को लेकर जो भी लापरवाही करेगा उसे बख्शा नहीं जाएगा।

नाली में गिरकर कारागार के हेड वार्डन की मौत

श्रावस्ती: जिला कारागार श्रावस्ती में हेड वार्डन के पद पर तैनात बस्ती जिले के वाल्टरगंज थाना क्षेत्र स्थित परसा लालसाही गांव निवासी कृष्ण कमार यादव (56) जेल के पास स्थित आवास में रह रहे थे। रविवार देर रात वह साइकिल से ड्यूटी करने जिला कारागार जा रहे थे। रास्ते में स्थित बनी बिना ढक्कन के नाली को पार करने लगे। इस दौरान वह अनियंत्रित होकर नाली में गिरकर गंभीररूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद साथी कर्मियों ने उन्हें अस्पताल भिनगा में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद हेड वार्डन कृष्ण कुमार को मृत घोषित कर दिया। जिसकी सूचना परिजनों को दी गई। साथ ही पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

भारत-नेपाल सीमा पर सीमा स्तंभ की मरम्मत शुरू

श्रावस्ती: भारत-नेपाल सीमा पर लगा सीमा स्तंभ क्षतिग्रस्त हो गया था। जिसको लेकर दोनों देशों के अधिकारियों के बीच बैठक हुई। बैठक में आपसी सहमति पर सीमा स्तंभ के मरम्मत का कार्य शुरू किया गया। 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा के कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण की अध्यक्षता में सोमवार को सीमा चौकी सुइया के कार्यक्षेत्र के सीमा स्तंभ संख्या 633/5 के पास भारत-नेपाल नेपाल अधिकारियों के बीच सीमा संबंधी समन्वय बैठक हुई। बैठक में नेपाल राष्ट्र की ओर से बांके जिले के मुख्य विकास अधिकारी दिल कुमार श्रेष्ठ, लेफ्टिनेंट कर्नल राम चन्द्र श्रेष्ठ, पुलिस अधीक्षक अंगुर जीसी, एपीएफ के पुलिस अधीक्षक भीम बहादुर चंद, पुलिस अधीक्षक हरीश बिष्टा, पुलिस उपाधीक्षक लाल सिंह बिष्ट व भीम सिंह राणा सहित नेपाल की सर्वे टीम व भारत की ओर से सर्वे ऑफ इंडिया की टीम शामिल हुई। बैठक में दोनों देशों के अधिकारियों के बीच सीमा पर लगे क्षतिग्रस्त सीमा स्तंभों की मरम्मत पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने सीमा की स्पष्टता व स्थिरता बनाए रखने के लिए आपसी समन्वय व सहयोग को और मजबूत करने पर बल दिया। जिसके बाद सीमा स्तंभ संख्या 633/5 के मरम्मत कार्य का शुभारंभ किया गया। कमांडेंट ने बताया कि इस पहल से भारत-नेपाल सीमा प्रबंधन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की अपेक्षा है।

24 व 25 को कोर्ट में रहेगा अवकाश

बहराइच: न्यायाधीश ने बताया कि अधिकारियों के स्पोर्ट्स मीट आयोजन के दृष्टिगत जनपद न्यायालय, बहराइच, ग्राम न्यायालय नानपारा व महसी में 24 व 25 अप्रैल को अवकाश रहेगा।

गर्मी के दौरान पानी की दिक्कत न हो: डीएम

गर्मी व हीट वेव से बचाव के लिए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को दिये निर्देश, नलकूपों को चालू हालत में रखें

संवाददाता, बहराइच

अमृत विचार। राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकारण बहराइच को दिये गए निर्देश के क्रम में बढ़ती हुई गर्मी व हीट वेव से बचाव हेतु जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी द्वारा आमजनमानस, पशु-पक्षी आदि सभी को राहत दिये जाने के उद्देश्य से ड्रेनेज, नलकूप, वन व पंचायती राज विभाग को निर्देश दिया गया कि ग्राम पंचायतों के माध्यम से सभी अमृत सरोवरों व जल स्रोतों को एक सप्ताह में भरवाना सुनिश्चित करें ताकि आमजन तथा मवेशियों को गर्मी के दौरान पानी की दिक्कत न हो।

डीएम ने नगर निकाय, पंचायती राज व जल निगम को निर्देश दिया कि नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में शत-प्रतिशत हैण्डपम्पों को क्रियाशील रखा जाए। सिंचाई विभाग को निर्देश दिया गया है कि रोस्टर के अनुसार नहरों के संचालन के साथ यह भी सुनिश्चित करें कि पानी नहरों की टेल तक अवश्य पहुंचे। डीएम ने अधि. नलकूप को निर्देश दिया है कि शुष्क मौसम को दृष्टिगत रखते हुए सभी राजकीय नलकूपों को चालू हालत में रखें। यांत्रिक एवं विद्युत दोष से बन्द नलकूपों को प्राथमिकता के आधार पर संचालित कराया जाय तथा यह भी सुनिश्चित किया जाय कि छोटी-मोटी फाल्ट से नलकूप बन्द न होने पाएं। डीएम ने सभी कार्यालयों में शीतल पेयजल की व्यवस्था के तहत कम से कम प्राकृतिक फ्रिज (मटके) की व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये। डीएम ने सभी सम्बन्धित विभागों को निर्देश दिया कि ऐसे प्रबन्ध किये जायें जिससे बच्चे, वृद्धजन व अस्वस्थ व्यक्ति हीटवेव से प्रभावित न होने पाये।

ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए डीएम ने विद्युत विभाग को निर्देश दिया कि खराब ट्रांसफार्मर को तत्काल ठीक करा दें तथा जिन स्थानों पर ओवर लोडिंग के कारण कोई समस्या हो वहाँ पर उचित बन्दोबस्त कर दिये जाएं। डीएम ने पशुपालन विभाग को निर्देश दिया कि गर्मी के मौसम को देखते हुए जनपद में संचालित समस्त गो आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों हेतु हरे चारे, पानी, छांव, भूसे, उपचार की माकूल व्यवस्था के साथ-साथ आवश्यकतानुसार पंखों की व्यवस्था भी करायी जाय। डीएम ने बीडीओ व सीवीओ को निर्देश दिया कि संरक्षित गोवंश किसी भी दशा में धूप में न रहने पायें। डीएम ने कहा कि गर्मी के मौसम में पशु चिकित्साधिकारी नियमित रूप से आश्रय स्थलों का निरीक्षण कर पशुओं के स्वास्थ्य पर दृष्टि बनाये रखें।

डीएम ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया कि ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए सभी आवश्यक दवाओं के प्रबन्ध के साथ-साथ सभी पीएचसी व सीएचसी पर आवश्यक स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित की जाय। सीएमओ को निर्देश दिया गया कि आमजनमानस द्वारा अपनायी जाने वाली सावधानियां इत्यादि के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये तथा एडवाईजरी भी जारी कर दें ताकि लोगों को इस बात की जानकारी रहे कि लू व गर्मी का प्रकोप होने पर उन्हें क्या करना है और क्या नहीं करना है। डीएम ने समस्त कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिया है कि कार्यस्थलों पर श्रमिकों इत्यादि के लिए स्वच्छ पेयजल का उपयुक्त प्रबन्ध सुनिश्चित किया जाय। डीएम ने जनपदवासियों से भी अपील की है कि अपने घरों की छतों पर आपनी सामर्थ्य के अनुसार दाने पानी का प्रबन्ध अवश्य करें जिसे पक्षियों को गर्मी में असुविधा न हो।

लाल हुआ सूरज, तपने लगी तराई और लू के थपेड़े रोक रहे राह

श्रावस्ती, अमृत विचार। तराई में दिन-ब-दिन सूरज की गर्मी बढ़ती जा रही है। सोमवार को तापमान न्यूनतम 23 व अधिकतम 40 डिग्री सेल्सियस रहा। ऐसे में लोग गर्मी व तपन से बेहाल रहे। चटख धूप व गर्मी ने लोगों को बेहाल करना शुरू कर दिया है। लगभग एक सप्ताह से लगातार गर्मी का पारा 40 डिग्री पहुंच रहा है। ऐसे में सुबह आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक सूरज की किरणें आग के समान ज्वलनशील लग रही हैं। विभिन्न कार्यों से बाहर निकलने वाले लोग दोपहर में छाया तलाशते नजर आए। कोई शीतल पेय पीकर अपनी गर्मी शांत कर रहा था तो कोई खीरा व आइसक्रीम खाकर गर्मी से बचने का प्रयास करता दिखा। वहीं, दिन में चलने वाली गर्म हवाएं लोगों को झुलसा रही थीं। जिला चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. दीपांकर तिवारी ने बताया कि तेज धूप में निकलने से बचें। यदि घर से निकलना आवश्यक हो तो पूरी बांह का कपड़ा पहनें तथा सिर को भी ढंक कर रखें। साथ ही थोड़ी-थोड़ी देर पर पर्याप्त पानी पीते रहें। इससे गर्मी का प्रभाव शरीर पर कम होगा।

मुठभेड़ में गोहत्या का आरोपी घायल, पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता, श्रावस्ती

कार्रवाई

- आरोपी के कब्जे से तमंचा व कारतूस बरामद

अमृत विचार। मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से गोहत्या का आरोपी घायल हो गया। जिसे गिरफ्तार कर पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। आरोपी के कब्जे से तमंचा व कारतूस बरामद किया।

सिरसिया पुलिस को सोमवार भीड़ मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक संदिग्ध व्यक्ति, जो नेपाल से वापस आ रहा है और किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना मिलते ही सिरसिया पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान शुरू कर दिया। नेपाल से आने वाले संभावित मार्गों पर घेराबंदी की गई। इसी दौरान रामपुर बंधा के पास संदिग्ध व्यक्ति आता दिखाई दिया। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो आरोपी भागने का प्रयास करने लगा। टीम ने घेराबंदी की तो पकड़े जाने के डर से आरोपी ने पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया। जिसमें टीम के जवान बाल बाल बच गए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई जो आरोपी के दाहिने पैर में जा लगी और वह घायल होकर गिर गया। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान ननऊ पुत्र महताब निवासी सम्भार पुरवा, थाना कोतवाली भिनगा के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपी का बीते दिनों क्षेत्र के पड़वलिया गांव में हुई गोहत्या में संलिप्त होना पाया गया। आरोपी को इलाज के लिए पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया। आरोपी के कब्जे से एक तमंचा, एक कारतूस व एक खोखा कारतूस बरामद किया गया। आरोपी के विरुद्ध पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

अक्षय तृतीया पर मिहीपुरवा में गूंजा जय परशुराम का उद्घोष

मिहीपुरवा (बहराइच)

अमृत विचार। मिहींपुरवा कस्बे के प्रमुख आस्था केंद्र राम जानकी मंदिर प्रांगण में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर धार्मिक आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला । भगवान विष्णु के छठे अवतार, चिरंजीवी भगवान परशुराम जी की भव्य प्रतिमा विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के बीच स्थापित की गई। यह आयोजन भगवान परशुराम सेवा समिति (रजिस्टर्ड) मिहीपुरवा के तत्वावधान में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर पूरे प्रांगण को फूल-मालाओं और आकर्षक सजावट से भव्य रूप दिया गया। वैदिक आचार्यों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजन, हवन और प्राण-प्रतिष्ठा की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। जैसे ही प्रतिमा की स्थापना हुई, पूरा वातावरण " भगवान परशुराम जी की जय हो" के जयघोष से गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि भगवान परशुराम की प्रतिमा स्थापना का उद्देश्य समाज में धार्मिक मूल्यों और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। प्रतिमा स्थापना के उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में कस्बे के व्यापारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पूर्व सांसद अक्षयबर लाल गोंड, भाजपा जिला अध्यक्ष बृजेश पांडेय, पूर्व जिला महामंत्री जितेंद्र त्रिपाठी, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष सौरभ मिश्रा, भाजपा मंडल अध्यक्ष राम सरोज पाठक, क्षेत्रीय ब्राह्मण समाज के लोग , व्यापारी वर्ग, युवा और महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे । पूरे आयोजन मे परशुराम सेवा समिति के पशुपतिनाथ दुबे, रमेश शुक्ला, प्रेम नाथ तिवारी, सदाशिव उपाध्याय, शिवकुमार शुक्ला, सोमवर्धन पांडेय, जितेंद्र त्रिपाठी, जनार्दन राय, ओमकार मिश्रा, गिरीश त्रिपाठी रहे।

पयागपुर में सवर्ण एकता का संदेश दे गया परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम

पयागपुर (बहराइच)

अमृत विचार। सवर्ण आर्मी के तत्वावधान में आयोजित भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम अब केवल एक धार्मिक आयोजन तक सीमित न रहकर सामाजिक एकजुटता और समरसता का प्रतीक बन गया है। कार्यक्रम के अगले दिन भी इसकी चर्चा गांव-गांव और चौराहों तक होती रही स्थानीय जूनियर हाई स्कूल मैदान में सवर्ण आर्मी द्वारा आयोजित इस भव्य कार्यक्रम ने जहां हजारों लोगों की भागीदारी दर्ज की, वहीं समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाकर आपसी सहयोग का संदेश दिया।

कार्यक्रम में उठे मुद्दों और दिए गए वक्तव्यों ने सामाजिक विमर्श को नई दिशा देने का काम किया मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के भाषण की गूंज कार्यक्रम के बाद भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी रही। उन्होंने अपने संबोधन में जहां धार्मिक परंपराओं का उल्लेख किया, वहीं वर्तमान सामाजिक संरचना पर भी खुलकर विचार रखे कार्यक्रम के संयोजक सर्वेश पांडेय द्वारा किया गया आयोजन प्रबंधन और जनसंपर्क भी सराहा जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इतने बड़े स्तर पर इस तरह का अनुशासित और प्रभावशाली आयोजन लंबे समय बाद देखने को मिला कार्यक्रम में ब्राह्मण और क्षत्रिय समाज की एकता पर विशेष जोर दिया गया, लेकिन इसके साथ ही सर्वसमाज को साथ लेकर चलने का संदेश भी प्रमुखता से उभरा। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि समाज में असली आवश्यकता आपसी टकराव की नहीं, बल्कि सहयोग और संतुलन की है राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से भी इस आयोजन को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जानकारों का मानना है कि इस प्रकार के कार्यक्रम क्षेत्र में नई सामाजिक और राजनीतिक धारा को जन्म दे सकते हैं स्थानीय नागरिकों और युवाओं में भी कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

पूर्व सांसद ब्रजभूषण सिंह का स्वागत करते सवर्ण आर्मी प्रमुख सर्वेश पांडेय।

आयोजन

गोकुलपुर में लगी आग से मची अफरा-तफरी

रूपईडीहा (बहराइच)

अमृत विचार। नगर पंचायत रूपईडीहा के वार्ड नंबर 2 स्थित गोकुलपुर के रामबक्शपुरवा में सोमवार को खेतों और बागों में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही नगर पंचायत प्रशासन ने समय रहते आग पर काबू पा लिया गया।

जानकारी के अनुसार बिजली विभाग के जेई द्वारा नगर पंचायत चेयरमैन को आग लगने की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही नगर पंचायत रुपईडीहा के चेयरमैन डॉ. उमाशंकर वैश्य ने तत्काल नगर पंचायत कर्मचारियों को मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए। आदेश मिलते ही कर्मचारी पानी के टैंकर के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और तेजी से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। नगर पंचायत के कर्मचारियों ने टैंकर के माध्यम से पानी डालकर आग पर काबू पाया, जिससे आग को आसपास के खेतों और बागों में फैलने से रोक लिया गया। समय पर की गई इस कार्रवाई से एक बड़ी दुर्घटना टल गई और किसानों की फसलों को भारी नुकसान से बचा लिया गया।

आग को बुझाता पंचायत का वाहन।

अज्ञात कारणों से लगी आग से गृहस्थी का सामान खाक, कैसरगंज (बहराइच): थाना क्षेत्र के गोड़हिया नं. 4 के मजरे रामसागर पुरवा में सोमवार की दोपहर मे अज्ञात कारणों से लगी आग में परशुराम व कमलेश पुत्र श्रीराम के पांच मड़हे सहित गृहस्थी का सामान जलकर नष्ट गया।इस घटना मे लगभग दो लाख रुपये से अधिक की सम्पत्ति जलकर राख हो गई।

आग से छप्पर का घर जलकर राख, जरवल रोड: थाना क्षेत्र के जरवल रोड बस स्टैंड निवासी माया देवी पत्नी ओंकार के घर में अचानक आग लगने से उनका छप्पर से बना मकान पूरी तरह जलकर राख हो गया। आग इतनी तेजी से फैली कि घर में रखा सारा सामान भी जलकर नष्ट हो गया। आग की लपटों ने आसपास की झाड़ियों को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम एवं स्थानीय लोगों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद लगी आग पर काबू पाया गया।

डीपीटी व टीडी अभियान का डीआईओ और एसएमओ ने किया शुभारंभ

कैसरगंज (बहराइच)

अमृत विचार। कैसरगंज के प्राथमिक विद्यालय प्रथम मे डीपीटी व टीडी अभियान का शुभारंभ डीआईओ डा.एस.के.सिंह व एसएमओ विपिन लेखारे ने फीता काटकर किया। डीआईओ डा.सिंह ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य बच्चों को डिप्थीरिया और टिटनेस जैसी गंभीर बीमारियों से बचाना है।उन्होने बताया कि स्वास्थ्य विभाग और शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयास से यह अभियान संचालित किया जा रहा है।अभियान के तहत निर्धारित तिथियों में स्कूलों में जाकर बच्चों को टीके लगाए जाएंगे। यह विशेष सत्र नियमित टीकाकरण दिवस (बुधवार और शनिवार) को छोड़कर सोमवार, मंगलवार, गुरुवार और शुक्रवार को आयोजित किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक बच्चों तक पहुंच सुनिश्चित की जा सके।उन्होने बताया कि इस अभियान के तहत कक्षा एक में पढ़ने वाले 5-6 वर्ष के बच्चों को डीपीटी-2 बूस्टर डोज दी जाएगी। वहीं कक्षा 5 के लगभग 10 वर्ष के बच्चों को टीडी-10 का टीका लगाया जाएगा। इसके अलावा कक्षा 10 के 16 वर्ष के किशोरों को टीडी-16 बूस्टर डोज दी जाएगी। उन्होने बताया कि टीकाकरण अभियान की खास बात यह है कि इसकी निगरानी के लिए एआई आधारित स्मार्ट ट्रैकिंग सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है। इस दौरान बीपीएम आदित्य गुप्ता,आईओ संगीता श्रीवास्तव,इंचार्ज प्रधानाध्यापक ईशा अरोरा भाटिया, एएनएम स्वाती सैनी, यूनिसेफ के शुभम श्रीवास्तव, शिक्षा मित्र सुनीता देवी, हुमा कौसर आदि मौजूद रहे।

पिता के अधूरे सपने को बेटी ने दिया मुकाम,

संवाददाता, बहराइच। नियति जब किसी मासूम के सिर से पिता का साया छीनती है, तो अक्सर उम्मीदें दम तोड़ देती हैं, लेकिन बहराइच की माटी की बेटी डॉ. इशिका ने उस वियोग की पीड़ा को संकल्प की मशाल बना लिया। अब से करीब 23 वर्ष पूर्व जब डॉ. इशिका मात्र 5 वर्ष की थीं, तब उनके पिता भानु प्रताप सिंह लीवर सिरोसिस जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। पिता की बेबसी और बीमारी के उस मंजर ने मासूम इशिका के मन में सेवा का ऐसा बीज बोया कि उन्होंने उसी वक्त चिकित्सक बनकर लाचार बीमारों का सहारा बनने की ठान ली थी। पिता के देहांत के बाद का सफर कतई आसान नहीं था, लेकिन माँ कुसुम सिंह के हिमालय जैसे अटूट भावनात्मक सहयोग ने ढाई दशक के इस लंबे और चुनौतीपूर्ण संघर्ष को टूटने नहीं दिया। संघर्षों की इसी तपस्या का फल 17 अप्रैल 2026 को उस समय देखने को मिला जब बीएएमएस की शिक्षा पूर्ण कर डॉ. इशिका ने शहर के रेलवे स्टेशन रोड पर 'योगी पाइल्स एवं पंचकर्म सेंटर' का पूरे विधि-विधान के साथ शुभारंभ किया। इस गौरवशाली अवसर पर डॉ. इशिका के मार्गदर्शक डॉ. आर एन राठौर, नगर विधायक व पूर्व बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री अनुपमा जायसवाल तथा डॉ. राजुल सिंह ने उपस्थित रहकर बेटी का उत्साहवर्धन किया। साथ ही परिवार से बीते 30 वर्षों से जुड़े डॉ. संग्राम साहू, पिता के अभिन्न मित्र डॉ. राधेश्याम वर्मा, बड़े पापा सुरेंद्र प्रताप सिंह और चाचा व भाजपा जिला मंत्री अजय प्रताप सिंह अज्जू , पिता के घनिष्ठ मित्र पत्रकार अजय त्रिपाठी ने भी इस उपलब्धि को परिवार के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया। कार्यक्रम के दौरान भाई मानवेंद्र प्रताप सिंह, मार्तंड भानु, प्रशांत सिंह, नीरव प्रताप सिंह, रणबीर सिंह तथा सचिन प्रताप सिंह आदि रहे।

इशिका के साथ पंचकर्म सेंटर का उद्घाटन करतीं विधायक अनुपमा जायसवाल।

भक्ति की कथा का किया वर्णन

बौड़ी, अमृत विचार। ग्राम पंचायत जैतापुर बाजार स्थित गाँवट माता मंदिर परिसर में आयोजित सात दिवशीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिन गोसाईंपुरवा महसी से आये प्रवाचक रमेश गोस्वामी ने ज्ञान-वैराग्य व भक्ति की कथा का वर्णन किया। कहा कि श्रीमद् भागवत महापुराण भक्ति ज्ञान वैराग्य का समन्वय है। कलयुग में प्रभू का नाम ही जीवन का सच्चा आधार है। हरिनाम संकीर्तन ही मोक्ष का सच्चा मार्ग है |प्रवाचक ने कहा कि एक दिन देवर्षि नारद जी विचरण करते हुए यमुना के किनारे से गुजरे तो देखा कि एक तरुणी नारी बैठी विलख रही थी। उसके ही समीप दो बूढ़े पुरुष सो रहे थे, देवर्षि जी ने सुखसदनी कह परिचय के साथ रोने का कारण पूछा। तो उस नारी ने कहा कि मैं कोई लौकिक सुन्दरी नहीं,मैं भक्ति हूँ और यह दोनों मेरे पुत्र ज्ञान-वैराग्य हैं। इस दौरान आयोजक धनीराम यादव,सुसमा देवी, सुनीता,रेशमी,ममता, लक्ष्मी, मुस्कान अवस्थी, नेहा सिंह, अवधेश सिंह, राम नरेश, दीपक अवस्थी शास्त्री, पप्पू सिंह, सुरेंद्र सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

कथा सुनाते कथावाचक रमेश गोस्वामी।

भारत-नेपाल पत्रकार गोष्ठी : सीमावर्ती पत्रकारिता और आपसी संबंधों पर गहन मंथन

नानपारा (बहराइच)। रूपईडीहा रोड स्थित ड्रीम हाउस परिसर में रविवार को आयोजित भारत-नेपाल संयुक्त पत्रकार गोष्ठी में दोनों देशों के पत्रकारों और बुद्धिजीवियों ने हिस्सा लिया। इस अंतरराष्ट्रीय संवाद का मुख्य केंद्र सीमावर्ती पत्रकारिता की चुनौतियां, बदलता मीडिया परिदृश्य और भारत-नेपाल के सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंध रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नानपारा विधायक राम निवास वर्मा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि (बलहा) कृपाराम वर्मा और विधायक प्रतिनिधि आलोक जिंदल मौजूद रहे। मंच का संचालन पत्रकार विनोद द्विवेदी ने किया। विधायक राम निवास वर्मा ने अपने संबोधन में भारत और नेपाल के बीच 'रोटी-बेटी' के ऐतिहासिक रिश्तों का जिक्र किया। उन्होंने सोशल मीडिया के दौर में पत्रकारों से सत्यता और विश्वसनीयता बनाए रखने की अपील की। वरिष्ठ पत्रकार भागवत शुक्ला और अशोक उपाध्याय ने पत्रकारिता को समाज उत्थान का शस्त्र बताते हुए कहा कि कलम का उपयोग जनहित, किसानों और युवाओं के भविष्य के लिए होना चाहिए। बलहा विधायक प्रतिनिधि अशोक जिंदल ने निर्भीक पत्रकारिता को लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ बताया। नेपाल से आए वरिष्ठ पत्रकार पूर्ण लाल चुके ने इस आयोजन को दोनों देशों के संबंधों के बीच एक मजबूत सेतु करार दिया। कार्यक्रम के दौरान अजय शर्मा व ताहिर हुसैन ने सुरक्षा की चुनौतियों का मुद्दा उठाया, जबकि राजीव शर्मा ने भगवान श्रीराम और माता जानकी के संदर्भ से दोनों देशों की भावनात्मक निकटता को रेखांकित किया। इस अवसर पर भारत की ओर से शकील अंसारी, परवेज रिजवी, संतोष शुक्ला, कुलदीप, विवेक श्रीवास्तव सहित दर्जनों पत्रकार मौजूद रहे। नेपाल के प्रतिनिधिमंडल में शंकर प्रसाद, कुमार श्रेष्ठ, रेजिना मल्ल, डक्ट प्रसाद धिताल और श्वेता विष्ट आदि रहे।

आयोजक का स्वागत करते पत्रकार साथी।

रूपईडीहा में जनगणना कार्य की हुई शुरुआत

रूपईडीहा (बहराइच)। नगर पंचायत रुपईडीहा में जनगणना कार्य को सकुशल एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से अधिशासी अधिकारी रामबदन यादव द्वारा जनगणना कर्मियों को नियुक्ति पत्र एवं पहचान पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर उन्होंने जनगणना कार्य में लगाए गए कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए। अधिशासी अधिकारी रामबदन यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि 23,24 तथा 25 अप्रैल को नानपारा के नगर पालिका भवन में उक्त कर्मचारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम है उसके बाद 20 मई तक पहले मकान गणना होगा उसके बाद इसी तरह जनगणना का कार्य संपन्न होगा।उन्होंने बताया कि नगर पंचायत क्षेत्र में जनगणना कार्य के लिए प्रगणक तथा सुपर वाइजरो समेत लगभग 48 कर्मियों की नियुक्ति की गई है, जो निर्धारित क्षेत्रों में घर-घर जाकर गणना का कार्य संपन्न करेंगे।

समस्या

दुकानदारों के द्वारा डीजल 150 रु. प्रति लीटर व पेट्रोल 200 रु. प्रति लीटर के हिसाब से खुलेआम बेंचा जा रहा

पेट्रोल की भारी किल्लत ने कालाबाजारियों की बल्ले-बल्ले

नवाबगंज (बहराइच)

अमृत विचार। डीजल पेट्रोल की भारी किल्लत होने के चलते क्षेत्र में पान, परचून दुकानदारों द्वारा मनमानी रेट से बिक्री कर माला-माल होने के होड़ लगी है। इस गंभीर समस्या के चलते ग्राहकों के साथ की जा रही खुली लूट से लोगों में आक्रोश व्याप्त है। आलम यह है कि कई दुकानदार पेट्रोल-डीजल की कालाबाजारी कर रह रहे हैं। वहीं स्थानीय प्रशासन की अनदेखी का यह आलम है कि गांधी जी के तीन बन्दर वाली कहानी चरितार्थ हो रही है। इसके साथ क्षेत्र के कई पेट्रोल पंपों पर लोगों को लंबी कतार लग रही है।

नवाब गंज क्षेत्र में कस्बा व चौराहे तथा सड़कों के किनारे करीब एक सैकड़ा पान की गुमटी व परचून की दुकानदारों के द्वारा डीजल 150 रु. प्रति लीटर व पेट्रोल 200 रु. प्रति लीटर के हिसाब से खुलेआम बिक्री कर ग्रामीण व ग्राहकों के साथ लूट का धंधा किया जा रहा है । विदेश में युद्ध जैसी समस्या से तेल आपूर्ति बाधित होने से पेट्रोल टंकियां पर डीजल-पेट्रोल को लेकर भारी मारा मारी तो है ही वहीं ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न कस्बा व चौराहों पर ब्लैक में डीजल पेट्रोल बेचने वाले कलाबाजारियों के द्वारा अक्सर पेट्रोल पंपों पर कई-कई बार लाइन में लग कर मोटर साइकिल व जराकीनों मे भरवा कर सैकड़ों लीटर तेल दुकानों व मकान में डम्प कर लिया जाता है वहीं टंकियों पर तेल न मिलने पर इन काला बाजारियो द्वारा मनमानी रेट से तेल की बिक्री धड़ल्ले से की जा रही है अक्सर ग्रहको द्वारा मनमारी रेट को लेकर विरोध करने पर तू तु मै कर तेल देने से मना कर दिया जाता है । जबकि शासन प्रशासन के द्वारा सड़कों व दुकानों पर ज्वलनसील पदार्थों की बिक्री पर रोक व उनके विरुद्ध संख्त कार्रवाई किए जाने का निर्देश है परन्तु स्थानीय प्रशासन इन समस्याओं से अनजान बना है यही नहीं तेल टंकी पर ड्यूटी करने वालों से उनकी संलिप्तता भी बताई जा रही है जिससे आम जनता का खुलेआम दोहन हो रहा है । इस संबंध में क्षेत्रीय ग्रमीण कासिम खान, अनिल कुमार मिश्रा, ललन प्रसाद फौजी, छेदीराम आर्य , तमाम लोगों ने बताया कि ऐसे दुकानदारों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई किया जाना चाहिए।

पेट्रोल पंप पर ईंधन लेने वालों की लगी भारी भीड़। अमृत विचार

मुझे सफलताओं से मत आंकिए, बल्कि जितनी बार गिरा हूं और गिरकर उठा हूं, उस बिना पर आकलन कीजिए।
-नेल्सन मंडेला, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति

स्मार्ट मीटर पर राहत

स्मार्ट बिजली मीटरों के बारे में व्यापक जन असंतोष और आंदोलन के बाद आई सरकारी घोषणा सूबे के 82 लाख स्मार्ट मीटर धारकों के लिए बहुत राहत पहुंचाने वाला है। सिद्धांततः यह व्यवस्था क्रांतिकारी है—प्रीपेड रिचार्ज, रीयल-टाइम खपत की जानकारी, बिलिंग में पारदर्शिता और कई विवादों का अंत। इसे डिजिटल भारत के विज़न के तहत बिजली क्षेत्र में पारदर्शिता, दक्षता और उपभोक्ता नियंत्रण का प्रतीक बताया गया था, पर प्रश्न यह कि यह योजना उपभोक्ताओं के रोष और अविश्वास का कारण क्यों बनी? समाधान ऐसी समस्या क्यों बन गई कि सरकार को ऐसे फैसले लेने पड़े।

विरोध का मूल कारण है मीटर का तेज चलना और गलत रीडिंग का संदेह, प्रीपेड बैलेंस खत्म होते ही अचानक सप्लाई कटना और रिचार्ज एवं रीकनेक्शन में तकनीकी खामियों के चलते देरी। वादा यह था कि स्मार्ट मीटर से बिलिंग की त्रुटियां खत्म होंगी, कई मामलों में उपभोक्ताओं से पहले से अधिक बिल आने की शिकायत मिली। आम उपभोक्ता चाहता है कि नई व्यवस्था से उसकी जेब पर बोझ कम हो तथा अबाध विद्युत आपूर्ति मिले। यदि ऐसा अनिश्चित है, तो विरोध स्वाभाविक है। उत्तर प्रदेश में 82 लाख स्मार्ट मीटर लग चुके हैं, इसके बाद आगे की स्वीकृति इससे ज़रूर प्रभावित होगी। इसी दबाव में राज्य सरकार ने 45 दिन तक बिजली न काटने, शून्य बैलेंस पर 3 दिन सप्लाई जारी रखने और रविवार या अवकाश पर डिस्कनेक्शन न करने जैसे राहत उपाय घोषित किए, पर ये कदम अस्थायी राहत देंगे, स्थायी समाधान नहीं। तकनीकी समिति की रिपोर्ट आने तक नए स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक का फैसला बताता है कि समस्या गंभीर है। समिति को जिन बिंदुओं पर ध्यान देना होगा, उनमें मीटर की सटीकता का स्वतंत्र ऑडिट, डेटा ट्रांसमिशन की विश्वसनीयता, बिलिंग-सिस्टम और भुगतान-गेटवे के बीच तालमेल और शिकायत निवारण की समयबद्ध व्यवस्था शामिल होनी चाहिए। आज इंटरनेट या मोबाइल रिचार्ज की तरह निर्बाध समन्वय बिजली प्रणाली में नहीं दिखता। यही इस व्यवस्था की सबसे बड़ी खामी है। कंपनियां, जो तकनीकी और वित्तीय रूप से सक्षम हैं, वे त्वरित विस्तार का दबाव, गुणवत्ता नियंत्रण की कमी और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप सिस्टम के अभाव में विफल हो रही हैं। कई जगह नेटवर्क कनेक्टिविटी, सर्वर क्षमता और फील्ड सपोर्ट बहुत कमजोर है, लेकिन उलटे वे उपभोक्ता को ही दोषी ठहराने पर उतारू हैं, जिससे उपभोक्ताओं में नई व्यवस्था के प्रति अविश्वास बढ़ता है।

विश्वसनीयता ही कंपनियों की सबसे बड़ी पूंजी है, भले सरकार निजी कंपनियों को नुकसान में नहीं जाने देगी, लेकिन जनविश्वास नहीं बढ़ा तो राजस्व घटेगा, इसलिए उन्हें सुधार तो करने ही होंगे। स्मार्ट मीटर भविष्य की अनिवार्यता हैं, पर भरोसा वर्तमान की शर्त है। तकनीक तभी सफल होगी जब वह उपभोक्ता के लिए 'भरोसेमंद सुविधा' बने, 'सांसत' नहीं। यह प्रणाली तभी निरापद होगी, जब थर्ड-पार्टी कैलिब्रेशन और पब्लिक डैशबोर्ड पर पारदर्शी डेटा होगा, रीयल-टाइम, फेल-सेफ आईटी सिस्टम भुगतान, बिलिंग व कनेक्शन के बीच निर्बाध समन्वय बनेगा।

प्रसंगवश

वीआईपी दर्शन का बढ़ता चलन और आम श्रद्धालु

भारत जैसे देश में, जहां धर्म और आस्था केवल व्यक्तिगत विश्वास का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, वहां मंदिरों और तीर्थ स्थलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। ये स्थान सदियों से समानता, शांति और आध्यात्मिक संतुलन के प्रतीक माने जाते रहे हैं। 'भगवान के दरबार में सब बराबर हैं'- यह वाक्य केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहरी मान्यता रहा है, लेकिन बीते कुछ वर्षों में इस मान्यता पर प्रश्नचिह्न लगते दिखाई दे रहे हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

देश के कई प्रमुख मंदिरों और तीर्थ स्थलों पर वीआईपी दर्शन, विशेष पूजन-अभिषेक और आरती के नाम पर भारी शुल्क वसूले जा रहे हैं। इन सेवाओं के बदले श्रद्धालुओं को लंबी कतारों से मुक्ति, कम समय में दर्शन और अधिक सुविधाजनक अनुभव दिया जाता है। पहली नजर में यह व्यवस्था एक विकल्प के रूप में दिखाई देती है, लेकिन जब इसका असर आम श्रद्धालुओं के अनुभव पर पड़ता है, तब यह एक गंभीर सामाजिक समस्या बन जाती है।

आज स्थिति यह है कि एक ओर वे लोग हैं, जो अतिरिक्त पैसे देकर कुछ ही मिनटों में आराम से दर्शन कर लेते हैं, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में आम लोग घंटों, कभी-कभी पूरे दिन, कतारों में खड़े रहते हैं। इस दौरान उन्हें भीड़, धक्का-मुक्की, बदतमीजी और कई बार मारपीट जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। यह अनुभव केवल असुविधाजनक नहीं, बल्कि अपमानजनक भी होता है, विशेषकर तब जब व्यक्ति अपनी आस्था और श्रद्धा के साथ वहां पहुंचा हो।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या आस्था भी अब एक 'प्रीमियम सेवा' बनती जा रही है? क्या भगवान के दर्शन के लिए भी आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव होना चाहिए? यह स्थिति केवल धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज में बढ़ती असमानता का प्रतिबिंब भी है। राशन की दुकानों से लेकर गैस सिलेंडर की लाइन तक और अब मंदिरों तक—मिडल क्लास और आम आदमी के हिस्से में अक्सर अव्यवस्था और संघर्ष ही आता है।

मंदिरों में कार्यरत कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों का व्यवहार भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। कई मामलों में आम श्रद्धालुओं के साथ कठोर और अपमानजनक व्यवहार किया जाता है, जबकि वीआईपी लोगों के साथ अत्यधिक विनम्रता दिखाई जाती है। यह दोहरा व्यवहार समाज में पहले से मौजूद वर्ग विभाजन को और गहरा करता है।

धार्मिक स्थलों की मूल भावना पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं होते, बल्कि वे मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन के केंद्र होते हैं। जब वहां पहुंचने वाला व्यक्ति अव्यवस्था, भीड़ और भेदभाव का सामना करता है, तो उसकी आध्यात्मिक अनुभूति प्रभावित होती है। यह अनुभव उसे निराश और हताश कर सकता है।

जरूरी है कि समाज स्वयं इस मुद्दे पर जागरूक हो। जब तक लोग इस असमानता को सामान्य मानते रहेंगे, तब तक इसमें बदलाव आना कठिन है। आस्था का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि समानता, करुणा और न्याय जैसे मूल्यों को अपनाना भी है। यह जरूरी है कि हम इस मुद्दे को गंभीरता से लें और मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाएं, जहां हर श्रद्धालु को यह महसूस हो कि वह वास्तव में भगवान के दरबार में है, जहां सब बराबर हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

श्रम को सम्मान और अधिकार देने का प्रश्न

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

किसी देश की सामाजिक-आर्थिक प्रगति में मजदूरों की भूमिका शरीर में प्रवाहित लहू मानिंद होती है। मजदूर ही हैं, जिसके श्रम की बदौलत राष्ट्र के विकास की ऊंची इमारत खड़ी होती है। सूक्ष्म संरचनाओं से लेकर बड़ी योजनाओं को अमलीजामा पहनाने में यह वर्ग विकास की धूरी होता है। यह सच है कि विकास के लिए संसाधन मायने रखते हैं, किंतु बिना श्रम संसाधन वैसे ही हैं, जैसे 'बिना इंजन की मर्सिडीज' गाड़ी। आशय यह कि मजदूर ही वह असल शिल्पकार होता है, जिसके कठोर श्रम से विकास की बगिया लहलहाती है, लेकिन कई दशकों के बाद भी मजदूरों की स्थिति में आमूलचूल सुधार क्यों नहीं हो पा रहा है।

गांव-जवार, खेत-खलिहान, रिश्ते-नाते, भाई-बंधु छोड़कर देश-प्रदेश के शहरों-कस्बों के उद्योगों तथा प्रतिष्ठानों को गति प्रदान करने वाले मजदूरों के लिए फलदायी योजना क्यों नहीं मूर्तरूप ले पा रही? वह चाहे सरकारें हों या उद्योगों के मालिक। चाहे स्वयंसेवी संगठन हों या मजदूर दिवस पर घड़ियाली आंसू बहाने वाले अलमबरदार। आखिर मजदूरों के हितों की रक्षा क्यों नहीं कर पा रहे हैं? देश में असंगठित क्षेत्रों के मजदूरों की स्थिति तो वैसी ही कि 'जबरा मारे भी और रोवे भी न दे'।

मजदूरों के हितों की रक्षा और उनकी बेहतरी को वैसे तो केंद्र से लेकर राज्य सरकारों ने कथित 'भगीरथ प्रयास' कर रखे हैं। केंद्रीय श्रम मंत्रालय के अलावा राज्य सरकारों के संबंधित विभागों में अधिकारियों-कर्मचारियों की भारी भरकम फौज मजदूरों की सेवा का दंभ भर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि मजदूरों लिए विभागीय कृत्य-प्रयास आज भी या तो फाइलों में हैं या जमीनी हकीकत से कोसों दूर।

चाहे स्वयंसेवी संगठन हों या मजदूर दिवस पर घड़ियाली आंसू बहाने वाले अलमबरदार। आखिर मजदूरों के हितों की रक्षा क्यों नहीं कर पा रहे हैं? देश में असंगठित क्षेत्रों के मजदूरों की स्थिति तो वैसी ही कि 'जबरा मारे भी और रोवे भी न दे'।

देश में अधिकांश मजदूर कृषि निर्माण और घरेलू कार्यों में लगे रहते हैं। इन असंगठित क्षेत्रों में मजदूरों के साथ न तो कोई लिखित अनुबंध होता है, न ही छुट्टी या स्वास्थ्य बीमा की सुविधा ही दी जाती है। मूल कारण यह कि बाजार में श्रम की आपूर्ति मांग से बहुत अधिक है, इसलिए उद्योगों तथा विनिर्माण क्षेत्र में कम वेतन पर भी मजदूर मिल जाते हैं। एक ही काम के लिए जब 'दस हाथ' मिल जाते हैं, तो नियोक्ता की 'पौ बारह' हो जाती है। नतीजतन वह मजदूरों को औने-पौने वेतन या मजदूरी पर कार्य कराता है, उनका शोषण करता है।

भारत में वर्ष 1991 में व्यापक आर्थिक सुधार किए गए। श्रम कानूनों को लचीला बनाया गया। निर्मित नीतियों से नियोक्ताओं को कानूनी पाबंदियों से कुछ छूट मिल गई। परिणामस्वरूप मजदूरों का शोषण बढ़ता ही गया। अधिकांश मजदूरों में तकनीकी कौशल या औपचारिक शिक्षा न के बराबर होती है। उनके उपेक्षित होने का यह भी अहम कारण है। तात्पर्य यह कि समाज को समर्पित मजदूरों को 'समाज' ने ही तिरस्कृत कर रखा है।

मिल मालिकों द्वारा मजदूरों के शोषण आधारित बालीवुड फिल्में पहले खूब बना करती थीं। मजदूरों के संघर्षों तथा गानों को निर्देशक इतनी संवेदनशीलता के साथ दिखाते थे कि हाल में बैठा दर्शक अपने को मजदूर या मजदूरों का हितैषी ही मान बैठता था। यही हाल आज भी है। भारत में मजदूरों की दशा पर महान उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद की कलम खूब चली। उन्होंने मजदूरों के शोषण पर आधारित फिल्म 'मिल मज़दूर' (1934) की पटकथा लिखी, एक छोटी सी भूमिका भी निभाई थी। बताते हैं कि फिल्म का एक डायलाग मजदूरों के हित में इतना असरदार था कि तत्कालीन टेक्सटाइल हब बंबई (अब मुंबई) में श्रमिकों ने मिल मालिकों के खिलाफ जमकर आंदोलन किया था।

एक दौर ऐसा भी था, जब निजी क्षेत्र के मिल मालिकों तथा सरकारी उद्योगों के प्रबंधनों के खिलाफ मजदूर संगठन आक्रोश व्यक्त करते रहते थे। मजदूर संगठनों में शामिल श्रमिकों के साथ जब-जब शोषण की बात सामने आई, तो आंदोलन हुआ। 'जनता जिंदाबाद, इंकलाब जिंदाबाद, हर जोर-जुल्म की टक्कर में, संघर्ष हमारा नारा है, चाहे जो मजबूरी हो, हमारी मांगे पूरी हों, अभी तो अंगड़ाई है आगे और लड़ाई है, जो हम से टकराएगा, चूर-चूर हो जाएगा, जैसे जोशीले नारे उद्योगों तथा सरकारी तंत्र के गलियारों में आज भी गूंजते हैं।

असंगठित क्षेत्र का, जीडीपी व रोजगार में योगदान के मामले में भारतीय अर्थव्यवस्था में प्रमुख स्थान है। देश के कुल श्रमिकों में से शहरी क्षेत्रों में लगभग 72 प्रतिशत मजदूर असंगठित क्षेत्र में लगे हुए हैं। शहरी विकास में तो इनका योगदान अत्यधिक है। आर्थिक सर्वेक्षण-2025 के अनुसार भारत में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप में लगभग 50 करोड़ श्रमिक हैं, जो देश के कुल कार्यबल का करीब 90 प्रतिशत है।

फैक्ट्रियां, औद्योगिक इकाइयां, होटल, रेस्तरां और कई अन्य प्रतिष्ठान असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की बदौलत ही चलते हैं। इसमें ऊबर और ओला ड्राइवर, राजमिस्त्री, बढ़ई, फूड डिलीवरी बॉय, पेंटर, प्लंबर आदि भी शामिल हैं। कुछ दिन पहले यूपी सरकार ने न्यूनतम मजदूरी की दर तय करते हुए मजदूरों को राहत दी है, लेकिन मजदूरों के लिए अभी भी काफी कुछ किया जाना शेष है। औद्योगिक स्थलों पर उनकी सुविधाओं की दरकार तो है ही, सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा के भी वे हकदार हैं।

हालिया दिनों में केंद्रीय श्रम मंत्रालय ने श्रमिकों के लिए ठोस व तार्किक कार्य किए हैं। श्रम सुधारों को नव स्वरूप दिया है, लेकिन निर्मित गाइडलाइंस तभी प्रासंगिक है, जब उसका लाभ मजदूरों तक सही रूप में प्राप्त हो। चूंकि, असंगठित क्षेत्रों में मजदूरों की अधिकता है, अतएव उनके हितों के लिए निर्मित नियमों का अपेक्षित क्रियान्वयन जरूरी है। उपेक्षा का शिकार बने मजदूरों के लिए आमजन को भी अपनी सोच बदलनी होगी। देश की समृद्धि के लिए अपना खून-पसीना बहाने वाले मजदूरों को उनका अधिकार व मान देने में हमें कोई हर्ज तो नहीं होना चाहिए।

आमने

17 अप्रैल का दिन ऐतिहासिक बन सकता था, लेकिन विपक्ष ने इसे 'काला पन्ना' बना दिया। कांग्रेस ने लंबे समय तक शासन करने के बावजूद महिलाओं को उनका उचित अधिकार नहीं दिया। अब समय बदल रहा है और महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो चुकी हैं।

-भजनलाल शर्मा
मुख्यमंत्री, राजस्थान

सामने

वर्ष 2023 में संसद द्वारा पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम को अब तक लागू नहीं किया जाना सरकार की नीयत पर सवाल खड़े करता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश की जनता को जवाब देने से बच रहे हैं और दिल्ली से तय एजेंडे के अनुसार काम कर रहे हैं।

-टीकाराम जूली
नेता प्रतिपक्ष, राजस्थान

वैश्विक उथल-पुथल से निवेशकों में उलझन

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

साल 2026 निवेशकों के लिए चुनौतीपूर्ण और अनिश्चितता भरा समय लेकर आया है। ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। इसके साथ ही तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, सोना-चांदी जैसी कमोडिटी में तेजी और गिरावट ने निवेश को और मुश्किल बना दिया है। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बाहरी देशों पर निर्भर हैं, इन परिस्थितियों से सीधे प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में हर निवेशक के मन में एक सवाल है- 2026 में पैसा कहां लगाएं?

मध्य-पूर्व में चल रहे तनाव के कारण तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। तेल महंगा होता है, तो परिवहन और उत्पादन की लागत भी बढ़ जाती है। इससे महंगाई बढ़ जाती है। महंगाई बढ़ने से निवेश से मिलने वाला असली फायदा (रियल रिटर्न) कम हो जाता है। दूसरी तरफ, सोना और चांदी जैसे सुरक्षित माने जाने वाले निवेश भी इस समय पूरी तरह स्थिर नहीं हैं।

कभी इनकी कीमतें तेजी से बढ़ती हैं, तो कभी अचानक गिर जाती हैं। इससे यह साफ हो जाता है कि केवल एक ही जगह निवेश करना आज के समय में सही नहीं है। ऐसी स्थिति में निवेश का सबसे अच्छा तरीका है- विविधता (Diversification), सुरक्षा (Protection) और विकास (Growth)। इसका मतलब है कि आपको अपना पैसा अलग-अलग जगहों पर लगाना चाहिए, ताकि एक जगह नुकसान हो तो दूसरी जगह से फायदा मिल सके। एक संतुलित पोर्टफोलियो ही इस समय सबसे सुरक्षित और समझदारी भरा विकल्प है।

साल 2026 निवेशकों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण और अनिश्चितता भरा समय लेकर आया है। ऐसे में हर निवेशक के मन में एक ही सवाल है- 2026 में पैसा कहां लगाएं?

इक्विटी यानी शेयर बाजार अभी भी लंबी अवधि में पैसा बढ़ाने का सबसे अच्छा माध्यम है, लेकिन 2026 में सही सेक्टर चुनना बहुत जरूरी है। रक्षा (Defence), नवीकरणीय ऊर्जा (Renewable Energy), बैंकिंग और टेक्नोलॉजी जैसे सेक्टर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। युद्ध की स्थिति में रक्षा कंपनियों की मांग बढ़ती है, जबकि तेल महंगा होने पर नवीकरणीय ऊर्जा का महत्व बढ़ता है। टेक्नोलॉजी और AI से जुड़ी कंपनियां भविष्य में तेजी से बढ़ सकती हैं।

निवेशकों को अच्छी और मजबूत कंपनियों में धीरे-धीरे SIP के माध्यम से निवेश करना चाहिए, ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम हो सके। सोना और चांदी आज भी निवेश का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये पूरी तरह स्थिर नहीं हैं, लेकिन मुश्किल समय में आपके पोर्टफोलियो को सुरक्षा देते हैं। निवेशकों को फिजिकल गोल्ड खरीदने की बजाय Gold ETF या Sovereign Gold Bond जैसे विकल्प चुनने चाहिए।

फिक्स्ड इनकम निवेश जैसे बैंक FD, सरकारी बॉन्ड और डेट म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो को स्थिरता देते हैं। जब शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव ज्यादा होता है, तब ये निवेश नियमित आय और सुरक्षा प्रदान करते हैं। खासकर उन लोगों के लिए यह जरूरी है, जो कम जोखिम लेना चाहते हैं। इसके अलावा, थोड़ा पैसा अंतर्राष्ट्रीय बाजार में निवेश करना भी अच्छा होता है। इससे आपका जोखिम कम होता है और आपको दूसरे देशों की ग्रोथ का फायदा मिलता है। आप इंटरनेशनल म्यूचुअल फंड या ETF के जरिए यह निवेश कर सकते हैं। कुछ निवेश जैसे REITs और InvITs भी पोर्टफोलियो में शामिल किए जा सकते हैं। ये आपको अलग तरह का रिटर्न देते हैं और निवेश को और संतुलित बनाते हैं, हालांकि इनमें बहुत ज्यादा निवेश नहीं करना चाहिए।

आज के समय में एक और महत्वपूर्ण पहलू है- लिक्विडिटी यानी जरूरत पड़ने पर तुरंत पैसा उपलब्ध होना, इसलिए निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो का एक हिस्सा लिक्विड फंड या सेविंग इंस्ट्रूमेंट्स में रखना चाहिए, ताकि किसी आपात स्थिति में उन्हें परेशानी न हो। इसके साथ ही, बीमा (Insurance) को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हेल्थ इंश्योरेंस और टर्म इंश्योरेंस आपकी वित्तीय सुरक्षा का आधार होते हैं और अनिश्चित समय में बहुत मददगार साबित होते हैं।

इसके अतिरिक्त, निवेशकों को कर योजना (Tax Planning) पर भी ध्यान देना चाहिए। सही निवेश विकल्प जैसे ELSS, PPF या टैक्स सेविंग बॉन्ड न केवल आपको टैक्स बचाने में मदद करते हैं, बल्कि दीर्घकाल में अच्छा रिटर्न भी प्रदान करते हैं। बदलते आर्थिक माहौल में वित्तीय जागरूकता और सही जानकारी होना उतना ही जरूरी है, जितना निवेश करना। निवेश करते समय सबसे जरूरी चीज है धैर्य और अनुशासन। बाजार ऊपर-नीचे होता रहेगा, लेकिन आपको घबराकर गलत फैसले नहीं लेने चाहिए।

लंबे समय तक निवेश बनाए रखना और समय-समय पर अपने पोर्टफोलियो को संतुलित करना सफलता की कुंजी है। (यह लेख जानकारी के लिए है। निवेश करने से पहले अपने वित्तीय सलाहकार से सलाह जरूर लें।)

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

परवरिश का असर

महाभारत पर लिखा गया भैरप्पा का बेहद प्रसिद्ध उपन्यास है 'पर्व'। इसमें सारे चमत्कारों को हटाकर महाभारत की कहानी को वास्तविकता के निकट लाकर लिखा गया है।

इसमें कंस के जन्म की कहानी है। कंस राजा उग्रसेन का बेटा था, तो फिर वो राक्षस कैसे हो गया? यहां लेखक ने बच्चे के मनोविज्ञान को ध्यान में रखते हुए कल्पना की है।

अनुरोध शर्मा
लेखक

उग्रसेन की पत्नी जंगल के सरोवर के निकट शिकार पर जाती थी और वहां उसकी मुलाक़ात द्रोमिल नाम के राक्षस से हो गई। दोनों में संबंध बने। अब तक उग्रसेन की पत्नी जो गर्भवती नहीं हो पाती थी, उस राक्षस के बच्चे की मां बन गई। ये बच्चा हुआ 'कंस' जिसे उग्रसेन ने सब कुछ जानते हुए भी बदनामी के डर से पाला। बाद में उग्रसेन की पत्नी अपने पति उग्रसेन से कई और बच्चों की भी मां बनी, लेकिन राक्षस का बेटा होने की वजह से कंस और बच्चों से कहीं अधिक शक्तिशाली था।

पर क्या सिर्फ़ राक्षस की संतान होने से ही कंस राक्षस हो गया? लेखक का जवाब है, नहीं।

कहानी आगे कहती है कि क्यूंकि उग्रसेन ये जानता था कि कंस उसकी संतान नहीं है, तो उसने कंस को कभी पिता का प्यार दिया ही नहीं। दूसरे बच्चों की तरह कंस भी पिता की गोद में बैठना चाहता था, लेकिन उग्रसेन उसे बैठने न देता। बाकी भाई-बहनों को जो स्नेह मिलता, वो कंस के हिस्से कभी न आया।

कंस के मन में जो पिता के प्रति नफ़रत भरी उसकी वजह पिता ही थे। उनका कंस के प्रति आचरण था। पिता द्वारा दी गई परवरिश थी।

आखिरकार बड़े होकर कंस ने अपने पिता को जेल में डाल दिया और खुद राजा बन बैठा। कंस को राक्षस कहा गया, लेकिन किसी ने इस बात की पड़ताल करने की कोशिश नहीं की कि कंस के राक्षस होने की वजह क्या रही।

परवरिश, माहौल, संगत और विचार बच्चे के कोमल मन पर बहुत असर डालते हैं। आज के माहौल में बच्चे जिस तरह बड़े हो रहे हैं, जिस तरह हम उन्हें बड़ा कर रहे हैं, उसके बाद अगर वो रोबोट बन रहे हैं, तो किसकी गलती है?

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

महिला विधेयक जनगणना बाद ही अब होगा लागू

2029 के लोकसभा चुनाव में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण की सुविधा नहीं मिल पाएगी, क्योंकि सरकार ये संशोधन इसलिए ला रही थी, ताकि आरक्षण जल्द से जल्द लागू हो सके। फिलहाल नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 लागू है। इसमें प्रावधान है कि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण अगली जनगणना के बाद होने वाले परिसीमन के आधार पर लागू होगा। ऐसे में माना जा रहा है कि जनगणना के अंतिम परिणाम 2027 में आएंगे। तब कहीं जाकर पूरे देश में लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया संभव होगी। इस परिसीमन को लेकर ही संशोधन विधेयक अटक गए हैं, हालांकि सत्ता पक्ष ने भरोसा दिलाया था कि सीटें बढ़ेंगी, तभी महिलाओं के लिए आरक्षण का सही लाभ मिलेगा और सभी राज्यों में एक समान रूप से 50 प्रतिशत सीटों की बढ़ोत्तरी होगी। अमित शाह ने इस दलील को विधेयक में दर्ज करने की मंशा भी प्रकट कर दी थी।

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

विपक्ष की यह आशंका बनी रही कि परिसीमन के बहाने सीटों की संरचना कुछ इस तरह से निर्धारित होगी कि भाजपा समर्थित वोट बड़ी संख्या में क्षेत्र में समा जाएं। विपक्ष को सरकार द्वारा जताया गया कोई भी फार्मूला रास नहीं आया, दरअसल जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होता है, तो दक्षिण और पूर्वोत्तर के राज्यों के दल प्रमुखों ने यह अंदाजा लगा लिया कि इन प्रांतों में जनसंख्या कम होने के कारण राजनीतिक रूप से वे नुकसान में रहेंगे। अतएव तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने तो परिसीमन को लेकर दक्षिण में मोर्चाबंदी भी शुरू कर दी थी।

राज्य में काले झंडे लेकर प्रदर्शन करने का एलान तक कर दिया था। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने इस पहल को संघीय ढांचे को कमजोर करने और दक्षिणी राज्यों की राजनीतिक आवाज को दबाने वाला कदम बता दिया था और तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा था कि इतना बड़ा संवैधानिक बदलाव सभी दलों की सहमति के बिना संभव नहीं है। इन साझा आवाजों की बुलंदी ने इन विधेयकों को पारित नहीं होने दिया।

इन विधेयकों को अटकाने के लिए विपक्ष ने कोटे में कोटा देने का उपाय की भी मांग कर डाली। मायावती ने इस विधेयक का स्वागत करते हुए कहा कि 33 प्रतिशत कोटे में एससी-एसटी और ओबेसी की महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण की व्यवस्था हो।

हमारे देश में विकास को आंकड़ों और व्यक्तिगत उपलब्धि को संख्या बल की दृष्टि से देखने-परखने की आदत बन गई है। इस नाते हम मानकर चल रहे हैं कि 543 सदस्यीय लोकसभा में 181 महिलाओं की आमद दर्ज होने और 28 राज्यों की कुल 4123 विधानसभा सीटों में से महिलाओं के खाते में 1374 सीटें चली जाने से देश की समूची आधी आबादी की शक्ल बदल जाएगी अथवा स्त्रीजन्य विषमताएं व भेदभाव समाप्त हो जाएंगे।

लोकसभा में 74 महिलाएं सांसद हैं। यह भागीदारी लगभग 14 प्रतिशत बैठती है। वहीं राज्यसभा में 42 महिला सांसद हैं, जो मात्र 17% है। एक तिहाई आरक्षण लागू होने के बाद लोकसभा में महिलाओं की संख्या बढ़कर 181 और राज्यसभा में 73 हो जाएगी। 1952 में गठित पहली लोकसभा में सिर्फ 4.4 प्रतिशत यानी 489 में से महज 22 महिलाएं सांसद थीं। विधानसभाओं में महिला विधायकों की उपस्थिति केवल नौ फीसदी है। अब 2027 में 2011 की जनगणना के आंकड़े आने के बाद नए परिसीमन में लोकसभा और विधानसभाओं की सीटें अप्रत्याशित रूप में बढ़ सकती हैं। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना*** 05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

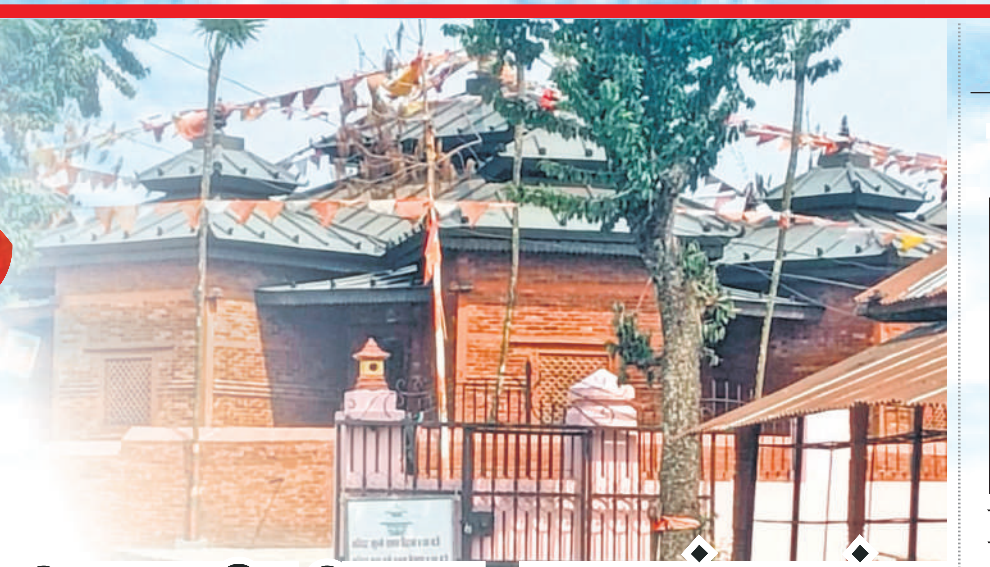

प्रभु नाथ धाम: जहां पहुंच कर श्रद्धालु होते हैं धन्य

नेपाल अपनी उत्पत्ति काल से ही देवर्षि, महर्षियों तथा अनेक देव स्थलों का देश रहा है। यहां आज भी अनेक पौराणिक स्थल, सिद्ध संत तथा महात्माओं की जन्मभूमि और कर्मभूमि अभी मौजूद हैं, जहां नेपाल ही नहीं भारत के भी हजारों श्रद्धालु आते रहते हैं। यहां की पवित्र भूमि पर भारत से भी कई साधक संत आए और यहीं के होकर रह गए। ऐसा ही एक पवित्र स्थल स्वर्ग द्वारी है, जिसे प्रभु नाथ धाम के नाम से भी जाना जाता है। प्रभु नाथ धाम नेपाल के सुदूर पश्चिम प्यूठान जिले में ऊंचे पहाड़ पर स्थित है।

यशोदा श्रीवास्तव
लेखक

स्फूर्ति के संचार की अनुभूति

यूं तो यहां सावन मास में श्रद्धालुओं का रेला लगता है, लेकिन हाल के वर्षों से हर महीने यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु आने लगे हैं। यहां आने के लिए मुख्यतः दो रास्ते हैं। यूपी के बहराइच जिले से होकर नेपाल के बांके से होकर आ सकते हैं। इस रास्ते करीब 150 किमी दूरी तय कर भिंगरी होते हुए प्रभु नाथ धाम तक पहुंचा जा सकता हैं। दूसरा रास्ता सिद्धार्थनगर जिले के बढ़नी नेपाल सीमा पार कर कृष्णा नगर से आना होता है, जहां से बसें, छोटी बसें यहां तक आती हैं। लोग अपने निजी साधनों से भी आते हैं। बसों का किराया प्रति व्यक्ति 500 से 700 रूपए तक है। नेपाल के भालू बांग से पहाड़ के दुर्गम रास्तों से होकर भिंगरी पहुंचना होता है। भिंगरी से प्रभु नाथ धाम तक के करीब 30 किमी तक पहाड़ी मार्ग बहुत ही घुमावदार है, जिसे पूरा कर पाना बेहद कठिन है। इन कठिन मार्ग को पूरा कर श्रद्धालु प्रभु नाथ धाम के निकट वहां तक पहुंचते हैं, जहां से 700 सीढ़ी चढ़ कर इस पवित्र और पूज्यनीय स्थल तक पहुंचना होता है। जाहिर है इतनी विकट और पहाड़ की लंबी यात्रा से थकान और सुस्ती से चूर हो जाना लाजिमी है, लेकिन चमत्कार यह है कि यहां पहुंचते ही गजब की स्फूर्ति के संचार की अनुभूति होती है। प्रभुनाथ आश्रम का वृतांत अनंत है। यहां ऋषि-मुनियों की तपस्या के भी ढेरों उदाहरण हैं। इस पुण्य भूमि का खास महत्व एक चमत्कारिक संत 1008 महा प्रभु हंसानंद महराज से जाना जाता है। यह तपस्वी संत 75 वर्ष पूर्व यहीं ब्रम्हलीन हुए थे। यहीं पर उनकी समाधि है। इस स्थल की बढ़ती महत्ता को देखते हुए स्थानीय नगरपालिका प्रशासन और नेपाल सरकार ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बेहतर इंतजाम कर रखें हैं। सरकारी अस्पताल, धर्म शाला, गौशाला सब कुछ यहां उपलब्ध है।

लोकमान्यता

प्रभु हंसानंद के महात्म्य की अनेक कहानियां है। यहां मौजूद पुजारी और आसपास के लोग इसे कहानी नहीं उनका प्रताप मानते हैं। नेपाल ही नहीं भारत के प्रयागराज, हरिद्वार,काशी आदि जगहों तक उनके भक्त विराजमान हैं। प्रभु हंसानंद के विपत्ति में अपने भक्तों की मदद करने के ढेर सारी किंवदंतियां यहां हर जुबान पर हैं। बताते हैं कि सदियों पूर्व किसी ऋषि ने भविष्यवाणी की थी कि सल्यान जिले के रुमटी गांव में गौतमवंश में भगवान का अवतार होगा। उसका कर्म क्षेत्र प्युठान जिले का दुर्गम पहाड़ी होगा। आगे चलकर लोग इसे स्वर्गद्वारी के नाम से जानेंगे और यह एक सिद्धपीठ तीर्थ स्थल होगा। प्रभु हंसानंद महराज का जन्म रुमटी गांव में ही हुआ था। वे यहां आए, वर्षों तक तपस्या की और यहीं ब्रह्मलीन हुए। प्रभु हंसानंद महाराज को लोग अवतारी पुरुष मानते हैं। आगे चलकर उनके द्वारा किए गए शुभ-अशुभ भविष्यवाणियों से भी यह सिद्ध होता है। कुछ वर्ष पूर्व नेपाल में आए विनाशकारी भूकंप की भविष्यवाणी उन्होंने दशकों पूर्व की थी। यहां के

पुजारी बताते हैं कि स्वर्गद्वारी के महाप्रभु हंसानंद महाराज जी यज्ञों के साथ गोपालात्मा बनकर भगवान कृष्ण के समान हजारों गायों को पालने और उन्हें चराने का काम स्वयं करते थे। यहां आश्रम पर आज भी सैकड़ों गायों का पालन होता है। बताते हैं कि यहां आकर सच्चे मन और पवित्र भाव से मांगी गई हर मन्नत पूरी होती है। यहां आसपास के लोग बताते हैं कि भाव और श्रद्धा से जो भी स्मरण किया सबके कष्ट अवश्य ही दूर होते हैं।

पौराणिक कथा

हृदय रूपी मंदिर का रहस्य

एक बार भगवान दुविधा में पड़ गए। कोई भी मनुष्य जब मुसीबत में पड़ता है, तब मेरे पास भागा-भागा आता है। मुझे सिर्फ अपनी परेशानियां बताने लगता है। मेरे पास आकर कभी भी अपने सुख या अपनी संतुष्टि की बात नहीं करता। मेरे से कुछ न कुछ मांगने लगता है।

भगवान ने इस समस्या के निराकरण के लिए देवताओं की बैठक बुलाई और बोले- "हे देवों, मैं मनुष्य की रचना करके कष्ट में पड़ गया हूं। कोई न कोई मनुष्य हर समय शिकायत ही करता रहता है, जबकि मैं उन्हें उसके कर्मानुसार सब कुछ दे रहा हूं। फिर भी थोड़े से कष्ट में ही मेरे पास आ जाता है, जिससे न तो मैं कहीं शांतिपूर्वक रह सकता हूं, न ही शाश्वत स्वरूप में रहकर साधना कर सकता हूं। आप लोग मुझे कृपया ऐसा स्थान बताएं, जहां मनुष्य नाम का प्राणी कदापि न पहुंच सके।"

प्रभु के विचारों का आदर करते हुए देवताओं ने अपने-अपने विचार प्रकट करने शुरू किए। गणेश जी बोले- "आप हिमालय पर्वत की चोटी पर चले जाएं।" भगवान ने कहा- "यह स्थान तो मनुष्य की पहुंच में हैं।" उसे वहां पहुंचने में अधिक समय नहीं लगेगा। इंद्रदेव ने सलाह दी- "आप किसी महासागर में चले जाएं।" वरुण देव बोले- "आप अंतरिक्ष में चले जाइए।"

भगवान ने कहा- "एक दिन मनुष्य वहां भी अवश्य पहुंच जाएगा।" भगवान निराश होने लगे थे। वह मन ही मन सोचने लगे- "क्या मेरे लिए कोई भी ऐसा गुप्त स्थान नहीं हैं, जहां मैं शांतिपूर्वक रह सकूं"। अंत में सूर्य देव बोले- "प्रभु! आप ऐसा करें कि मनुष्य के हृदय में बैठ जाएं। मनुष्य अनेक स्थान पर आपको ढूंढने में सदा उलझा रहेगा, क्योंकि मनुष्य बाहर की प्रकृति की तरफ को देखता है। दूसरों की तरफ को देखता है खुद के हृदय के अंदर कभी झांककर नहीं देखता। इसलिए वह यहां आपको कदापि तलाश नहीं करेगा। करोड़ों में कोई एक जो आपको अपने हृदय में तलाश करेगा। वह आपसे शिकायत करने लायक नहीं रहेगा, क्योंकि उसकी बाहरी इच्छा शक्ति खत्म हो चुकी होगी।"

ईश्वर को सूर्य देव की बात पसंद आ गई। उन्होंने ऐसा ही किया और भगवान हमेशा के लिए मनुष्य के हृदय में जाकर बैठ गए। उस दिन से मनुष्य अपना दुख व्यक्त करने के लिए ईश्वर को मंदिर, पर्वत-पहाड़, कंदरा-गुफा ऊपर, नीचे, आकाश, पाताल में ढूंढ रहा है, पर वह मिल नहीं रहें हैं। परंतु मनुष्य कभी भी अपने भीतर ईश्वर को ढूंढने की कोशिश नहीं करता है। इसलिए मनुष्य 'हृदय रूपी मंदिर' में बैठे हुए ईश्वर को नहीं देख पाता और ईश्वर को पाने के चक्कर में दर-दर घूमता है, पर अपने हृदय के दरवाजे को खोलकर नहीं देख पाता। हृदय रूपी मंदिर में बैठे हुए ईश्वर को देखने के लिए मन रूपी द्वार का बंद होना अति आवश्यक है, क्योंकि मन रूपी द्वार संसार की तरफ खुला हुआ है और हृदय रूपी मंदिर की ओर बंद है।

-सतीश कुमार गर्ग

सेहतमंद समाज और धार्मिक संस्थाओं की भूमिका

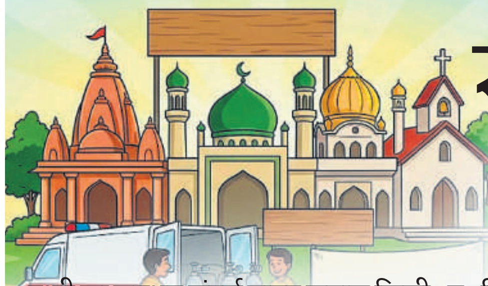

पृथ्वी का लगभग संपूर्ण मानव समाज किसी-न-किसी धर्म से जुड़ा हुआ है। मनुष्य का स्वास्थ्य, आचरण एवं व्यवहार तथा स्वास्थ्य से जुड़ी सामाजिक मान्यताएं कहीं-न-कहीं धार्मिक आस्था पर आधारित हैं। मंदिर, मठ, गुरुद्वारा, मस्जिद, गिरजाघर, आदि जैसे धार्मिक स्थल न केवल व्यक्ति की पूजा के पवित्र स्थान होते हैं, बल्कि वे समुदाय के लोगों की दैनिक दिनचर्या से जुड़े उनके सामाजिक, सार्वजनिक पहलुओं का आधार भी होते हैं। विश्वभर में प्रचलित अनेक धार्मिक संस्थाओं के बीच कुछ-न-कुछ समानता अवश्य देखी जाती है। लोगों का अपने धार्मिक स्थलों के साथ पारंपरिक अथवा औपचारिक तौर पर गहरा जुड़ाव देखा जाता है। लोगों का व्यक्तिगत अथवा समुदाय का सामूहिक स्वास्थ्य और बीमारी से जुड़े आचरण उनकी धार्मिक संस्थाओं की शक्ति से प्रभावित होने के संकेत मिलते हैं।

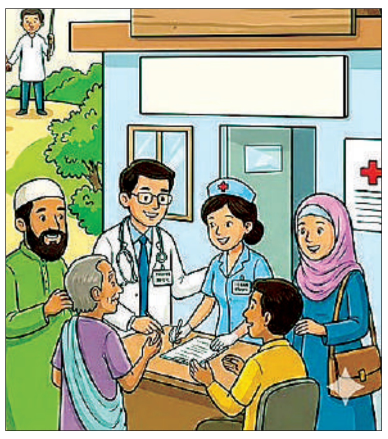

विगत वर्षों में सामान्य स्वास्थ्य को बढ़ावा देने तथा रोगों से बचने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों और आस्था से जुड़े अनेक समूहों एवं अन्य धार्मिक संस्थाओं के बीच एक सहयोग देखा जाता था। परंतु सरकारों द्वारा, खासकर कोविड-19 जैसे स्वास्थ्य संकट के दौरान मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, गिरजाघर जैसे पवित्र पूजा स्थलों के माध्यम से न केवल रोगियों, बल्कि समुदाय के सभी पीड़ित व्यक्तियों की आपातकालीन आवश्यकताओं की पूर्ति करने, आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध कराने, मौत की कगार पर खड़े रोगियों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था, ऑक्सीजन सिलेंडरों को उपलब्ध कराने जैसी अनेक गतिविधियों में सहायता प्रदान की गई।

इनके अलावा, स्थानीय रूप से व्याप्त रोगों पर नियंत्रण रखने के लिए धर्म एवं आध्यात्मिक गुरुओं द्वारा स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति शुरुआती जागरूकता उत्पन्न करने, रोग की समस्या से जुड़ी अवधारणाएं को दूर करने अथवा उन्हें मिटाने तथा रोग एवं रोगी की पहचान करने में समुदाय के लोगों की भागीदारी को बढ़ाने में बढ़-चढ़ कर सहायता प्रदान की जाती है। कोविड-19 महामारी के दौरान अनेक धार्मिक संस्थाओं द्वारा बेघर, बेरोजगार, पीड़ित-लाचार व्यक्तियों के लिए निःशुल्क भोजन, आवास एवं विकास पोषण की व्यवस्था की गई थी, जो उनकी सेवा समर्पित भावना के अद्वितीय उदाहरण हैं। टीबी और कई प्रकार के अन्य संचारी रोगों की स्थिति में भी धार्मिक संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। समुदाय में व्याप्त कुछ प्रकोपों को रोकने एवं उन पर काबू पाने में सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के संचालन में धार्मिक संस्थाओं की भूमिका पर कुछ अध्ययन किए गए हैं, परंतु सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने के लिए संचालित कार्यक्रमों में पूजा स्थलों की भूमिका की जांच पर प्रामाणिक जानकारी का अभाव रहा है। इन पहलुओं पर जानकारी समुदाय आधारित सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने के साथ-साथ समावेशी स्वास्थ्य सम्मत प्रणालियां विकसित करने में सहायक होगी। इसमें मौजूदा सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों द्वारा प्रदान की जाने वाली समावेशी स्वास्थ्य सेवाएं सम्मिलित हैं। समावेशी स्वास्थ्य एक ऐसा दृष्टिकोण है, जो गंभीर अभाव और गहरे सामाजिक बहिष्कार के परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाली अत्यधिक स्वास्थ्य असमानताओं को रोकने और उनका समाधान करने के लिए बनाया गया है। यह मूल रूप से अंतः विषयक होता है, जिसमें व्यापक पेशेवर और व्यक्तिगत अनुभव वाले विशेषज्ञों के योगदान की आवश्यकता होती है।

डॉ. कृष्णा नंद पांडेय
लेखक

विश्व के अधिकांश लोग किसी-न-किसी धर्म के अनुयायी होते हैं। प्रायः लोग नियमित रूप से अथवा विशेष अवसरों पर धार्मिक स्थलों पर एकत्रित होते हैं। ये धार्मिक स्थल सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े प्रयासों के माध्यम से समुदाय के लोगों में रोगों पर नियंत्रण रखने के प्रति न केवल जागरूकता पैदा कर सकते हैं, बल्कि विकट स्थितियों में यथासंभव रोगियों और उनके परिजनों को सहायता भी उपलब्ध कराने में सक्षम होते हैं। रोगियों की नकारात्मक मनोदशा को दूर करने, उन्हें भावनात्मक और मानवीय सहायता प्रदान करने, समुदाय के साथ अनुकूल संबंधों को बढ़ावा देने के माध्यम से उनमें आत्मविश्वास पैदा करने में भी सहायता प्रदान करते हैं। व्यक्तियों में हेल्दी बिहेवियर यानी स्वास्थ्य संवर्धक आदतें विकसित करने, रोगों की व्यापकता फैलने से रोकने के लिए व्यक्तियों को बेहतर जानकारी उपलब्ध कराने, समुदाय के लोगों तथा स्वास्थ्य सुरक्षा प्रणालियों के बीच विश्वासपूर्ण संबंध विकसित करने के साथ-साथ स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच से दूर सुदूर स्थित समुदायों को भी सहायता प्रदान करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के अधिकारियों को जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सहायता प्रदान करने हेतु प्रेरित करने में भी इन धार्मिक स्थलों की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कुल मिलाकर ये सारी गतिविधियां समुदाय के लोगों को रोग से संबंधित गंभीर परिस्थितियों से निपटने के प्रति आत्मविश्वास पैदा करने तथा उनकी क्षमता को बढ़ाने में धार्मिक स्थलों का एक महत्वपूर्ण योगदान होता है।

बोध कथा

समय और भाग्य

एक सेठ थे, जिनके पास काफी दौलत थी। सेठ जी ने अपनी बेटी की शादी एक बड़े घर में की थी। परंतु बेटी के भाग्य में सुख न होने के कारण, उसका पति जुआरी, शराबी निकल गया, जिससे सब धन समाप्त हो गया। बेटी की यह हालत देखकर सेठानी जी रोज सेठ जी से कहती कि आप दुनिया की मदद करते हो, मगर अपनी बेटी परेशानी में होते हुए उसकी मदद क्यों नहीं करते हो? सेठ जी ले कहा- "जब उनका भाग्य उदय होगा, तो अपने आप सब मदद करने को तैयार हो जाएंगे।" एक दिन सेठ जी घर से बाहर गए थे कि तभी उनका दामाद घर आ गया। सास ने दामाद का आदर-सत्कार किया और बेटी की मदद करने का विचार उसके मन में आया कि क्यों न मोतीचूर के लड्डूओं में अशर्फियां रख दी जाएं।

यह सोचकर सेठानी ने लड्डूओं के बीच में अशर्फियां दबाकर रख दीं और दामाद को टीका लगाकर विदा करते समय पांच किलो शुद्ध देशी घी के लड्डू, जिनमें अशर्फियां थीं, दिए। दामाद लड्डू लेकर घर से चला, दामाद ने सोचा कि इतना वजन कौन लेकर जाए! क्यों न यहीं मिठाई की दुकान पर बेच दिए जाएं। दामाद ने वह लड्डूओं का पैकेट मिठाई वाले को बेच दिया और पैसे जेब में डालकर चला गया। उधर सेठ जी बाहर से आए तो उन्होंने सोचा घर के लिए मिठाई की दुकान से मोतीचूर के लड्डू लेता चलूं और सेठ जी ने दुकानदार से लड्डू मांगे। मिठाई वाले ने वही लड्डूओं का पैकेट सेठ जी को वापिस बेच दिया। सेठ जी लड्डू

लेकर घर आए। सेठानी ने जब लड्डूओं का वही पैकेट देखा तो सेठानी ने लड्डू फोड़कर देखे, अशर्फियां देखकर अपना माथा पीट लिया।

सेठानी ने सेठ जी को दामाद के आने से लेकर जाने तक और लड्डूओं में अशर्फियां छिपाने की बात कह डाली। सेठ जी बोले-"भाग्यवान मैंनें पहले ही समझाया था कि अभी उनका भाग्य नहीं जागा। देखा मोहरें न तो दामाद के भाग्य में थी और न ही मिठाई वाले के भाग्य में। इसलिये कहते हैं कि भाग्य से ज्यादा और समय से पहले न किसी को कुछ मिला है और न मीलेगा।" कथा से सीख मिलती है कि ईश्वर जितना दे उसी मैं संतोष करना चाहिए।

-ऋतु गुप्ता

झूठ और मिथ्याचार के जंगलों में मत भटकिए

हमारी अंतरात्मा जिस कार्य को उचित कहती या स्वीकार करती है, उस आचरण को करने वाला ईमानदार कहा जाता है। वास्तव में सदचरित्र का संबंध मानव के गुप्त मन से होता है। सही कार्य करने में हमें अंदर से ही एक गुप्त शांति और संतोष का अनुभव होता है। इसके विपरीत आत्मा का हनन कर छल-कपट व गलत तरीके से कार्य करने पर हमारा गुप्त मन हमें अंदर ही अंदर कचोटता रहता है। हमें शांति नहीं मिलती। हमेशा यह गुप्त भय रहता है कि हमारे इस गलत कार्य या चोरी किसी को किसी दिन किसी भी समय पता न चल जाए। हनन की हुई आत्मा ही हमें गलत की ओर जाने देती है और दुष्कर्म कराती है। असत्य या बेईमानी के कार्य द्वारा असत्य कार्य करने, रिश्वत, चोर बाजारी आदि चोरियां करने से धीरे-धीरे हमारी अंतरात्मा मर जाती है। हनन की हुई आत्मा में सत्य-असत्य, धर्म-अधर्म, उचित-अनुचित का विवेक नहीं रहता।

डॉ. प्रदीप द्विवेदी 'रमण'
आध्यात्मिक लेखक

बहुत से व्यक्ति चोरी करते हुए भी बाहर से संतुष्ट से दिखते हैं, पर बुरे कार्यों की सूक्ष्म रेखाएं अंतश्चेतना के ऊपर अंकित होती रहती हैं और मन पर सदा आघात करती हैं। एक न एक दिन पाप प्रकट होता ही है और करनी का फल भुगतना ही पड़ता है। सही मार्ग के साथ आपको आत्मा की दैवी शक्तियों का भी सहयोग मिलता रहेगा। सच्चे व्यक्ति को कभी किसी गुप्त भेद के प्रकट होने का कोई भय नहीं होता। वह तो खरा है। चाहे किसी कसौटी पर कस लीजिए, सदैव चमकता ही रहेगा। सत, चित, आनंदस्वरूप आत्मा इसीलिए इस धरती पर भेजा गया है कि वह सत्य का अनुसरण करे, असत्य या झूठ के अंधकार से बचा रहे, जो व्यक्ति यह समझता है कि बेईमानी से, लोगों की आंखों में धूल झोंककर बढ़ता रहेगा, वह वास्तव में बड़ी भूल करता है। बेईमानी, चोरी, रिश्वत, छल-कपट तो एक प्रकार की अग्नि है। वह कब छिपती है? उसे चाहे सौ पर्दों में रखा जाए, एक न एक दिन पर्दों को जलाकर प्रकट हो ही जाती है। धोखा या बेईमानी चार दिन ही फलती-फूलती सी दिखती है। वास्तव में वह नीचे की ओर गिरता जाता है। दीपक जब बुझने को होता है, तब तेजी से चमक कर शान्त हो जाता है।

इसी प्रकार इन सबसे क्षणभर के लिए समृद्धि प्रतीत होते है, पर चोरी के प्रकट होते ही वे ऐसे गहरे गड्ढे में गिर पड़ते हैं, जिससे निकलना असंभव सा हो जाता है। वे दीर्घकाल तक असत्य के अंधकार में भटकते रहते हैं। सच्चे और ईमानदार गरीब होकर भी पूजे जाते हैं, झूठे और बेईमान ठगी से अमीर होकर भी तिरस्कृत होते हैं। आप सत्य के यात्री हैं। सत्यस्वरूप आत्मा हैं। झूठ और मिथ्याचार के सुहावने दिखने वाले भयानक जंगलों में मत भटकिए। ध्यान रहे जो पैसा दूसरों को रूलाते हुये हड़प लिया जाता है, वह लेने वाले को नष्ट करके ही विदा होता है। सत्यता और ईमानदारी धर्मात्मा मनुष्य के भूषण हैं। ये ईश्वर की सत्ता के द्योतक हैं। मरते दम तक इन दिव्य गुणों का ह्रास मत होने दीजिएगा। यदि हमारी आजीविका झूठ, अन्याय, छल, कपट से कमाई हुई है, तो उस पर पलने वाली हमारी संतान भी उसका उपयोग करने पर अधिकाधिक अन्याय, झूठ और धूर्तता की ओर बढ़ती जायेगी और हमारी आने वाली पीढ़ी को भी दुखी बना डालेगी। ऐसी कमाई कमाईए, जिससे दुनिया के किसी व्यक्ति के सामने आंखें नीची न करनी पड़ें।

असत्यभाषण, क्रोध, काम इत्यादि दुष्ट मनोविकारों के वशीभूत होकर हम कई गलतियां, बेईमानी, कपट, मिथ्याचार किया करते हैं। ये दोष मन के मन में ही रह जाते हैं। मन ही चोरी से हमें पथभ्रष्ट करता है। मन के ये राक्षस किसी न किसी काने में छिपकर उभर उठने की प्रतीक्षा किया करते है। यदि हम इन्हें मन में छिपाए रहें तो हमें सदा यह भय रहता है कि न जाने ये कब उठकर हमें गिरा देंगे। इसीलिए प्रतिदिन अपना निरीक्षण करते रहना चाहिए।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	78,520.30	24,364.85
गिरावट	26.76	11.30
प्रतिशत में	0.03%	0.05

सोना 1,57 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,57 लाख रुपये प्रति किलो

अमृत विचार
अयोध्या, मंगलवार, 21 अप्रैल 2026
www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

रेनो डस्टर को मिली 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में फिर से लॉन्च हुई रेनो डस्टर एसयूवी ने 'भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम' के क्रैश टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग हासिल की है। रेनो इंडिया के अनुसार, डस्टर ने वयस्क सुरक्षा में 32 में से 30.49 अंक और बच्चों की सुरक्षा श्रेणी में 49 में से 45 अंक प्राप्त किए। कंपनी के इंजीनियरिंग प्रमुख वी. विक्रमन ने बताया कि वाहन को भारतीय सड़कों की वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप कड़े परीक्षणों से गुजारा गया है, जिससे यह उपलब्धि हासिल हुई।

मिनी कारों की बिक्री दोगुनी करेगी बीएमडब्ल्यू

नई दिल्ली। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने साल 2026 में अपने प्रीमियम ब्रांड मिनी की बिक्री को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। कंपनी के अध्यक्ष और सीईओ हरदीप सिंह बरार ने सोमवार को कहा कि स्थानीय उत्पादन, नए मॉडल्स और बिक्री नेटवर्क के विस्तार के दम पर यह मुकाम हासिल किया जाएगा। आंकड़ों के मुताबिक, 2025 में मिनी की 730 इकाइयां बिकी थीं, जबकि 2026 की पहली तिमाही में ही 42% की उछाल के साथ 213 कारें बिक चुकी हैं। कंपनी इस साल के मध्य तक भारत में निर्मित 'मिनी कंट्रीमैन' लॉन्च करने और नौ विशेष संस्करण पेश करने की तैयारी में है। बरार के अनुसार, यदि लक्ष्य पूरा हुआ तो यह भारत में मिनी के लिए अब तक का सबसे सफल साल होगा।

कोलकाता से कुनमिंग के बीच शुरू हुई विमान सेवा

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच हवाई संपर्क को मजबूती देते हुए चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस ने कोलकाता और कुनमिंग के बीच अपनी सीधी उड़ान सेवाएं फिर से शुरू कर दी हैं। सोमवार को एयरलाइंस ने बताया कि 19 अप्रैल को दोनों शहरों के बीच पहली सीधी उड़ान संचालित की गई। कोरोना काल के बाद दोनों देशों के बीच हवाई सेवाओं को धीरे-धीरे बहाल किया जा रहा है। पिछले साल दिल्ली-शंघाई मार्ग के बाद अब कोलकाता-कुनमिंग मार्ग पर सेवाएं शुरू की गई हैं, जो सप्ताह में छह दिन उपलब्ध होंगी। कोलकाता हवाई अड्डे पर आयोजित उद्घाटन समारोह में चीन के महावाणिज्य दूत शू वेई और एयरलाइन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। कुनमिंग-कोलकाता मार्ग रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जिंदल स्टेनलेस का खुदरा बाजार में कदम

नई दिल्ली। देश की बड़ी स्टील कंपनी जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (JSL) ने सोमवार को खुदरा बाजार में उतरने का एलान किया। कंपनी ने निर्माण क्षेत्र के लिए 'जिंदल इन्फिनिटी' ब्रांड नाम से स्टेनलेस स्टील सरिया पेश किया है। इस रणनीतिक विस्तार के जरिए कंपनी अब सीधे आम उपभोक्ताओं, बिल्डरों और कारीगरों तक अपनी पहुंच बनाएगी।

कोर सेक्टर का उत्पादन मार्च में 0.4 प्रतिशत गिरा

अर्थव्यवस्था सुस्तः 5 महीने की बढ़त पर लगा ब्रेक

नई दिल्ली, एजेंसी

- वित्त वर्ष 2025-26 की कुल वृद्धि घटकर 2.6% रही, कोरोना के बाद का सबसे निचला स्तर

एक नजर में आंकड़े

मार्च में किसका कैसा रहा प्रदर्शन

- उर्वरक: -24.6% ↓
- कच्चा तेल: -5.7% ↓
- कोयला: -4.0% ↓
- बिजली: -0.5% ↓
- प्राकृतिक गैस: +6.4% ↑
- सीमेंट: +4.0% ↑
- इस्पात: +2.2% ↑
- रिफाइनरी उत्पाद: +0.1% ↑

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के 'इंजन' कहे जाने वाले आठ प्रमुख उद्योगों (Core Sector) को तगड़ा झटका लगा है। मार्च महीने में इन उद्योगों के उत्पादन में सालाना आधार पर 0.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। पिछले साल मार्च में यह 4.5 प्रतिशत और इस साल फरवरी में 2.8 प्रतिशत बढ़ा था।

चार क्षेत्रों में सुस्ती, चार में बढ़तः वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, आठ प्रमुख क्षेत्रों में से आधे (चार क्षेत्रों) में उत्पादन घटा है। सबसे बुरा असर उर्वरक उत्पादन पर पड़ा, जिसमें 24.6% की भारी कमी आई है। इसके अलावा कच्चे तेल का उत्पादन 5.7%, कोयला 4% और बिजली उत्पादन 0.5% घटा है। वहीं, प्राकृतिक गैस (6.4%), सीमेंट (4%), इस्पात (2.2%) और रिफाइनरी उत्पादों (0.1%) में मामूली बढ़त दर्ज की गई।

कोरोना काल के बाद सबसे कमजोर सालः अक्टूबर 2025 के बाद यह पहली बार है जब कोर सेक्टर का उत्पादन नकारात्मक रहा है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो कुल वृद्धि दर 2.6 प्रतिशत रही। यह वित्त वर्ष 2020-21 (कोरोना काल) के बाद का सबसे निचला स्तर है, जब 6.4% की गिरावट दर्ज की गई थी। तुलनात्मक रूप से, वित्त वर्ष 2024-25 में यह वृद्धि 4.5 प्रतिशत रही थी।

जायद फसलों की 69.06 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बुवाई

नई दिल्ली, एजेंसीः देश में ग्रीष्मकालीन यानी जायद फसलों का रकबा इस साल अब तक हल्की बढ़त के साथ 69.06 लाख हेक्टेयर हो गया है, जिसमें सबसे अधिक क्षेत्र धान के तहत है। कृषि मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

जायद फसलें फरवरी से जून महीने के बीच बोई जाती हैं। रबी (सर्दियों) की फसलों की कटाई और खरीफ (मानसून) फसलों की बुवाई के बीच के समय में जायद फसलों की खेती होती है। पिछले साल इसी अवधि में 66.14 लाख हेक्टेयर में जायद फसलों की बुवाई हुई थी। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, 17 अप्रैल तक धान की बुवाई 30.64 लाख हेक्टेयर में हुई है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 32.31 लाख हेक्टेयर थी।

अमेरिका में भारतीय सामान बेचना होगा आसान, सरकार कर रही है खास तैयारी

नई दिल्ली

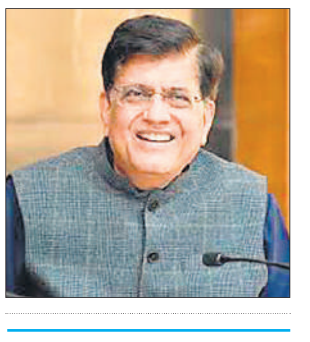

- वाशिंगटन में भारतीय टीम की अहम बैठकः पीयूष गोयल बोले-समझौता अंतिम चरण में

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत अमेरिका के साथ अपने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि भारतीय अधिकारियों का एक दल इस समय वाशिंगटन में है, जो अमेरिकी बाजार में घरेलू उत्पादों के लिए 'तरजीही बाजार पहुंच' सुनिश्चित करने पर चर्चा करेगा।

गोयल ने बताया कि भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (Trade Deal) का पहला चरण लगभग तैयार है। उन्होंने कहा कि हम ऐसी व्यवस्था बनाना चाहते हैं जिससे हमारे व्यापारियों को अमेरिकी बाजार में अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में ज्यादा लाभ मिले। गौरतलब है कि अमेरिका में हाल ही में शुल्क (टैरिफ) परिदृश्य में आए बदलावों के बाद दोनों देश समझौते की रूपरेखा पर पुनर्विचार कर रहे हैं।

क्या है मामला?

फरवरी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए शुल्कों के खिलाफ वहां के उच्चतम न्यायालय ने फैसला सुनाया था। इसके बाद ट्रंप प्रशासन ने 24 फरवरी से सभी देशों पर 10% शुल्क लगा दिया। पुराने समझौते के तहत अमेरिका भारत पर शुल्क 50% से घटाकर 18% करने और रूसी तेल खरीद के कारण लगे 25% अतिरिक्त शुल्क को हटाने पर सहमत था। अब बदले हुए नियमों के बीच वाशिंगटन में हो रही तीन दिवसीय वार्ता में इन दरों को फिर से तय किया जाएगा।

राज्यों के पूंजीगत व्यय की रफ्तार होगी धीमी

मुंबई, एजेंसी

- चेतावनीः बढ़ते राजस्व खर्च और भू-राजनीतिक तनाव से घटेगा बुनियादी ढांचा निवेश

रेटिंग एजेंसी केयरएज रेटिंग्स ने सोमवार को राज्यों के वित्तीय स्वास्थ्य पर एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 में राज्यों के पूंजीगत व्यय की वृद्धि दर घटकर 8-10 प्रतिशत रह सकती है। यह पिछले वित्त वर्ष की 17 प्रतिशत की वृद्धि दर के मुकाबले एक बड़ी गिरावट को दर्शाता है।

रेटिंग एजेंसी के अनुसार, पूंजीगत व्यय में इस सुस्ती का मुख्य कारण राजस्व व्यय में बढ़ोतरी और राजस्व वृद्धि की धीमी रफ्तार है। रिपोर्ट में आगाह किया गया है कि राजस्व घाटाः सकल राज्य घरेलू उत्पाद (GSDP) का राजस्व घाटा, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 0.8 प्रतिशत था, 2026-27 तक बढ़कर 1.2 प्रतिशत तक पहुँच सकता है। राज्यों की राजस्व प्राप्तियां वित्त वर्ष 2025-26 में 6.2% और 2026-27 में 7.9% बढ़ने का अनुमान है, जो जीएसडीपी की सामान्य वृद्धि दर से भी कम है।

केयरएज रेटिंग्स के सह निदेशक प्रसन्ना कृष्णन ने बताया कि केंद्र से मिलने वाले अनुदान में कमी और वैश्विक चुनौतियों के कारण राज्यों की आय मध्यम रहेगी। इसके अलावा, पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ऊर्जा की बढ़ती कीमतें राज्यों के खजाने पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती हैं, जिससे विकास कार्यों के लिए उपलब्ध धन कम हो सकता है।

कल्याणकारी योजनाओं और निवेश के बीच संतुलन की चुनौती

रिपोर्ट के मुताबिक, सामाजिक योजनाओं पर निरंतर खर्च, विभिन्न योजनाओं में राज्यों की बढ़ती हिस्सेदारी और वस्तु एवं ईंधन की ऊँची कीमतों के कारण राजस्व व्यय ऊँचा बना रहेगा। ऐसे में राज्यों के सामने जनकल्याणकारी खर्च और बुनियादी ढांचे के निवेश के बीच संतुलन बनाए रखते हुए वित्तीय अनुशासन का पालन करना एक कड़ी चुनौती होगी।

उत्तर प्रदेश का प्रदर्शन रहा बेहतर

चुनौतियों के बावजूद, रिपोर्ट में कुछ प्रमुख राज्यों की सराहना की गई है जिन्होंने बुनियादी ढांचा विकास पर अपना ध्यान केंद्रित रखा है। इनमें उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और तेलंगाना शामिल हैं। केयरएज ने यह विश्लेषण देश के उन 15 प्रमुख राज्यों के आंकड़ों के आधार पर किया है, जिनकी भारत की कुल जीएसडीपी में 89 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 25 सितंबर से, तैयारी शुरू

लखनऊ, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2026 का चौथा संस्करण 25 से 29 सितंबर 2026 तक आयोजित होगा। तैयारियों को लेकर लोक भवन में अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि आयोजन बड़े पैमाने पर होगा और प्रस्तुतीकरण को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। सरकार ने जनसंचार रणनीति मजबूत करने के निर्देश दिए हैं, ताकि मीडिया और अंतरराष्ट्रीय खरीदारों की भागीदारी बढ़े। ट्रेड शो को "ग्लोबल सोर्सिंग प्लेटफॉर्म" के रूप में विकसित करने पर जोर है, जिससे प्रदेश के उत्पादों को वैश्विक बाजार मिल सके। स्टॉल दरें 7,500 से 8,000 रुपये तय की गई हैं। "सीएम युवा" पवेलियन का विस्तार कर स्टार्टअप और नवाचार आधारित उद्यमिता को बढ़ावा दिया जाएगा।

पंचायतों को 1000 करोड़ की पहली किस्त जारी

अमृत विचारः प्रदेश सरकार ने पंचायतीराज संस्थाओं को वित्तीय वर्ष 2026-27 के तहत अप्रैल माह के लिए 1000 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी कर दी है।

पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के आधार पर यह धनराशि जिला, ब्लॉक और ग्राम पंचायतों के बीच निर्धारित अनुपात में वितरित की जाएगी।

व्यापार निगरानी रिपोर्ट की चेतावनीः बढ़ सकता है व्यापार घाटा, रुपए पर बढ़ेगा दबाव

पश्चिम एशिया संकट से भारत की आर्थिक स्थिरता को खतराः नीति आयोग

नयी दिल्ली, एजेंसी

नीति आयोग ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए चिंता जताई है। सोमवार को जारी 'व्यापार निगरानी' रिपोर्ट में कहा गया है कि इस क्षेत्र में अस्थिरता के कारण 'चालू खाते का घाटा' बढ़ने और मुद्रा के विनिमय मूल्य पर दबाव पड़ने से भारत की व्यापारिक और व्यापक आर्थिक स्थिरता को जोखिम हो सकता है।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि पश्चिम एशिया के संकट ने भारत और खाड़ी देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते की प्रगति को धीमा कर दिया है। इससे भारतीय उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहुंच और व्यापार के विस्तार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यापारिक समझौते दोनों पक्षों के हितों पर आधारित होते हैं। यदि हम विदेशी बाजारों तक पहुंच चाहते हैं, तो हमें भी अपने बाजार में दूसरों का स्वागत करना चाहिए। उनके अनुसार, आयात ही घरेलू उद्योगों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने के लिए प्रेरित करते हैं। सुमन बेरी ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का सेवा व्यापार और वस्तु व्यापार मजबूत बना हुआ है। पिछले दो दशकों में भारत की छह प्रतिशत की औसत विकास दर इसकी आर्थिक मजबूती का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

रिपोर्ट में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को मजबूती देने के लिए पूंजी की लागत कम करने और वित्तीय संसाधनों के विस्तार पर जोर दिया गया है। आयोग ने छोटे उद्यमियों को बिना किसी सुरक्षा के ऋण उपलब्ध कराना, उद्योगों के लिए ऋण गारंटी योजना और ब्याज दर में छूट देने और माल की आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष धन की व्यवस्था करने के सुझाव दिए हैं।

भारत के रत्न एवं आभूषण निर्यात को वैश्विक स्तर पर और अधिक मूल्यवान बनाने के लिए रिपोर्ट में नीतिगत बदलावों की सिफारिश की गई है। इसके तहत साधारण आभूषणों के स्थान पर 'उच्च मूल्य' वाले निर्यात और विशेष बनावट वाले विनिर्माण पर ध्यान देने को कहा गया है। साथ ही क्षेत्रीय पहचान वाले (जीआई) उत्पादों और पुरुषों के आभूषणों के बाजार को बढ़ाने का सुझाव दिया गया है।

प्रशासनिक सुधारों के लिए सुझाव

व्यापार को सहज बनाने के लिए रिपोर्ट में कुछ प्रशासनिक सुधारों की बात कही गई है। इनमें सीमा शुल्क और व्यापार महानिदेशालय की प्रक्रियाओं को सरल और सुगम बनाना। माल के दोबारा आयात या निर्यात की कानूनी जटिलताओं को दूर करना। बेहतर नीतियां बनाने के लिए रत्न एवं आभूषण क्षेत्र से संबंधित सटीक और अलग आंकड़े तैयार करना शामिल है।

रुपया 25 पैसे टूटकर 93.16 प्रति डॉलर पर

मुंबई, एजेंसीः पश्चिम एशिया में फिर से तनाव बढ़ने के बीच अमेरिकी डॉलर की मांग में तेजी और कच्चे तेल में मजबूती रहने से सोमवार को रुपया शुरुआती बढ़त गंवाकर 25 पैसे टूटकर 93.16 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर गतिरोध बने रहने से वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है और ईरान एवं अमेरिका के बीच ताजा टकराव के कारण डॉलर की मांग बढ़ने से रुपये पर दबाव बना रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 92.73 पर खुला और कारोबार के दौरान 92.70 के उच्च स्तर तक गया। हालांकि, कारोबार के दौरान रुपये ने 93.24 प्रति डॉलर के निचले स्तर को भी छुआ।

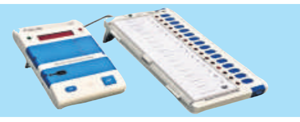

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

नायडू ने महिला आरक्षण विधेयक रोकने के लिए द्रमुक-कांग्रेस की आलोचना की

कोयंबटूर, एजेंसी

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने महिला आरक्षण विधेयक को रोकने के लिए तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी द्रमुक, कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन के सभी दलों पर सोमवार को हमला बोला। विजयवाड़ा से आज दोपहर यहां पहुंचे नायडू अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले राजग उम्मीदवारों के प्रचार के लिए आये थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संसद में पेश किये गये परिसीमन प्रस्तावों और महिला आरक्षण विधेयक जैसे महत्वपूर्ण विधेयक का विरोध करने के लिए विपक्षी दलों पर महिलाओं के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि इन विधेयकों का विरोध करके द्रमुक और उसके सहयोगियों ने राजग को नहीं, बल्कि महिलाओं को हराया है। नायडू ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के वास्तविक इरादे से लाया गया था लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने वाली कांग्रेस-द्रमुक ने राजनीतिक कारणों से इसे पारित होने से रोक दिया। उन्होंने आगे कहा कि इस विधेयक को अवरुद्ध कर, कांग्रेस और द्रमुक ने उन महिलाओं के साथ अन्याय किया है जो लंबे समय से समान प्रतिनिधित्व का इंतजार कर रही थीं। उन्होंने मांग की कि द्रमुक महिला आरक्षण विधेयक का विरोध करने पर अपना रुख स्पष्ट करे और महिलाओं के अधिकारों के प्रति अपने दृष्टिकोण की व्याख्या करे।

राजग गठबंधन की सहयोगी तेदेपा अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया से आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे दक्षिणी राज्यों में संसदीय सीटें बढ़ जातीं।

गृहमंत्री जातीय जनगणना पर अपने इरादे स्पस्ट करें: तेजस्वी

पटना, एजेंसी

राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने जनगणना-2027 की स्व-गणना प्रक्रिया के तहत अपना पंजीकरण सोमवार को पूरा किया और कहा कि गृहमंत्री को यह स्पस्ट करना चाहिए कि वह जातीय जनगणना के विषय पर क्या इरादा रखते हैं।

यादव ने कहा कि जातीय जनगणना पर संसद में अपनी बात कहते समय देश के गृहमंत्री अमित शाह को इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि वर्ण-व्यवस्था में बँटे भारतीय समाज में जाति के नाम पर मकान ही नहीं बल्कि मोहल्ले टोले, इलाके और संपूर्ण गांव भी होते है। देश के अधिकांश राज्यों में असंख्य गांवों के नाम ही जातिसूचक है।

संघ प्रमुख त्रिपुरा यात्रा पर पहुंचे

अगरतला, एजेंसी : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भगवत दो दिवसीय दौरे पर सोमवार को त्रिपुरा पहुंचे। इस दौरान वह मोहनपुर क्षेत्र में एक मंदिर का उद्घाटन करेंगे। प्रदेश के पश्चिम त्रिपुरा जिले में स्थित एक धार्मिक संगठन चिन्मय मिशन के परिसर में मां सौदर्य चिन्मयी मंदिर स्थित है जो देवी त्रिपुर सुंदरी को समर्पित है।

बंगाल में भाजपा दुर्गा स्क्वाड बनाएगी सातवां वेतन आयोग लागू करेगी : राजनाथ

सैंथिया (पश्चिम बंगाल), एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को तृणमलू कांग्रेस पर पश्चिम बंगाल को अराजकता के दौर में धकेलने का आरोप लगाया। उन्होंने वादा किया कि अगर बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनती है, तो महिलाओं की सुरक्षा के लिए दुर्गा स्क्वाड का गठन किया जाएगा और राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए सातवां वेतन आयोग लागू किया जाएगा।

राजनाथ ने बीरभूम जिले के सैंथिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल पर बंगाल में भय, भ्रष्टाचार और अराजकता का माहौल कायम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि असुरक्षा और सरकारी समर्थन की कमी के कारण उद्योग और निवेशक राज्य छोड़कर जा रहे हैं। राजनाथ ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तरक्की कर रहा है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से पूछा कि देश के अन्य हिस्सों में विकास के बावजूद उनका राज्य क्यों पिछड़ रहा है। राजनाथ ने कहा कि तृणमूल सरकार के तहत भ्रष्टाचार बढ़ा है, भूमि माफिया बढ़े हैं और भाई-भतीजावाद बढ़ा है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा राज्य में सरकार बनाती है, तो गुंडे और अपराधी या तो जेल में होंगे या अपने घरों में छिपते फिरेंगे।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सोमवार को पश्चिम बंगाल के बीरभूम में एक जनसभा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह (बीच में) का भाजपा नेता स्वागत करते हुए।

रक्षा मंत्री ने आरोप लगाया कि जहां अन्य राज्यों में बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है, वहीं गुंडों और अपराधियों की मौजूदगी तथा राज्य सरकार से सुरक्षा के अभाव के कारण निवेशक बंगाल आने से हिचकिचा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल के शासन में बंगाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति में तेजी से गिरावट आई है और राज्य में महिलाएं अब सुरक्षित महसूस नहीं करतीं। राजनाथ ने ममता के बांग्ला निजेर मेयेकेई चाय का जिक्र करते हुए कहा कि आज बंगाल की माताएं, बहनें और बेटियां भी सुरक्षित महसूस नहीं करतीं। हत्या, लूटपाट और अन्य अपराध खुलेआम हो रहे हैं। उन्होंने वादा किया कि भाजपा सरकार महिलाओं के खिलाफ अपराधों से निपटने के लिए दुर्गा स्क्वाड का गठन करेगी। राजनाथ ने कहा कि महिलाओं पर अत्याचार के लिए हम दुर्गा स्क्वाड बनाएंगे। महिलाओं को परेशान करने वाले किसी भी व्यक्ति को कड़ी सजा दी जाएगी। उन्होंने दावा किया कि राज्य में भय का माहौल है और लोग भाजपा के लिए खुले तौर पर समर्थन व्यक्त करने से डरते हैं। राजनाथ ने कहा कि राजनीति "न्याय और मानवता" पर आधारित होनी चाहिए, न कि धर्म या जाति पर।

उन्होंने बेरोजगारी को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए दावा किया कि बंगाली युवा काम की तलाश में दूसरे राज्यों में पलायन कर रहे हैं। राजनाथ ने बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का वादा करते हुए कहा कि भाजपा राज्य में पांच साल में पांच लाख नौकरियां उपलब्ध कराएगी। उन्होंने राज्य सरकार के कर्मचारियों को भरोसा दिलाया कि भाजपा सत्ता संभालने के डेढ़ महीने के भीतर सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करेगी।

बांग्लादेश से घुसपैठ के मुद्दे का जिक्र करते हुए राजनाथ ने आरोप लगाया कि तृणमूल सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने के काम में देरी की है। उन्होंने दावा किया कि जब मैं केंद्रीय गृह मंत्री था, तब मैंने भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन की मांग की थी। राज्य सरकार ने जमीन उपलब्ध कराने का वादा किया था, लेकिन लंबे समय तक ऐसा नहीं किया। अंततः अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा और तभी जमीन उपलब्ध कराई गई।

राजनाथ ने कहा कि भाजपा घुसपैठ रोकने के लिए कड़े कदम उठाएगी और सीमा पर बाड़ लगाने का काम भी पूरा करेगी।

विपक्ष नहीं चाहता महिलाओं की भागीदारी बढ़ेः सम्राट

पटनाः बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) समेत अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टियां नहीं चाहतीं कि सामान्य और गरीब वर्ग की महिलाएं सांसद और विधायक बनें। चौधरी ने कहा राहुल गांधी केवल अपनी बहन प्रियंका गांधी वाद्रा और राजद नेता लालू प्रसाद यादव अपनी बेटी को सांसद देखना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों के महिला मोर्चा के आह्वान पर निकाली गई जन-आक्रोश महिला पदयात्रा में भाग लेने के बाद आयोजित सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। यह पदयात्रा महिला आरक्षण संशोधन अधिनियम, यानी लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण से संबंधित विधेयक के लोकसभा में पारित नहीं हो पाने के विरोध में आयोजित की गई।

उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक विधेयक नहीं है, यह देश की आधी आबादी से जुड़ा सवाल है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

मादक पदार्थों की तस्करी कर रही नौका पर हमले में तीन मरे

वॉशिंगटन। अमेरिकी सेना ने कैरेबियाई सागर में मादक पदार्थ ले जा रही एक नौका पर रविवार को हमला किया जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। अब तक ऐसे हमलों में लगभग 181 लोग मारे जा चुके हैं। इसी तरह के हमले पूर्वी प्रशांत महासागर में भी हुए हैं। ईरान युद्ध के बावजूद पिछले करीब एक सप्ताह में इस तरह के हमले फिर तेज हुए हैं। इससे संकेत मिलता है कि पश्चिमी गोलार्ध में मादक पदार्थ आतंकवाद को रोकने के लिए अमेरिका के आक्रामक कदमों में कोई कमी नहीं आई है। अमेरिकी सेना ने हालांकि यह साबित करने के लिए कोई साक्ष्य नहीं दिया है कि जिन पोतों को निशाना बनाया गया, उनमें मादक पदार्थ थे।

लंदन: यहूदी उपासना गृह में आगजनी के आरोप में दो गिरफ्तार

लंदन। ब्रिटिश पुलिस ने उत्तर-पश्चिमी लंदन के एक यहूदी उपासना गृह में सप्ताहांत हुई आगजनी की घटना के सिलसिले में दो किशोरों को गिरफ्तार किया है। यहूदी समुदाय के नेताओं ने अपने संस्थानों को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों की बढ़ती घटनाओं पर गहरी चिंता जताई है। लंदन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस सेवा के उपायुक्त हेलेन मैक्ज्यूज ने सोमवार को बताया कि हेरो स्थित केंटन यूनाइटेड सिनेगॉग पर हुए हमले में 17 और 19 वर्ष के दो किशोरों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ हफ्तों में यहूदी ठिकानों और ईरान सरकार के आलोचक एक फारसी मीडिया संगठन पर हुए छह हमलों के संबंध में अब तक 15 गिरफ्तारियां की जा चुकी हैं।

राजस्थान में हवाई हमले से बचाव के लिए होगा ब्लैक आउट

अलवर। राजस्थान के अलवर जिले में नागरिक सुरक्षा तैयारियों के मद्देनजर बाहरी/हवाई आक्रमण से बचाव एवं आवश्यक तैयारियों के तहत मंगलवार को सायं साढ़े छह बजे से अभ्यास का आयोजन किया जाएगा। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया अभ्यास बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय में होगा और ब्लैक आउट रात करीब पौने आठ बजे से इसी महाविद्यालय के आसपास के क्षेत्र जिसमें कर्मचारी कॉलोनी, अशोक विहार, रेलवे पुलिया के निकट क्षेत्र में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ब्लैक आउट किये जाने वाले क्षेत्र में रात्रि के समय सायरन बजा कर स्थानीय नागरिकों को ब्लैक आउट की सूचना दी जाएगी।

प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटन से ऐन पहले राजस्थान की रिफाइनरी में भीषण आग

फायर ब्रिगेड की 20 से ज्यादा टीमों ने घंटों मशक्कत के बाद पाया काबू, जांच का आदेश

जयपुर/नई दिल्ली, एजेंसी

राजस्थान के बालोतरा जिले में स्थित पचपदरा रिफाइनरी की एक यूनिट में सोमवार को भीषण आग लग गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मंगलवार को इस रिफाइनरी का उद्घाटन करना था। फायर ब्रिगेड की 20 से ज्यादा गाड़ियों और कई आपातकालीन टीमों ने कई घंटे तक मशक्कत करने के बाद आग को काबू तो कर लिया है लेकिन फिलहाल प्रधानमंत्री का दौरा रद्द कर उद्घाटन कार्यक्रम को टाल दिया गया है। घटना की उच्चस्तरीय जांच का आदेश दिया गया है।

आग गने की शुरुआत रिफाइनरी की कच्चे तेल की डिस्टिलेशन इकाई के पास हुई जो कुछ ही देर में काफी भीषण हो गई। इस घटना से रिफाइनरी में अफरा-तफरी की स्थिति पैदा हो गई। चना मिलते ही मौके पर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू बुझाना शुरु कर दिया। कुछ घंटों बाद आपातकालीन टीमों ने विकराल आग पर पर काबू पा लिया। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक दमकल की गाड़ियों ने करीब दो घंटे में आग पर काबू पा लिया। उन्होंने बताया कि आग बुझाने के बाद अब इससे हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है। पुलिस और प्रशासन के कई अधिकारी एवं उनकी टीमें मौके पर पहुंची है जो हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

घटना के बाद मोदी का दौरा टला उद्घाटन कार्यक्रम स्थगित

पचपदरा रिफाइनरी का मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नरेंद्र के हाथों उद्घाटन किया जाना था जिसे आग लगने की घटना के बाद स्थगित कर दिया गया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि इस रिफाइनरी का लोकार्पण कार्यक्रम फिलहाल टाल दिया गया है और नई तारीख की घोषणा बाद में की जाएगी।

इस घटना के कारण रिफाइनरी में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सोमवार का प्रस्तावित रद्द भी कर दिया गया। मुख्यमंत्री शर्मा ने रिफाइनरी में आग लगने की घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। शर्मा ने बताया कि रिफाइनरी में वर्तमान में स्थिति पूर्णतः नियंत्रण में है। घटना की उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिए गए हैं।

पचपदरा की रिफाइनरी में आग लगने के बाद आसमान में उठता काले धुएं का गुबार।

9,450 करोड़ की परियोजना, सालाना क्षमता 90 लाख टन

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक बालोतरा के पचपदरा में स्थित 79,450 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली यह परियोजना देश के ऊर्जा और पेट्रोरसायन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। साथ ही यह भारत का पहला नया एकीकृत रिफाइनरी सह पेट्रोरसायन परिसर भी है। इसी कारण प्रधानमंत्री मोदी के हाथों मंगलवार को इस रिफाइनरी का लोकार्पण कार्यक्रम तय किया गया था। यह परियोजना हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और राजस्थान सरकार के संयुक्त उपक्रम के रूप में विकसित की गई है। इसकी सालाना क्षमता 90 लाख टन होगी।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी हो सकती है कारण: कांग्रेस

इस बीच, विपक्षी दल कांग्रेस ने इस घटना को सुरक्षा में चूक का संकेत बताया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस घटना को गंभीर और चिंताजनक बताते हुए कहा कि इससे पहले तैयारियों पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोजन की जल्दबाजी में सुरक्षा मानकों से समझौता किया गया और परियोजना के क्रियान्वयन में देरी भी हुई। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए सभी की सुरक्षा की कामना की।

केजरीवाल को झटका, जज का खुद को सुनवाई से अलग करने से इन्कार

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट की न्यायाधीश स्वर्ण कांता शर्मा ने सोमवार को आबकारी नीति मामले की सुनवाई से खुद को अलग करने से इन्कार करते हुए आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और अन्य लोगों की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी वादी को बिना किसी सबूत के न्यायाधीश पर फैसला करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है और न्यायाधीश किसी वादी के पूर्वाग्रह के निराधार डर को दूर करने के लिए खुद को मामले से अलग नहीं कर सकते हैं।

एक घंटे से अधिक समय तक हुई सुनवाई में न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि किसी राजनीतिक नेता को बिना किसी आधार के किसी संस्था को नुकसान पहुंचाने की अनुमति नहीं दी जा सकती क्योंकि किसी न्यायाधीश पर व्यक्तिगत हमला न्यायपालिका पर ही हमला होता है। न्यायमूर्ति शर्मा ने निष्कर्ष निकाला कि उन्हें हटाने की याचिकाओं में वर्णित विवरण अनुमानों और कथित झुकावों पर आधारित था। न्यायाधीश ने कहा, यह अदालत अपने और संस्था के लिए खड़ी रहेगी, मैं खुद को इस मामले से अलग नहीं करूंगी।

- आप संयोजक से कहा- आपके तर्क अनुमानों पर आधारित, खारिज की याचिका

केजरीवाल ने आबकारी नीति मामले में अपनी रिहाई के खिलाफ सीबीआई की याचिका की सुनवाई कर रही न्यायाधीश के खिलाफ कई आपत्तियां उठाई थीं, जिनमें यह भी शामिल था कि उन्होंने पहले उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर उन्हें राहत देने से इन्कार कर दिया था और मनीष सिसोदिया और के. कविता सहित अन्य आरोपियों को भी राहत देने से इन्कार कर दिया था। केजरीवाल के अलावा आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक ने भी न्यायाधीश को मामले से अलग करने के लिए आवेदन दायर किए थे।

रवि शंकर को यूनान में भारत के नया राजदूत नियुक्त किया

नई दिल्ली। वरिष्ठ राजनयिक रवि शंकर को यूनान में भारत का राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि रवि शंकर अपना नया पद भार जल्द ही संभालेंगे। भारतीय विदेश सेवा के 1995 बैच के अधिकारी रवि शंकर इस समय यूक्रेन में भारत के राजदूत हैं। वह विदेश मंत्रालय के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण पदों पर पर काम कर चुके हैं।

उत्तर कोरिया में अब क्लस्टर बमों का परीक्षण

सियोल। उत्तर कोरिया ने सोमवार को इस महीने दूसरी बार क्लस्टर बमों से लैस बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया है, जिसे अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई रक्षा प्रणालियों से मुकाबला करने के लिए देश की क्षमताओं को बढ़ाने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। इस प्रक्षेपण के दौरान उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और उनकी बेटी भी मौजूद रहे।

उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण कोरिया, जापान और अमेरिका ने उत्तर कोरिया के पूर्वी तट से दूर कई बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण का पता लगाया है। केसीएनए की ओर से जारी तस्वीरों में उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और उनकी बेटी एक तटीय निगरानी क्षेत्र से पानी के ऊपर से गुजरते हुए एक प्रक्षेपास्त्र को देखते नजर आ रहे हैं।

इस दौरान दोनों ने काले रंग की चमड़े की जैकेट पहनी हुई है। दक्षिण कोरिया की खुफिया सेवा ने हाल में कहा था कि किम की बेटी का नाम किम जू ऐ है और वह किम की उत्तराधिकारी बन सकती हैं।

द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए भारत-अमेरिका के बीच वार्ता शुरू

वाशिंगटन, एजेंसी

भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर सोमवार को वाशिंगटन में तीन दिनों की अहम बैठक शुरू हो गई। बुधवार तक चलने वाली इस वार्ता का मकसद दोनों देशों के बीच कारोबार के रास्ते में आने वाली रुकावटों को दूर करना है। यह बातचीत ऐसे समय में हो रही है जब पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण पूरी दुनिया में ऊर्जा का संकट बना हुआ है।

अमेरिकी व्यापार नीति में हाल ही में हुए बदलावों के कारण यह बैठक काफी महत्वपूर्ण है। दरअसल अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आपातकालीन शक्तियों (1977 का कानून) के तहत लगाए गए आयात शुल्क को रद्द कर दिया था, जिसके बाद ट्रंप प्रशासन ने 24 फरवरी से 150 दिनों के लिए सभी देशों पर 10 प्रतिशत का एक समान शुल्क लागू कर दिया है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव और मुख्य वार्ताकार दर्पण जैन कर रहे हैं। 12 सदस्यों वाली इस टीम में वाणिज्य, सीमा शुल्क और विदेश मंत्रालय के अधिकारी शामिल हैं।

- कारोबार में आने वाली रुकावटों पर वाशिंगटन में शुरू हुई चर्चा

अक्टूबर 2025 के बाद दोनों देशों के बीच यह पहली आमने-सामने की बैठक है। सात फरवरी 2026 में जारी किए गए मसौदे को अमेरिकी टैरिफ नीति में आए बदलावों के बाद अब फिर से नए सिरे से तैयार करने की जरूरत है। फरवरी के मसौदे में अमेरिका ने भारतीय सामानों पर आयात शुल्क को 50 प्रतिशत से घटाकर लगभग 18 प्रतिशत करने और कुछ विशेष क्षेत्रों से आयात शुल्क को हटाने का प्रस्ताव दिया था।

पूर्वी चीन सागर में चीनी निर्माण पर भड़का जापान

टोक्यो। जापान सरकार ने पूर्वी चीन सागर में नये ढांचे निर्माण करने की चीन की कोशिशों पर सोमवार को कड़ा विरोध दर्ज कराया है। दोनों एशियाई देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच यह नया विवाद सामने आया है।

जापान के विदेश मंत्रालय ने कहा, चीन पिछले कुछ वर्षों से पूर्वी चीन सागर में प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के लिए गतिविधियों में तेजी ला रहा है। जापान ने पुष्टि की है कि दोनों देशों के बीच की भौगोलिक मध्य रेखा (इक्विडिस्टेंस लाइन) के चीनी हिस्से में अब तक कुल 23 ढांचे बनाए जा चुके हैं। हाल ही में जापान ने इसी क्षेत्र के पश्चिमी हिस्से में चीन द्वारा एक नया ढांचा स्थापित करने की गतिविधि की पहचान की है।

एक्स पर बाल यौन शोषण की तस्वीरें, मस्क फ्रांस में तलब

पेरिस। फ्रांस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बाल यौन उत्पीड़न की तस्वीरें और डीपफेक कंटेंट साझा किए जाने से जुड़े आरोपों की जांच के सिलसिले में सोमवार को अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क को समन भेजा है। पेरिस के अभियोजन कार्यालय के मुताबिक मस्क और एक्स की पूर्व सीईओ लिंडा याकारिनो को स्वैच्छिक पूछताछ के लिए तलब किया गया है, एक्स के अन्य कर्मचारियों को इस सप्ताह गवाह के रूप में पेश होना है।

मस्क को फरवरी में एक्स के फ्रांस स्थित दफ्तरों में हुई छापेमारी के बाद तलब किया गया था। यह छापेमारी जनवरी 2025 में पेरिस अभियोजक कार्यालय की साइबर अपराध इकाई द्वारा शुरू की गई जांच के तहत ली गई थी। मस्क और याकारिनो उस समय एक्स का प्रबंधन संभाल रहे थे। याकारिनो मई 2023 से जुलाई 2025 तक कंपनी की सीईओ रहीं। अभियोजकों ने कहा, ये पूछताछ उन्हें तथ्यों पर स्थिति स्पष्ट करने का अवसर देने के लिए हैं। इस चरण में जांच की प्रक्रिया एक रचनात्मक दृष्टिकोण के तहत जारी है, जिसका अंतिम उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एक्स फ्रांस में काम करते समय फ्रांसीसी कानूनों का पालन करे।

- एक्स की सीईओ लिंडा याकारिनो को भी जारी किया गया समन

एक बंद आंख भी आपको हर वक्त देखती है

आपके मोबाइल फोन का कैमरा

आपके मोबाइल फोन का कैमरा एक ऐसी आंख है जो आप पर हर वक्त नजर रखती है। तब भी जब वह बंद है। कल्पना करिए, आप अपने बेडरूम में अकेले हैं, आपका फोन साइड टेबल पर उल्टा रखा है। ऐसे में आप अगर सुरक्षित महसूस कर रहे हैं तो शायद नहीं जानते कि साइबर दुनिया में कैमरा हाइजैकिंग और विजुअल मेटाडेटा के जरिए आपकी प्राइवेसी एक पारदर्शी कांच के घर जैसी बन चुकी है।

जासूसी जो आप नहीं देखते

- हम सोचते हैं कि कैमरा तभी काम करता है जब हम एप खोलते हैं लेकिन सच यह है कि कई एप्स बैकग्राउंड परमिशन के जरिए आपके कैमरे का इस्तेमाल एनवायरनमेंट मैपिंग के लिए करते हैं।
- दुनिया की बड़ी टेक कंपनियां एआई का इस्तेमाल करके यह पता लगाती हैं कि आपके कमरे में किस ब्रांड का सोफा है, आपके पीछे कौन सी पेंटिंग लगी है, या आपकी कलाई पर कौन सी घड़ी है।
- आप इस बात पर चौंक सकते हैं कि आपने कभी सर्च नहीं किया, लेकिन आपको प्रीमियम घड़ियों के विज्ञापन आने लगते हैं, मगर वजह ये है कि आपके फोन ने आपकी कलाई पर उसे देख लिया था।

कैमरे की नजर से खुद को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी है कि बहुत ही निजी जगहों पर फोन को तकिए के नीचे या दराज के अंदर रखें।

आपकी फोटो की जन्म कुंडली

- जब आप एक सुंदर सूर्यास्त की फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर डालते हैं तो आप सिर्फ तस्वीर नहीं भेजते। उस फोटो के पीछे छिपा एक्सिफ डेटा बहुत कुछ बता देता है।
- आपकी जीपीएस लोकेशन भले बंद हो, पता लगता है कि तस्वीर किस समय ली गई और उस वक्त आपके फोन की ऊंचाई क्या थी। सेंसर डेटा से इसका अंदाजा लगता है।

डिजिटल प्राइवेसी को कैसे लॉक करें

- कैमरा कवर सबसे पुराना और सबसे कारगर तरीका है। एक छोटा सा प्लास्टिक स्लाइडर अपने फ्रंट और बैक कैमरे पर लगाएं। जब तक आप उसे खुद नहीं खोलेंगे दुनिया की कोई ताकत आपको देख नहीं पाएगी। मार्क जुकरबर्ग भी अपने लैपटॉप पर टेप लगाकर रखते हैं)
- एंड्रॉइड फोन के डेवलपर ऑप्शंस में जाकर सेंसर ऑफ का बटन शॉर्टकट में जोड़ें। इसे दबाते ही कैमरा और माइक्रोफोन ब्लॉक हो जाते हैं। देखें कि किन एप्स को कैमरे की परमिशन मिली हुई है। कैलकुलेटर या टॉर्च एप को कैमरे की जरूरत क्यों है। उसे डोंट अलाउ करें।

आई ट्रैकिंग...आपकी कमजोरी पर नजर

कुछ भविष्यवादी एल्गोरिदम अब आपकी पुतलियों की हरकत को ट्रैक कर रहे हैं। जब आप फोन पर स्क्रॉल करते हैं तो फ्रंट कैमरा यह नोट करता है कि आपकी आंखें किस विज्ञापन या किस तरह की इमेज पर ज्यादा देर तक रुकीं। अगर आपकी पुतलियां किसी डिस्काउंट सेल को देखकर फैलती हैं तो एआई समझ जाता है कि आपको कब और कैसे लालच देना है।

एक चौंकाने वाला तथ्य ...

एक रिसर्च के अनुसार, हैकर्स क्लिकजैकिंग के जरिए एक इनविजिबल लेयर बना देते हैं। आप स्क्रीन पर किसी गेम के बटन को दबाते हैं लेकिन असल में आप बैकग्राउंड में अपने कैमरे को फोटो खींचने की परमिशन दे रहे होते हैं। लिहाजा अगली बार जब आप फोन के सामने मुस्कुराएं भी तो याद रखें कि हो सकता है कोई और भी उस मुस्कुराहट को देख रहा हो सकता है। तकनीक लगातार आपको अपनी प्राइवेसी बचाए रखने की चुनौती दे रही है।

यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के मुंबई व चेन्नई परिसरों के लिए आवेदन शुरू

मुंबई। यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया (यूडब्ल्यूए) के मुंबई और चेन्नई स्थित परिसरों के लिए आवेदन प्रक्रिया सोमवार से शुरू हो गई। यूडब्ल्यूए इसके साथ ही एक ही समय में भारत में दो परिसर स्थापित करने वाला एकमात्र विदेशी विश्वविद्यालय बन गया है।

विश्वविद्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक इच्छुक छात्र अब उद्योग-सुसंगत तथा तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के चयनित विकल्पों में दाखिला ले सकते हैं। उपलब्ध पाठ्यक्रमों में कॉम्प्यूटर साइंस, साइबर सिक्युरिटी, डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिजनेस मैनेजमेंट, ग्लोबल बिजनेस, एंटरप्राइजेज एंड इनोवेशन, इकोनॉमिक्स, मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) तथा मास्टर ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी शामिल हैं। यूडब्ल्यूए के कुलपति प्रो. अमित चकमा ने कहा, भारत में हमारे परिसरों के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ होना यूडब्ल्यूए की यात्रा का एक महत्वपूर्ण चरण है। मुंबई और चेन्नई के माध्यम से अधिकाधिक भारतीय विद्यार्थियों को देश में रहकर वैश्विक स्तर की शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

- भारत में एक साथ दो परिसर शुरू करने वाला पहला विदेशी विश्वविद्यालय

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज आपको अपनी गति थोड़ा नियंत्रित रखनी होगी। तेजी से काम करने से नुकसान हो सकता है। दिन के अंत में राहत महसूस होगी।

वृष – आज आपके लिए दिन मजबूत रहेगा। आप अपने फैसलों पर टिके रहेंगे। काम में स्थिरता आएगी और लोग आपकी बात को महत्व देंगे।

मिथुन – आज हर बात में तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें। शांत रहकर काम करने से बेहतर परिणाम मिलेंगे। व्यापार में बड़ी साझेदारी हो सकती है।

कर्क – आज लोगों के साथ जुड़कर काम करने से लाभ मिलेगा। किसी पुराने संपर्क से भी मदद मिल सकती है।

सिंह – आज काम को लेकर ज्यादा जिम्मेदारी लेनी पड़ सकती है। कोई महत्वपूर्ण काम आपके भरोसे आ सकता है।

कन्या – आज आपके लिए कुछ नया सीखने का दिन है। अलग तरीके से काम करने का मौका मिलेगा। बदलाव को अपनाने से फायदा होगा।

तुला – आज का दिन कारोबारियों के लिए अच्छा नहीं है। किसी बात को लेकर मन अस्थिर हो सकता है। निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक – आज व्यापार में बड़ा लाभ मिल सकता है। अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। यात्रा मंगलमय रहेगी।

धनु – आज का दिन नया प्रोजेक्ट शुरू करने के लिए अनुकूल है। शांतिपूर्वक अपना काम करने का प्रयास करें। दर्द की शिकायत हो सकती है।

मकर – आज का दिन सकारात्मक रहेगा। कोई रचनात्मक काम आपको आगे बढ़ा सकता है। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है।

कुंभ – आज शंकालु स्वभाव के कारण परेशानी होगी। अपनी योजनाओं को जल्दबाजी में क्रियान्वित न करें। अपनी रुचि के अनुसार काम करें।

मीन – आज छोटे मौके को नजरअंदाज न करें। कोई नई बात आपके काम आ सकती है। आपके घर में रिश्तेदार आ सकते हैं।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

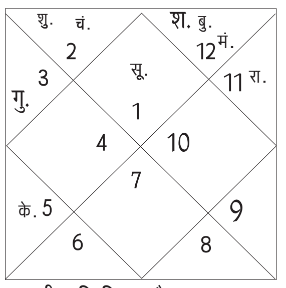

आज की ग्रह स्थिति : 21 अप्रैल, मंगलवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 22 अप्रैल 01.19 तक तत्पश्चात षष्ठी।

दिशाशूल-उत्तर, **ऋतु**- ग्रीष्म।

चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।

ताराबल-भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र- मृगशिरा 23 .58 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

सुडोकू - 125 का हल

7	9	8	1	6	3	5	2	4
4	2	5	7	8	9	3	6	1
3	6	1	5	4	2	8	9	7
8	3	2	4	9	5	7	1	6
9	5	7	6	3	1	2	4	8
6	1	4	8	2	7	9	5	3
1	7	9	3	5	6	4	8	2
5	8	6	2	7	4	1	3	9
2	4	3	9	1	8	6	7	5

सुडोकू -126

2			9	3	7	6		
				8		2		
5		9				1		
			5	6		7		
7								8
		8						3
		2				9		6
		4		5				
3		6		2	9			5

बुजुर्ग महिला का 250 ग्राम सोना चुराने वाली गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के केशवपुरम इलाके में 82 वर्षीय महिला के घर से लगभग 250 ग्राम सोने के आभूषण चुराने के आरोप में 40 वर्षीय घरेलू सहायिका को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान सुखवती के रूप में हुई है, जो लॉरेंस रोड पर झुग्गी में रहती है। उसके घर से चोरी का सारा सोना बरामद कर लिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि वरिष्ठ नागरिक के घर से सोने के आभूषणों की चोरी के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई, जिसके बाद केशव पुरम थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई और जांच शुरू की गई।

मुश्किल चुनौती | तनाव और संघर्ष की वैश्विक स्थितियों को माना जा रहा है कम नामांकन का कारण, पिछले चुनाव में थे 13 दावेदार

संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के लिए सिर्फ चार उम्मीदवार

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र का अगला महासचिव बनने के लिए चार उम्मीदवारों के बीच मुकाबला है और वे अपनी दावेदारी पेश करने के लिए इस सप्ताह संगठन के 193 सदस्यों के राजदूतों के प्रश्नों के उत्तर देंगे। यह संख्या 10 वर्ष पहले जब अंटोनियो गुटारेस का संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के रूप में चयन हुआ था, तब की तुलना में काफी कम है।

चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बेचेलेट मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के राजदूतों के समक्ष तीन घंटे के प्रश्नोत्तर सत्र में सबसे पहले शामिल होंगी। इस पद के उम्मीदवारों में बेचेलेट समेत दो महिलाएं और लातिन अमेरिका के तीन उम्मीदवार शामिल हैं। बेचेलेट के बाद अर्जेंटीना के संयुक्त राष्ट्र परमाणु प्रमुख राफेल मारियानो ग्रोसी का नंबर आएगा। संयुक्त राष्ट्र व्यापार प्रमुख रेबेका ग्रिंसपैन बुधवार को महासभा कक्ष में प्रश्नों का उत्तर देंगी और अंत में सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी साल पेश होंगे। इस पद के लिए 2016 में 13 उम्मीदवार मैदान में उतरे थे और मुकाबला काफी कड़ा था। इस बार संख्या कम होने पर सवाल उठ रहे हैं।

एक कारण यह है कि 2026 की दुनिया गहरे ध्रुवीकरण और संघर्षों से घिरी हुई है और मौजूदा परिस्थितियां 2016 के शांत वैश्विक माहौल से काफी अलग हैं। यह भी माना जा रहा है कि इसका कारण संयुक्त राष्ट्र की घटती साख भी है। यह संस्था एक दशक पहले जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने के लिए पेरिस जलवायु समझौते को साकार करने में अपनी भूमिका और वैश्विक आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने, पर्यावरण रक्षा करने तथा अमीर-गरीब देशों के बीच बढ़ती खाई कम करने के लिए 17 लक्ष्यों पर विश्व के नेताओं की सहमति बनने को लेकर उत्साहित थी।

हिचकिचाहट... सरकारों को चीन और अमेरिका की नाराजगी का ख्याल

संयुक्त राष्ट्र मामलों के जानकार और 'इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप' के कार्यक्रम निदेशक रिचर्ड गोवान ने कहा कि अंटोनियो गुटारेस के उत्तराधिकारी की दौड़ पर मौजूदा भू राजनीतिक स्थिति का असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि 10 वर्ष पहले कई उम्मीदवार यह जानते हुए भी मैदान में उतरे थे कि उनके जीतने की संभावना बहुत कम है। इस बार संभावित उम्मीदवार और उन्हें नामित करने वाली सरकारें अधिक सतर्क हैं। अब यह भावना है कि यदि कोई उम्मीदवार कोई गलती कर बैठा और उसने अमेरिका या चीन को नाराज कर दिया तो इससे कूटनीतिक नुकसान हो सकता है। गुटारेस का पांच वर्षीय दूसरा कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है।

“दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 में खराब प्रदर्शन से हम चिंतित नहीं हैं। यह मुश्किल समय है। एक टीम के तौर पर हमें एकजुट रहने की जरूरत है। उम्मीद है, हम सीरीज के तीसरे मैच में सकारात्मक सोच के साथ जाएंगे।
–कप्तान हरमनप्रीत कौर

स्टेडियम

अयोध्या, मंगलवार ,21 अप्रैल 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

सनराइजर्स हैदराबाद
बनाम
दिल्ली कैपिटल्स

समय - शाम 7:30 बजे

ऑरेंज कैप

- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद–283 रन
- शुभमन गिल गुजरात–251 रन
- विराट कोहली बैंगलुरु–247 रन

पर्पल कैप

- अंशुल कंबोज चेन्नई – 13 विकेट
- प्रसिद्ध कृष्णा गुजरात – 12 विकेट
- प्रिंस यादव लखनऊ– 11 विकेट

हाईलाइट

गोल्फर हन्ना ग्रीन ने जीती जेएम ईगल एलए चैंपियनशिप

लॉस एंजिलिस। जेएम ईगल एलए चैंपियनशिप में हन्ना ग्रीन ने प्रतियोगिता का खिताब जीता। उन्होंने अंतिम दौर में चार अंडर 68 के स्कोर से कुल 17 अंडर 271 का स्कोर बनाया। इस प्रतियोगिता में भारतीय गोल्फर अदिति अशोक अंतिम दौर में चार ओवर 76 के स्कोर से संयुक्त 51वें स्थान पर रहीं। अदिति ने अंतिम दौर में एक बर्डी की लेकिन वह दो बोगी और एक ट्रिपल बोगी कर गईं जिससे उनका स्कोर चार ओवर रहा। वर्ष 2017 में लेडीज पीजीए से जुड़ने वाली अदिति को टूर पर अपनी पहली जीत का इंतजार है।

लखनऊ सुपर जाएंट्स से जुड़ सकते हैं जॉश इंग्लिस

लखनऊ। मुश्किलों से जूझ रही लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए सत्र के बीच में एक बड़ी राहत की खबर है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के तूफानी बल्लेबाज जोश इंग्लिस चार मई को मुंबई इंडियंस के खिलाफ होने वाले आईपीएल मैच से पहले टीम में शामिल हो सकते हैं। अपनी शादी की वजह से 31 साल के इंग्लिस ने सत्र के पहले हाफ में नहीं खेलने का फैसला किया था। 18 अप्रैल को शादी के बंधन में बंधने के बाद इंग्लिस के कुछ समय के ब्रेक के बाद भारत आने की उम्मीद है। उन्हें लखनऊ ने आठ करोड़ 60 लाख रुपये में खरीदा था।

मुंबई की आधी टीम पैवेलियन लौटने पर उतरे तिलक वर्मा का शतकीय प्रहार

आईपीएल-2026 : गुजरात टाइटंस को दिया 200 रनों का लक्ष्य

अहमदाबाद, एजेंसी

तिलक वर्मा के नाबाद तूफानी शतक से मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ पांच विकेट पर 199 रन बनाए। तिलक ने आईपीएल के अपने पहले शतक के दौरान 45 गेंद में आठ चौकों और सात छक्कों से नाबाद 101 रन की पारी खेलने के अलावा कप्तान हार्दिक पंड्या (15 रन, 16 गेंद, एक चौका) के साथ पांचवें विकेट के लिए 81 और नमन धीर (45) के साथ चौथे विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी भी की।

तिलक की पारी की बदौलत मुंबई की टीम अंतिम चार ओवर में 73 रन जोड़ने में सफल रही। टाइटंस की ओर से कागिसो रबाडा सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 33 रन देकर तीन विकेट चटकाए। मोहम्मद सिराज ने 25 जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 54 रन देकर एक-एक विकेट हासिल किया।

शुभमन गिल ने टॉस जीतकर मुंबई इंडियन्स को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया जिस फैसले को रबाडा ने सही साबित करते हुए चौथे ओवर में 25 रन तक दोनों सलामी बल्लेबाजों क्विंटन डिकॉक (13) और दानिश मालेवार (02) को पवेलियन भेज दिया। रबाडा ने पारी के दूसरे ओवर में टी20 क्रिकेट में पदार्पण कर रहे मालेवार को पगबाधा किया और फिर अगले ओवर में डिकॉक को अपनी ही गेंद पर लपका। अच्छी फॉर्म में चल रहे नमन धीर ने मोहम्मद सिराज पर लगातार दो चौकों के साथ शुरुआत की। सूर्यकुमार यादव (15) ने भी रबाडा की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा लेकिन इस तेज गेंदबाज ने इसी ओवर में उन्हें बोल्ड कर दिया।

मुंबई इंडियन्स ने पावर प्ले में तीन विकेट पर 46 रन बनाए। नमन और तिलक वर्मा ने इसके बाद पारी को संभाला। नमन ने अशोक शर्मा पर लगातार दो चौके जड़ने के बाद वाशिंगटन सुंदर की लगातार गेंदों पर भी छक्का और चौका मारा।

मुंबई को इसके बाद बड़ा झटका लगा जब प्रसिद्ध कृष्णा की धीमी गेंद को पुल करने की कोशिश में नमन ने डीप स्क्वायर लेग बाउंड्री पर रबाडा को कैच थमा दिया। उन्होंने 32 गेंद का सामना करते हुए छह चौके और एक छक्का मारा। मुंबई के रनों का शतक 14वें ओवर में पूरा हुआ।

तिलक ने प्रसिद्ध की लगातार गेंदों पर छक्का और दो चौके जड़कर तेवर दिखाए। उन्होंने 18वें ओवर में अशोक की लगातार गेंदों पर तीन छक्के और दो चौके से 26 रन बटोरे और इस दौरान 33 गेंद में मौजूदा सत्र का अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। अगले ओवर में सिराज की गेंद पर ग्लेन फिलिप्स ने पंड्या का शानदार कैच लपका। तिलक ने प्रसिद्ध के अंतिम ओवर में दो छक्कों और दो चौकों के साथ 45 गेंद में शतक पूरा किया।

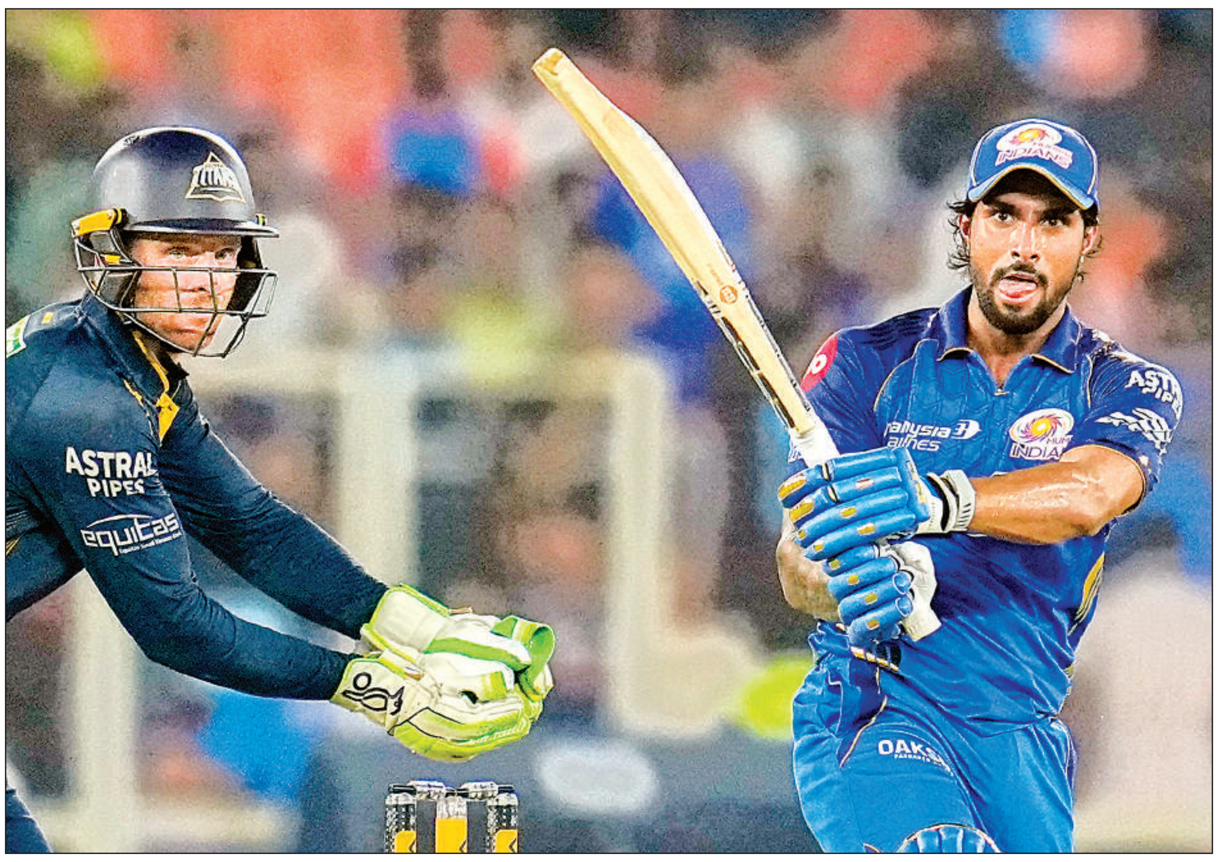

शतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते तिलक वर्मा। एजेंसी

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	6	5	0	1	11	1.420
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	6	4	2	0	8	1.171
3.	राजस्थान रॉयल्स	6	4	2	0	8	0.599
4.	सनराइज़र्स हैदराबाद	6	3	3	0	6	0.566
5.	दिल्ली कैपिटल्स	5	3	2	0	6	0.310
6.	गुजरात टाइटंस	5	3	2	0	6	0.018
7.	चेन्नई सुपर किंग्स	6	2	4	0	4	-0.780
8.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	6	2	4	0	4	-1.173
9.	कोलकाता नाइट राइडर्स	7	1	5	1	3	-0.879
10.	मुंबई इंडियंस	5	1	4	0	2	-1.076

हम एक-दूसरे से छोटी-छोटी चीजें सीखते हैं : कोनोली

मुल्लांपुर, एजेंसी

पंजाब किंग्स के ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कूपर कोनोली ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी टीम के अब तक के अजेय अभियान का श्रेय टीम के अंदर सकारात्मक माहौल और एक दूसरे से छोटी–छोटी चीज सीखने को दिया। कोनोली की 46 गेंद पर 87 रन की पारी और सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य (37 गेंदों में 93 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 182 रन की साझेदारी की मदद से पंजाब किंग्स ने रविवार को यहां सात विकेट पर 254 रन बनाए और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ 54 रन की आसान जीत दर्ज की।कोनोली ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा हम सभी इस बात पर चर्चा करते हैं कि एक–दूसरे के लिए क्या कारगर है। हम एक–दूसरे से छोटी–छोटी बातें सीखते हैं। हमें एक–दूसरे से छोटी–छोटी चीजें सीखने का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा हम सभी बेहतर होने की कोशिश कर रहे हैं। खेल का यही उद्देश्य होता है। सर्वश्रेष्ठ टीम बनना। हम एक टीम के रूप में बेहतर होने के लिए एक–दूसरे से सीख लेते हैं। कोनोली ने कप्तान श्रेयस अय्यर की टीम का शानदार तरीके से नेतृत्व करने के लिए सराहना की। पंजाब ने अब तक पांच मैच जीते हैं जबकि उसका एक मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था। वह अभी छह मैचों में 11 अंकों के साथ आईपीएल तालिका में शीर्ष पर है। कोनोली ले कहा वह (श्रेयस) खुद एक उदाहरण पेश करके नेतृत्व करते हैं। वह हमेशा यह कोशिश करते हैं कि टीम के सभी खिलाड़ी सहज महसूस करें। वह खिलाड़ियों को हमेशा बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी खिलाड़ी खुश होकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। प्रियांश के साथ अपनी साझेदारी के बारे में कोनोली ने कहा प्रियांश पिछले साल से ऐसा प्रदर्शन कर रहा है। मुझे उसे बल्लेबाजी करते देखना अच्छा लग रहा था। मुझे लगता है कि पहले बल्लेबाजी करने पर खेल में ज्यादा बदलाव नहीं आता। आप बस अच्छे क्रिकेट शॉट खेलने की कोशिश करते हैं, गेंदबाजी आक्रमण पर दबाव बनाते हैं और ढीली गेंदों का फायदा उठाते हैं।

मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को हरा खिताबी दौड़ को रोमांचक बनाया

प्रीमियर लीग

मैनचेस्टर, एजेंसी

स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड कि दूसरे हाफ में किए गए गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने आर्सेनल को 2-1 से हराकर प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में खिताब की दौड़ को रोमांचक बना दिया है। इस जीत से इस सिटी के 32 मैच में 67 अंक हो गए हैं जबकि शीर्ष पर काबिज आर्सेनल के 33 मैच में 70 अंक हैं। तीसरे और चौथे नंबर पर काबिज मैनचेस्टर यूनाइटेड और एस्टन विला के समान 58 अंक हैं।

मैनचेस्टर सिटी को रेलीगेशन के खतरे से जूझ रही बर्नली के खिलाफ मैच खेलना है और संभावना है कि पेप गार्डियोला की टीम इस मैच में जीत हासिल करके आर्सेनल की बराबरी पर पहुंच जाएगी और पांच दौर के मैच शेष रहते हुए बढ़त हासिल कर लेगी।

हालैंड ने 65वें मिनट में गोल किया जो उनका लीग में 23वां गोल है और वह इस प्रतियोगिता के मौजूदा सत्र में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। रायन चेर्की ने 16वें मिनट में सिटी को बढ़त दिलाई, लेकिन आर्सेनल ने दो मिनट बाद ही काई हावर्ट्ज के गोल से बराबरी कर दी थी। इस बीच लिवरपूल और एस्टन विला ने स्टॉपेज टाइम में विजयी गोल दागने के बाद चैंपियंस लीग में जगह बनाने की तरफ कदम बढ़ाए। वर्जिल वैन डाइक ने अतिरिक्त समय के 10वें मिनट में हेडर से गोल करके लिवरपूल को एवर्टन के खिलाफ 2-1 से जीत दिलाई। इस मैच में मोहम्मद सलाह ने रिकॉर्ड की बराबरी करने वाला गोल किया। उन्होंने लिवरपूल की तरफ से 1992 (प्रीमियर लीग युग) के बाद सर्वाधिक गोल करने के स्टीवन जेरार्ड के बराबरी की। सलाह इस सत्र के बाद लिवरपूल छोड़ देंगे।

आर्सेनल टीम को चकमा देकर गोल का प्रयास करता मैनचेस्टर सिटी का खिलाड़ी।

घरेलू परिस्थितियों का लाभ लेना चाहेगा हैदराबाद

- दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबला आज

हैदराबाद, एजेंसी

पिछले दो मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाली सनराइजर्स हैदराबाद की टीम मंगलवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाने की कोशिश करेगी। दोनों टीम के अभी छह-छह अंक है लेकिन सनराइजर्स का नेट रन रेट बेहतर है और इसलिए वह चौथे स्थान पर काबिज है। कप्तान पैट कमिंस की अनुपस्थिति में सनराइजर्स की गेंदबाजी कमजोर नजर आ रही थी लेकिन उसने धीरे-धीरे इसमें सुधार कर लिया है। कमिंस भी टीम से जुड़ गए हैं लेकिन वह इस मैच में नहीं खेल पाएंगे।

सनराइजर्स की तरफ से पिछले दो मैच में अपेक्षाकृत कम चर्चित खिलाड़ियों प्रफुल्ल हिंगे, साकिब हुसैन और शिवांग कुमार ने मौकों का पूरा फायदा उठाया है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हिंगे के शानदार प्रदर्शन के बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ ईशान मलिंगा की अगुवाई में गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया, जिससे उसकी टीम जीत हासिल करने में सफल रही। बल्लेबाजी सनराइजर्स का मजबूत पक्ष रहा है लेकिन पिछले कुछ मैच में उसके प्रमुख बल्लेबाज जैसे ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, कार्यवाहक कप्तान ईशान किशन अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बनाए रख पाए हैं।

अभ्यास सत्र के दौरान सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा (बाएं से दूसरे) और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल (दाएं से दूसरे। एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स में निरंतरता की कमी

दिल्ली कैपिटल्स की टीम अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं बना पाई है। केएल राहुल, पथुम निसांका और ट्रिस्टन स्टब्स जैसे बल्लेबाजों ने रन बनाए हैं, लेकिन टीम को उनसे और अधिक योगदान की जरूरत है। पहले दो मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले समीर रिजवी पिछले तीन मैच में दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच पाए जो दिल्ली कैपिटल्स के लिए चिंता का विषय है। दिल्ली की गेंदबाजी में हालांकि विविधता है और पिछले साल टीम की तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की अनुपस्थिति के बावजूद उसके गेंदबाजों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने किफायती गेंदबाजी और विकेट लेने की क्षमता का बेहतरीन तालमेल बिठाते हुए गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व किया है। उन्होंने अब तक पांच मैचों में सात विकेट लिए हैं।

टीम

सनराइजर्स हैदराबाद : ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी.

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब डार, नीतीश राणा, मिचेल स्टार्क, टी नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।

गर्व की बात

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक साल में 65 किग्रा भार वर्ग में अपराजेय हैं भारतीय पहलवान सुजीत कलकल

ऐसा नहीं है कि कोई मुझे हरा नहीं सकता : सुजीत

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पिछले एक साल में 65 किग्रा भार वर्ग में लगभग अजेय रहे भारतीय पहलवान सुजीत कलकल स्वयं को अपना आदर्श और जीत का प्रबल दावेदार मानते हैं लेकिन इसके साथ ही वह एलीट वर्ग की प्रतियोगिताओं में परिणाम को लेकर अनिश्चितता क प्रति भी जागरुक हैं। सुजीत ने जून 2025 में अंडर-23 एशियाई चैंपियनशिप में मिली जीत के बाद से सीनियर विश्व चैंपियनशिप को छोड़कर प्रत्येक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने हाल में बिश्केक में सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। उनका मानना है कि प्रदर्शन में निरंतरता और आत्मविश्वास उनकी सफलता की कुंजी रहे हैं।

सुजीत ने पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहामैं किसी खास व्यक्ति का अनुसरण नहीं करता। मुझे अपने मुकाबले देखना पसंद हैं, वह भी विशेषकर रविवार को। आप कह सकते हैं कि मैं खुद को अपना आदर्श मानता हूं। सुजीत भले ही किसी विशेष पहलवान को अपना आदर्श नहीं मानते, लेकिन वह योगेश्वर दत्त, बजरंग पूनिया और अमित धनकड़ जैसे दिग्गज पहलवानों की प्रशंसा करते हैं। उन्होंने कहा मैं योगेश्वर दत्त और अन्य पहलवानों को देखता था। उनसे सहनशक्ति, गति और ताकत जैसी कई चीजें सीखने को मिलती हैं, लेकिन मैं अधिकतर अपने मुकाबलों का विश्लेषण करता हूं। हमारा कार्यक्रम व्यस्त रहता है, लेकिन रविवार या विश्राम के दिनों में मैं अपने और सीनियर पहलवानों के मुकाबले देखता हूं। इससे गलतियों की पहचान करने और उनमें सुधार करने में मदद मिलती है। सुजीत ने 65 किग्रा में अपने दबदबे के बावजूद यह मानने से इनकार कर दिया कि इस वजन वर्ग में उनका पूर्ण नियंत्रण है। उनसे पहले ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया इस भार वर्ग में भाग लेते थे। उन्होंने कहा ऐसा कुछ नहीं है कि कोई मुझे हरा नहीं सकता। हर कोई कड़ी मेहनत करता है। जिसका दिन अच्छा होता है, वही जीतता है। ईश्वर की कृपा से मैं अब तक जीतता आया हूं और आगे भी जीतता रहूंगा तथा अपने देश को गौरवान्वित करूंगा।

इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि आगामी एशियाई खेल में उनके प्रदर्शन की असली परीक्षा होगी। उन्होंने कहा मैं पिछले दो साल से किसी भारतीय पहलवान से नहीं हारा हूं। ईरान और जापान की बात करें तो एशियाई खेलों में हमें अपना स्तर पता चल जाएगा। अभी भी कुछ कमियां हैं और हम उन पर काम कर रहे हैं। अपनी मजबूत रक्षण और तीखे जवाबी हमले करने में माहिर सुजीत ने स्वीकार किया कि अब उनका ध्यान अपने आक्रामक खेल, सहनशक्ति और ताकत में सुधार करने पर है।

कौशल को निखारने के लिए विभिन्न भार वर्गों में करते अभ्यास

सुजीत अपने कौशल को निखारने के लिए विभिन्न भार वर्गों में अभ्यास करते हैं। उन्होंने कहा हम ताकत और सहनशक्ति बढ़ाने के लिए अधिक वजन वाले पहलवानों तथा गति सुधारने के लिए 57 और 61 किग्रा भार वर्ग के पहलवानों के साथ अभ्यास करते हैं। इससे काफी मदद मिलती है। सुजीत ने कहा कि उनका ध्यान इस साल होने वाले एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप पर है क्योंकि दोनों प्रतियोगिताएं काफी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा एशियाई खेल चार साल में एक बार होते हैं और पिछली विश्व चैंपियनशिप में एक छोटी सी गलती के कारण मैं पदक से चूक गया था।

विश्व एथलेटिक्स ने भारत को डोपिंग में बेहद जोखिम वाली श्रेणी में रखा

मोनाको, एजेंसी

पिछले दो वर्षों से डोपिंग के मामले में शीर्ष पर रहने के बाद विश्व एथलेटिक्स ने सोमवार को भारत को डोपिंग के मामले में बेहद जोखिम वाला देश करार दिया जिससे एथलीटों पर अधिक सख्त डोपिंग रोधी नियम लागू होंगे। एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) बोर्ड ने हाल ही में लिए गए एक फैसले में भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) को विश्व एथलेटिक्स के डोपिंगरोधी नियमों के नियम 15 के तहत श्रेणी बी से फिर से श्रेणी ए में रख दिया है।

एआईयू के अध्यक्ष डेविड हॉमन ने एक विज्ञप्ति में कहा भारत में डोपिंग की स्थिति लंबे समय से बेहद जोखिम वाली रही है और दुर्भाग्य से घरेलू डोपिंग रोधी कार्यक्रम की गुणवत्ता डोपिंग के जोखिम के अनुपात में बिल्कुल भी नहीं है। उन्होंने कहा एएफआई ने हालांकि भारत में डोपिंग में सुधारों की वकालत की है लेकिन इसके बावजूद पर्याप्त बदलाव नहीं हुए हैं। एआईयू अब एएफआई के साथ मिलकर एथलेटिक्स खेल की अखंडता को बनाए रखने के लिए सुधार करने की दिशा में काम करेगा जैसा कि हमने श्रेणी ए में शामिल अन्य देशों के साथ किया है। भारत 2022 और 2025 के बीच एथलेटिक्स में डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघनों (एडीआरवी) के मामले में शीर्ष दो देशों में शामिल रहा है। एआईयू के अनुसार भारत में 2022 में 48 एडीआरवी (दूसरा स्थान), 2023 में 63 (दूसरा स्थान), 2024 में 71 (पहला स्थान) और 2025 में 30 एडीआरवी (पहला स्थान) दर्ज किए गए।

विश्व एथलेटिक्स डोपिंगरोधी नियमों के तहत एआईयू बोर्ड सभी सदस्य संघों को खेल में डोपिंग के जोखिम के आधार पर वर्गीकृत करता है। श्रेणी ए में उन सदस्य देश को रखा जाता है जहां डोपिंग का जोखिम सर्वाधिक होता है। इन देशों के प्रति डोपिंग के मामले में अधिक कड़ा रवैया अपनाया जाता है।